शनिवार

पटना, 29 मार्च 2025
पृष्ठः 12
मूल्यः 2/- रू.
प्रातः संस्करण
चैत्र कृष्ण 15 वि. 2081
email: sattakikhoj@gmail.com
वर्षः 42
अंक 85
आर. एन. आई. संख्या- 39751/84

हिन्दी दैनिक

सत्ता की खोज

जनतंत्र का निष्पक्ष एवं निर्भीक प्रहरी

संक्षिप्त

जस्टिस यशवंत वर्मा के ट्रांसफर को केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की अधिसूचना जारी की। शुक्रवार को जारी एक सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को उनके सरकारी आवास पर नकदी पाए जाने के आरोपों के बीच इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर दिया गया है। केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय के एक अन्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सीडी सिंह को भी इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम की पूर्व सिफारिश के बाद विधि मंत्रालय ने उनके स्थानांतरण की पुष्टि कर दी है। कॉलेजियम का यह निर्णय कथित रूप से स्वतंत्र है तथा होली के दौरान न्यायमूर्ति वर्मा के घर में आग लगने की घटना के बाद कथित रूप से नकदी मिलने के बाद की गई आंतरिक जांच से इसका कोई संबंध नहीं है।

इससे पहले आज दोपहर में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। उनके सरकारी आवास पर कथित तौर पर अवैध नकदी मिलने का मामला सामने आया है। जस्टिस वर्मा के घर में आग लगने की घटना के बाद वहां से नकदी की बोरियां बरामद की गई थीं।

थाईलैंड-म्यांमार में आई भूकंप से तबाही तो पीएम मोदी ने जताई चिंता, मदद के लिए बढ़ाया हाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। म्यांमार में आज 7.7 तीव्रता का भूकंप आया और 6.8 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र सागाइंग शहर से 16 किमी उत्तर-पश्चिम में और 10 किमी की गहराई पर था। हताहतों की खबरें हैं, लेकिन सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। भूकंप के झटके थाईलैंड तक महसूस किए गए, जहां राजधानी बैंकॉक में कुछ मेट्रो और रेल सेवाएं निलंबित कर दी गईं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने संकट की समीक्षा के लिए एक "तत्काल बैठक" की और बैंकॉक में 'आपातकाल' की स्थिति घोषित की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसको लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि भारत हर तरह की सहायता देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स को लिखा, "म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। इस संबंध में, हमने अपने अधिकारियों को तैयार रहने को कहा है। साथ ही विदेश मंत्रालय से म्यांमार और थाईलैंड की सरकारों के संपर्क में रहने को कहा है।"

'तेजस्वी को सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता'

पटना। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में अपने बेटे तेजस्वी यादव की राजनीतिक संभावनाओं के बारे में एक मजबूत घोषणा की। जसौली-जमुनिया गांव में पूर्व विधायक जमुना यादव की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए लालू ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि इस बार तेजस्वी यादव को बिहार में सरकार बनाने से कोई नहीं रोक सकता। लालू ने घोषणा की, "कोई माई का लाल तेजस्वी यादव को सरकार बनाने से नहीं रोक सकता है।"

अपने संबोधन के दौरान लालू ने महिला कल्याण योजना "मैं बहन मान योजना" को लागू करने का संकल्प लिया और समाज के वंचित वर्गों की सेवा के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

कोसी-मेची लिंक और पटना-आरा-सासाराम फोरलेन को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी सौगातः बिहार में 10,000 करोड़ से अधिक की दो बड़ी परियोजनाएं स्वीकृत

संवाददाता

पटना। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाइब्रिड एन्युटी मोड पर बिहार में 4-लेन ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड पटना-आरा-सासाराम कॉरिडोर (NH-119A) (120.10 किमी) के निर्माण को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह परियोजना पटना-आरा-सासाराम को जोड़ेगी। यह परियोजना पांच राष्ट्रीय राजमार्गों और चार राज्य राजमार्गों को जोड़ेगी। इससे बिहार में भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी। अश्विनी वैष्णव ने आगे बताया कि कोसी नदी पूरे बिहार राज्य में बहने वाले पानी का एक प्रमुख स्रोत है और कोसी नदी के पानी को मेची नदी से जोड़ने के लिए 6,282 करोड़ रुपये की एक बड़ी परियोजना को मंजूरी दी गई है।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि यह परियोजना भारी आर्थिक लाभ और महत्वपूर्ण आपदा प्रबंधन प्रदान करेगी। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश भर में पीएंडके उर्वरकों पर सस्ती, रियायती और उचित दरें

सुनिश्चित करने के लिए खरीफ 2025 के लिए 37,216.15 करोड़ रुपये की एनबीएस सब्सिडी को मंजूरी दी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा सुनिश्चित किया है कि किसानों पर बोझ न पड़े। डीएपी की कीमत 1350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम बैग पर बनी रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने 37,216.15 करोड़ रुपये की एनबीएस सब्सिडी को मंजूरी दी है... इससे करोड़ों किसानों को लाभ होगा।

केंद्र सरकार ने 22,919 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ गैर-सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू करने की शुक्रवार को मंजूरी दे दी। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस फैसले की जानकारी दी। वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि गैर-सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा क्षेत्र के लिए लाई गई इस प्रोत्साहन योजना ❐शेष पृष्ठ 9 पर

'हम बहुत बारीकी से नजर रखते हैं', अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को लेकर पाकिस्तान पर बरसे एस जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शुक्रवार को संसद में पाकिस्तान को देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अपराध और अत्याचार के लिए आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भारत ऐसे मामलों पर बहुत बारीकी से नजर रखता है और इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाता है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के रुख को दोहराते हुए पाकिस्तान की आलोचना की, जहाँ पड़ोसी देश को "मानवाधिकारों के हनन और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न" के लिए नामित और शर्मिंदा किया गया था। जयशंकर ने कहा कि हम पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार पर बहुत बारीकी से नजर रखते हैं। फरवरी (2025) में हिंदू समुदाय के खिलाफ अत्याचार के 10 मामले और सिख समुदाय से जुड़ी तीन घटनाएँ हुईं।

म्यांमार में आया 7.2 का जोरदार भूकंप, दिल्ली-एनसीआर तक असर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि शुक्रवार को म्यांमार में रिक्टर पैमाने पर 7.2 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया। पूरे देश में झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप का केंद्र अक्षांशः 21.93 उत्तर, देशांतरः 96.07 पूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। यूएसजीएस ने एक बयान में कहा कि भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:50 बजे (0620 GMT) के आसपास सागाइंग शहर के उत्तर-पश्चिम में 16 किलोमीटर (10 मील) की दूरी पर 10 किलोमीटर की गहराई पर आया।

बैंकॉक में भी भूकंप के झटके

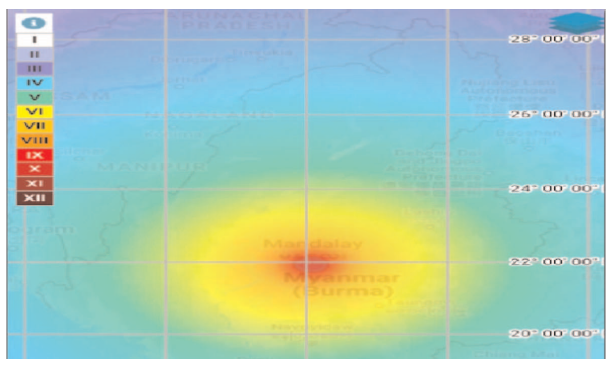

महसूस किए गए। लोग अपने घरों से बाहर भागते हुए देखे गए और कुछ वीडियो में लोगों को खाना खाते समय हिलते हुए दिखाया गया। बैंकॉक में स्थानीय गवाहों ने बताया कि लोग घबराकर सड़कों पर भाग गए और स्विमिंग पूल से पानी बाहर निकल आया। इस महीने की शुरूआत में, रिक्टर स्केल पर 4.3 तीव्रता का एक और भूकंप म्यांमार में आया था। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ❐शेष पृष्ठ 9 पर

'राणा सांगा का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान', सपा सांसद के बयान पर संसद में गरजे रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शुक्रवार को राज्यसभा में उस समय भारी हंगामा हुआ जब भाजपा सांसदों ने समाजवादी पार्टी के नेता रामजी लाल सुमन की राजपूत राजा राणा सांगा के खिलाफ की गई टिप्पणी की निंदा की और उनसे माफी मांगने की मांग की। भाजपा सांसदों को सदन में नारेबाजी करते देखा गया और उन्होंने सपा सांसद के बयान की निंदा करते हुए कार्यवाही को 30 मिनट के लिए स्थगित कर दिया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राणा सांगा पर सुमन के बयान की निंदा की और इसे 'अपमान' करार दिया। लोकसभा में भी यह मुद्दा उठा। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने राणा सांगा को लेकर एक राज्यसभा सदस्य के बयान पर उठे विवाद का मुद्दा शुक्रवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि राणा सांगा जैसे महान सपूतों का अपमान देश नहीं सहेगा।

केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार ने दी खुशखबरी

2% महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते या डीए में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो 1 जनवरी से प्रभावी होगी। इस संशोधन के साथ, महंगाई भत्ता (डीए) 53% से बढ़कर 55% हो जाएगा, जिससे अपेक्षित 8वें वेतन आयोग से पहले कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि होगी।

पिछली बढ़ोतरी जुलाई 2024 में हुई थी, जब डीए को 50% से बढ़ाकर 53% किया गया था। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई से निपटने में मदद करने के

लिए हर दो साल में डीए की घोषणा की जाती है। यह कर्मचारियों के टेक-होम वेतन का एक हिस्सा है और इसकी गणना उनके मूल वेतन के एक हिस्से के रूप में की जाती है। उदाहरण के लिए, 1 लाख के मूल वेतन पर, यदि सरकार 2% वृद्धि की घोषणा करती है तो ऊ्ञ 55% होगा, जो 55,000 के बराबर होगा। डीए वह अतिरिक्त धन है जो सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के नियोक्ता अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बढ़ती कीमतों से निपटने में मदद करने के ❐शेष पृष्ठ 9 पर

बिहार चुनाव की तैयारी में राहुल गांधी, 7 को पटना आएंगे

संविधान सुरक्षा सम्मेलन को करेंगे संबोधित

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। इसी कड़ी में वे 7 अप्रैल को पटना का दौरा करेंगे। इस दौरान वे एसकेएम हॉल में आयोजित 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में शामिल होंगे और इसे संबोधित भी करेंगे। यह इस वर्ष में उनका तीसरा बिहार दौरा होगा। इससे पहले वे 18 जनवरी और 5 फरवरी को भी बिहार आ चुके हैं। उनके इस दौरे को राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस बिहार चुनाव की तैयारी में पूरी ताकत से जुट गई है।

कांग्रेस पार्टी ने संविधान सुरक्षा, सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द्र की विचारधारा को मजबूत करने के लिए इस सम्मेलन का आयोजन किया है। पार्टी ने देशभर के उन संगठनों और नेताओं से इसमें शामिल होने की अपील की है जो

इन मुद्दों पर काम कर रहे हैं। कांग्रेस का मानना है कि वर्तमान समय में संविधान पर खतरा मंडरा रहा है और ऐसे में इसके संरक्षण के लिए व्यापक स्तर पर आंदोलन चलाने की जरूरत है। इसी संदर्भ में राहुल गांधी इस सम्मेलन के माध्यम से पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करेंगे और आगे की रणनीति तय करेंगे।

राहुल गांधी के पिछले दो बिहार दौरों के बाद कांग्रेस में कई बड़े बदलाव किए गए। 18 जनवरी और 5 फरवरी के दौरे के बाद पार्टी ने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष को बदल दिया था। अब पार्टी ने जिलाध्यक्षों की नई टीम तैयार करने के लिए स्क्रूटनी कमिटी का गठन किया है। इससे साफ है कि कांग्रेस राज्य में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए संगठनात्मक बदलाव कर रही है। इसके अलावा, पार्टी ने कन्हैया कुमार को भी सक्रिय कर दिया है, जो युवाओं के बीच एक प्रभावशाली चेहरा माने जाते हैं। कांग्रेस चाहती है कि कन्हैया कुमार राज्य में पार्टी के लिए अधिक से अधिक समर्थन जुटाएं और युवाओं को पार्टी से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएं।

हाल ही में दिल्ली में बिहार कांग्रेस के नेताओं के साथ हुई बैठक में राहुल गांधी ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने लंबे भाषण देकर माहौल बनाने वाले नेताओं को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि वे केवल काम पर ध्यान दें। बैठक में पिछड़ी जाति से पांच और अति पिछड़ी जाति से केवल एक नेता मौजूद था। राहुल गांधी ने इस ❐शेष पृष्ठ 9 पर

उपसभापति का पद अभी भी खाली क्यों है, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से विपक्ष का सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्षी इंडिया ब्लॉक दलों के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित एक ज्ञापन के साथ अध्यक्ष ओम बिरला के समक्ष सदन के उपाध्यक्ष की नियुक्ति में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात करने वाले सांसदों में गोगोई, द्रमुक के ए राजा, सपा के धर्मेंद्र यादव, तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सुप्रिया सुले शामिल थीं। उन्होंने अध्यक्ष द्वारा विपक्ष के अधिकारों के हनन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया, जिसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सदन के नेताओं को कई बार अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति नहीं देने जैसे फैसलों का हवाला दिया, जबकि सत्ता पक्ष के सांसदों को अक्सर अपनी बात कहने और जवाब देने की अनुमति दी जाती थी।

मधुबनी में इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में एनआईए का छापा, कोऑपरेटिव बैंक घोटाले मामले में कोई कार्रवाई

मधुबनी। महाराष्ट्र के न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक घोटाले में 122 करोड़ रुपये की हेराफेरी की जांच के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार के मधुबनी जिले में बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने जिले के एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक शोरूम डिजिटल दुनिया पर छापा मारा। यह शोरूम महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री हैदर आजम के भाई जावेद आजम से जुड़ा बताया जा रहा है। एनआईए की टीम जब मधुबनी नगर थाना क्षेत्र के वाटसन स्कूल के पास स्थित इस शोरूम पर पहुंची, तो वहां मौजूद मैनेजर से पूछताछ की गई। टीम ने उसे हिरासत में लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाईं। जांच के दौरान शोरूम से एक लैपटॉप भी जब्त किया गया, जिसे आगे की जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। इस दौरान मधुबनी नगर थाना के पुलिस अधिकारी मुरली पासवान भी अपनी टीम के साथ वहां मौजूद रहे और जांच प्रक्रिया में सहयोग किया। सूत्रों के अनुसार, एनआईए की टीम सिर्फ इस शोरूम तक सीमित नहीं रहने वाली है। एजेंसी जावेद आजम के अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी की योजना बना रही है। जावेद मधुबनी जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के गैसनगर के रहने वाले हैं और बिहार के कई जिलों में उनके इलेक्ट्रॉनिक शोरूम मौजूद हैं। जांच एजेंसी को पूछताछ के दौरान कुछ अहम सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर आगे की जांच जारी रहेगी। एनआईए ने शोरूम के मालिक और उससे जुड़े अन्य लोगों से भी पूछताछ की। दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस ❐शेष पृष्ठ 9 पर

मार्च तक बनकर तैयार हो जायेगा बिहार का पहला डबल डेकर

अप्रैल तक जनता को किया जाएगा समर्पितः मंत्री

पटना। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन द्वारा शुक्रवार को पटना के साइंस कॉलेज से पीएमसीएच होते हुए गांधी मैदान स्थित कारगिल चौक तक बन रहे एलिवेटेड कॉरिडोर (डबल डेकर) के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके साथ बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष शीर्षित कपिल जी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पटना के अत्यधिक व्यस्त अशोक राजपथ पर यातायात को सुगम बनाने और जाम की समस्या कम करने के लिए कारगिल चौक से साइंस कॉलेज तक डबल-डेकर फ्लाईओवर का निर्माण अब अपने अंतिम चरण में पहुँच गया है। परियोजना पूर्ण होने के पाश्चात्य यह आवागमन के लिए खुलने वाला बिहार का पहला डबल-डेकर फ्लाईओवर होगा। मार्च महीने में यह योजना पूर्ण हो जाएगा। वहीं, अप्रैल माह के अंत तक जनता को इसे समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अशोक राजपथ डबल-डेकर फ्लाईओवर की कुल लंबाई 2.2 किमी है। इस फ्लाईओवर का पहला स्तर 1.5 किमी लंबा होगा, जो पटना कॉलेज से बीएन कॉलेज तक फैला होगा, जबकि दूसरा स्तर 2.2 किमी लंबा होगा, जो कारगिल चौक से साइंस कॉलेज तक विस्तृत है। दोनों स्तरों पर 8.5 मीटर चौड़ी कैरिजवे होगी, जो एकतरफा यातायात के लिए डिजाइन की गई है। फ्लाईओवर का ऊपरी डेक गाँधी मैदान से साईस कॉलेज तरफ जाने वाले यातायात के लिए है एवं नीचे का डेक पटना कॉलेज से गाँधी मैदान की तरफ जाने वाले यातायात के लिए है। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन द्वारा बताया गया कि परियोजना का कार्य लगभग पूरा ❐शेष पृष्ठ 9 पर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैबिनेट विस्तार पर उठी अटकलों पर दी प्रतिक्रिया

"शुभ मुहूर्त आने पर आप सभी को पता लग जाएगा", सीएम धामी

(प्रतीक पाठक)

देहरादूनः उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैबिनेट में फेरबदल और विस्तार को लेकर उठ रही अटकलों पर शुक्रवार को स्पष्ट बयान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक महीने से इस पर चर्चा की जा रही है और यह मामला समय आने पर हल हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शुभ मुहूर्त आने पर सभी को बदलाव के बारे में पता चल जाएगा। मुख्यमंत्री धामी गुरुवार को देहरादून मेडिकल कॉलेज सभागार में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे। दिल्ली से लौटने के बाद सीएम से कैबिनेट विस्तार को लेकर मीडियाकर्मियों ने सवाल किया, जिसके जवाब में उन्होंने यह बयान दिया। धामी ने कहा, "आप लोग पिछले कई दिनों से इस पर चर्चा कर रहे हैं, लेकिन कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूं कि वह बदलाव होगा और आपको शुभ मुहूर्त आने पर यह बदलाव पता चल जाएगा।"

मुख्यमंत्री ने इस विषय पर बात करते हुए कहा कि पिछले एक महीने से यह चर्चा मीडिया में चल रही है लेकिन अब तक कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, "धन सिंह भी यहीं हैं और मैं भी यहीं हूं। कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह

मीडिया की चर्चा है और मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। मीडिया का काम है सवाल पूछना, लेकिन आपको यह भी समझना होगा कि किसी भी बदलाव की योजना सही समय पर ही घोषित की जाएगी।" मुख्यमंत्री धामी ने मीडिया से यह अपेक्षाएं भी जताई कि वह उन मुद्दों पर चर्चा करें, जिनका राज्य के विकास में वास्तविक महत्व हो। उन्होंने कहा, "जब राज्य में कोई ऐसी चीज नहीं होती जिसका सिर और पैर हो तो उस पर चर्चा कैसे की जाती है? पत्रकारिता और मीडिया की प्रमाणिकता बनी रहनी चाहिए।" मुख्यमंत्री ने इस बयान के जरिए यह स्पष्ट किया कि कैबिनेट फेरबदल की चर्चा मीडिया में जोरों पर है, लेकिन इसकी सच्चाई को समय आने पर ही स्पष्ट किया जाएगा।

धामी के इस बयान के बाद प्रदेश में कैबिनेट फेरबदल की अटकलें फिर से तेज हो गईं। प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के त्यागपत्र देने के बाद से इस विषय पर चर्चा जोरों पर थी। मुख्यमंत्री के दिल्ली प्रवास और कैबिनेट विस्तार की खबरों के बीच सोशल मीडिया पर भी इस विषय पर कई खबरें वायरल हुई थीं। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि मुख्यमंत्री धामी अपने दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय नेताओं से कैबिनेट विस्तार और फेरबदल के मुद्दे पर चर्चा कर रहे थे। इसी के चलते राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें और भी तेज हो गईं। सोशल मीडिया पर भी इन चचाओं को लेकर कई तरह की अफवाहें फैलाई जा रही थीं। लेकिन मुख्यमंत्री ने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के बदलाव की घोषणा शुभ मुहूर्त पर की जाएगी, और फिलहाल ऐसा कोई बदलाव नहीं ❐शेष पृष्ठ 9 पर

सत्ता की खोज

पटना, शनिवार, 29 मार्च 2025

यात्रियों की सुविधा हेतु स्पेशल रेलसेवाओं के संचालन दिवसों में विस्तार

जयपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु बान्द्रा टर्मिनस-बीकानेर-बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में 13 ट्रिप का विस्तार किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 09035/09036, बान्द्रा टर्मिनस-बीकानेर-बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में बान्द्रा टर्मिनस से दिनांक 02.04.25 से 25.06.25 तक (13 ट्रिप) एवं बीकानेर से दिनांक 03.04.25 से 26.06.25 तक (13 ट्रिप) विस्तार किया जा रहा है। नोटः- उपरोक्त रेलसेवा के संचालन समय एवं ठहराव पूर्ववत रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

सुगम रेल संचालन व यात्रियों की सुविधा हेतु महबुबाबाद स्टेशन पर तीसरी लाइन डालने हेतु किया जा रहा है नॉन इण्टरलॉकिंग कार्य

जयपुर। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा सिकन्दराबाद मण्डल पर काजीपेट-कोंडापल्ली रेलखण्ड के मध्य महबुबाबाद स्टेशन पर तीसरी लाइन डालने हेतु नॉन इण्टरलॉकिंग ब्लॉक लिया जा रहा है। इस कार्य हेतु हिसार-तिरूपति- हिसार स्पेशल रेलसवा रद्द रहेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित निम्न रेलसेवाएं प्रभावित रहेगीः- रद्द रेलसेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से) 1. गाडी संख्या 04717, हिसार-तिरूपति एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 24.05.25 (01 ट्रिप) को रद्द रहेगी। 2. गाडी संख्या 04718, तिरूपति-हिसार एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 26.04.25 (01 ट्रिप) को रद्द रहेगी।

अररिया-सुपौल नई रेललाईन परियोजना के अंतर्गत सुपौल-पिपरा रेलखंड पर 29.03.2025 को किया जायेगा सीआरएस निरीक्षण

हाजीपुरः अररिया-सुपौल नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत नवनिर्मित 22 किमी लंबे सुपौल-पिपरा रेलखंड पर दिनांक 28.03.2025 को स्पीड ट्रायल तथा दिनांक 29.03.2025 को संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी परिमंडल, कोलकाता द्वारा निरीक्षण किया जायेगा। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त स्पीड ट्रायल एवं निरीक्षण के दौरान रेलवे लाईन से दूर रहें । साथ ही लेवल क्रासिंग को पार करते समय भी विषेष सावधानी रखें एवं ट्रेन की स्थिति देखकर ही रेल लाईन पार करें । इसकी अवहेलना करने पर यदि किसी भी प्रकार की दुर्घटना होती है तो इसके लिए रेल प्रषासन जिम्मेवार नहीं होगा।

सुपौल यार्ड रिमॉडलिंग के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

हाजीपुरः समस्तीपुर मंडल के सुपौल यार्ड रिमॉडलिंग के कारण ट्रेनों का परिचालन में बदलाव किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. दिनांक 29.03.25 को लहेरियासराय से खुलने वाली गाड़ी सं. 63379 लहेरियासराय-सहरसा मेमू पैसेंजर का आंषिक समापन सरायगढ़ में किया जाएगा । 2. दिनांक 29.03.25 को सरायगढ़ से खुलने वाली गाड़ी सं. 63382 सहरसा-लहेरियासराय मेमू पैसेंजर का आंषिक प्रारंभ सरायगढ़ से किया जाएगा । 3. दिनांक 29.03.25 को सहरसा से खुलने वाली गाड़ी सं. 63382 सहरसा-लहेरियासराय मेमू पैसेंजर सहरसा से 100 मिनट पुनर्निधारित समय से खुलेगी । 4. दिनांक 29.03.25 को फारबिसगंज से खुलने वाली गाड़ी सं. 75201 फरबिसगंज-सहरसा डेमू पैसेंजर को सरायगढ़ और सुपौल के मध्य 60 मिनट नियंत्रित कर चलायी जाएगी।

गर्दिश में हो तारों

गर्दिश में हो अगर सितारों
कभीमत घवराना तुमयारों
जीवन में सदा मुस्कुराते रहो प्यारों
जीवनमें हिम्मत कभीभी नहीं हारों
चारदिनोंकी जिंदगीमें खुशरहो प्यारों
जीवनकीलुत्फउठाओं गमनकरोप्यारों
कर्मवीर वन कर्तव्यपथ अग्रसर रहो
कर्म पथ प्रधानता समझ तत्पर रहो
माता-पिता सेवा में सतत लीन रहो
मुफलिसी में भी मातापिता संग रहो
घर-परिवार सहारा सदा वनकर रहो
गर्दिशोंमेंभी उनके संगमुस्कुराते रहो
अगर कभी गर्दिश में आ जाए तारों
घरपरिवार साथ नहीं छोड़ना प्यारों
जीवन पथ पर सतत अग्रसर रहो
बाधाओं का सामना डटकर करो
नर हो कभी भी निराश न रहा करो
जीवन संग्राम से सदाही जुझतेरहो
पालनहार को सदा याद करो
वहीं लगाएंगे तुम्हें भी किनारे

कवि डा.शैलेश प्रसाद सिंह

बंधन बैंक ने शौर्य वेतन खाता उपलब्ध कराने के लिए भारतीय वायु सेना के साथ की साझेदारी

बंधन बैंक ने आज घोषणा की कि उसने बंधन बैंक शौर्य वेतन खाता प्रदान करने के लिए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो विशेष रूप से रक्षा कर्मियों के लिए डिजाइन किया गया एक कॉर्पोरेट वेतन खाता है। बंधन बैंक की 1700 से अधिक शाखाओं से आईएएफ कर्मी कई विशेष लाभ जैसे कि जीरो बैलेंस बचत खाता, स्वयं और परिवार के लिए सुरक्षा और आकर्षक ब्याज दरों का लाभ उठा सकते हैं। शौर्य वेतन खाते के लिए भारतीय वायुसेना के साथ यह सहयोग, रक्षा कर्मियों के लिए स्पर्श सेवा केंद्र होने के अतिरिक्त है, जहां बैंक ने 557 नामित शाखाओं के माध्यम से रक्षा पेंशनभोगियों और उनके परिवारों को सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पर्श सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) के साथ साझेदारी की है। रक्षा मंत्रालय के सहायक वायुसेनाध्यक्ष (लेखा एवं वायु सैनिक) एयर वाइस मार्शल उपदेश शर्मा वीएसएम और बंधन बैंक के सरकारी व्यापार समूह के प्रमुख देबराज साहा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बंधन बैंक के शाखा बैंकिंग प्रमुख श्री सुजॉय रॉय, बंधन बैंक की केंद्र सरकार व्यापार प्रमुख सुश्री स्वाति दत्त और भारतीय वायुसेना और बंधन बैंक के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक और मुख्य व्यवसाय अधिकारी श्री राजिंदर बब्बर ने कहा, "एक अग्रणी अखिल भारतीय सार्वभौमिक बैंक के रूप में, बंधन बैंक अपने द्वारा की जाने वाली हर पहल के माध्यम से राष्ट्र का समर्थन करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है। प्रमुख सरकारी संगठनों के साथ स्थायी साझेदारी के माध्यम से, हम विश्व स्तरीय बैंकिंग समाधान प्रदान करने की अपनी विरासत पर बहुत गर्व करते हैं, जो इन प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा हम पर रखे गए भरोसे और विश्वास पर आधारित है। अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म, व्यापक शाखा नेटवर्क और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, हम भारतीय वायु सेना के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करने और एक बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। इस मौके पर बंधन बैंक के सरकारी व्यवसाय समूह के प्रमुख श्री देबराज साहा ने कहा, "भारतीय वायु सेना के साथ यह साझेदारी हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर 03 जोड़ी आरक्षित एवं 04 जोड़ी अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुरः यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुगम आवागमन हेतु रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 02436/02435 नई दिल्ली-पटना-नई दिल्ली वंदे भारत स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज-कानपुर-अलीगढ़ के रास्ते): गाड़ी संख्या 02436 नई दिल्ली-पटना वंदे भारत स्पेशल 29 मार्च से 31 मार्च, 2025 तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 08.30 बजे खुलकर उसी दिन 20.10 बजे पटना जं. पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 02435 पटना-नई दिल्ली वंदे भारत स्पेशल 30 मार्च से 01 अप्रैल, 2025 तक प्रतिदिन पटना जं. से 08.30 बजे खुलकर उसी दिन 20.10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। 2. गाड़ी संख्या 04088/04087 नई दिल्ली-पटना-नई दिल्ली सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते): गाड़ी संख्या 04088 नई दिल्ली-पटना सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 29 मार्च से 01 अप्रैल, 2025 तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 15.50 बजे खुलकर अगले दिन 08.40 बजे पटना जं. पहुंचेगी ।

गाड़ी संख्या 04087 पटना-नई दिल्ली सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 29 मार्च से 02 अप्रैल, 2025 तक प्रतिदिन पटना जं. से 12.00 बजे खुलकर अगले दिन 04.40 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी । 3. गाड़ी संख्या 04090/04089 नई दिल्ली-सहरसा-नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल (बरौनी-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते): गाड़ी संख्या 04089 सहरसा-नई दिल्ली सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 29 मार्च एवं 01 अप्रैल, 2025 को सहरसा से 18.45 बजे खुलकर अगले दिन 01.00 बजे पाटलिपुत्र रूकते हुए 18.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी । गाड़ी संख्या 04090 नई दिल्ली-सहरसा फेस्टिवल स्पेशल 31 मार्च को नई दिल्ली से 14.15 बजे खुलकर अगले दिन 06.55 बजे पाटलिपुत्र रूकते हुए 13.30 बजे सहरसा पहुंचेगी ।

4. गाड़ी संख्या 04430/04429 आनंद विहार-भागलपुर-आनंद विहार अनारक्षित स्पेशल (किउल-मोकामा-पटना-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते): गाड़ी संख्या 04430 आनंद विहार-भागलपुर अनारक्षित स्पेशल 29 मार्च एवं 30 मार्च, 2025 को आनंद विहार से 12.40 बजे खुलकर अगले दिन 05.20 बजे पटना जं. रूकते हुए 12.10 बजे भागलपुर पहुंचेगी । गाड़ी संख्या 04429 भागलपुर-आनंद विहार अनारक्षित स्पेशल 29 मार्च से 31 मार्च, 2025 तक भागलपुर से 14.30 बजे खुलकर 20.50 बजे पटना जं. रूकते हुए अगले दिन 14.30 बजे आनंद विहार पहुंचेगी । 5. गाड़ी संख्या 04432/04431 दिल्ली-सहरसा-दिल्ली अनारक्षित स्पेशल (बरौनी-हाजीपुर-छपरा- बलिया-वाराणसी-प्रयागराज के रास्ते): गाड़ी संख्या 04432 दिल्ली-सहरसा अनारक्षित स्पेशल 29 एवं 30 मार्च, 2025 को दिल्ली से 15.20 बजे खुलकर अगले दिन 10.20 बजे हाजीपुर रूकते हुए 16.00 बजे सहरसा पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी संख्या 04431 सहरसा-दिल्ली अनारक्षित स्पेशल 30 एवं 31 मार्च, 2025 को सहरसा से 20.00 बजे खुलकर अगले दिन 01.05 बजे हाजीपुर रूकते हुए 20.10 बजे दिल्ली पहुंचेगी । 6. गाड़ी संख्या 04434/04433 नई दिल्ली-जयनगर-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल (दरभंगा-समस्तीपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते): गाड़ी संख्या 04434 नई दिल्ली-जयनगर अनारक्षित स्पेशल 29 एवं 30 मार्च को नई दिल्ली से 23.30 बजे खुलकर अगले दिन 15.25 बजे पाटलिपुत्र रूकते हुए 23.00 बजे जयनगर पहुंचेगी । गाड़ी संख्या 04433 जयनगर-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल 30 मार्च से 01 अप्रैल, 2025 तक जयनगर से 04.00 बजे खुलकर 11.10 बजे पाटलिपुत्र रूकते हुए अगले दिन 04.00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी । 7. गाड़ी संख्या 04438/04437 दिल्ली-कटिहार-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल (बरौनी-हाजीपुर- पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते): गाड़ी संख्या 04438 दिल्ली-कटिहार अनारक्षित स्पेशल 29 एवं 30 मार्च, 2025 को दिल्ली से 14.15 बजे खुलकर अगले दिन 06.55 बजे पाटलिपुत्र रूकते हुए 13.40 बजे कटिहार पहुंचेगी । गाड़ी संख्या 04437 कटिहार-नई दिल्ली अनारक्षित स्पेशल 29 से 31 मार्च, 2025 तक कटिहार से 18.45 बजे खुलकर अगले दिन 01.00 बजे पाटलिपुत्र रूकते हुए 18.10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।

यात्रीगण रेल परिचालन से जुड़ी किसी भी प्रकार की अद्यतन जानकारी रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 डायल कर अथवा नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एन.टी.ई.एस) वेब पोर्टल या मोबाइल एप से प्राप्त कर सकते हैं।

पुणे- गाजीपुर सिटी-पुणे साप्ताहिक अनारक्षित ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की सुविधा हेतु 01415/01416 पुणे- गाजीपुर सिटी-पुणे साप्ताहिक अनारक्षित ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से 05 अप्रैल से 28 जून, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को तथा गाजीपुर सिटी से 07 अप्रैल से 30 जून, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को 13 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 01415 पुणे-गाजीपुर सिटी साप्ताहिक अनारक्षित ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 05 अप्रैल से 28 जून, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को पुणे से 06.40 बजे प्रस्थान कर दौंड कॉर्ड लाइन से 08.12 बजे, अहमदनगर से 09.32 बजे, मनमाड जं. से 13.15 बजे, जलगांव जं. से 15.25 बजे, भुसावल से 16.00 बजे, खंडवा से 19.00 बजे, इटारसी 21.20 बजे, पिपरिया से 22.12 बजे, नरसिंहपुर से 23.07 बजे, दूसरे दिन मदन महल से 00.45 बजे, कटनी से 02.55 बजे, मैहर से 04.12 बजे, सतना से 06.05 बजे, मानिकपुर से 08.47 बजे, प्रयागराज छिवकी से 11.05 बजे, वाराणसी जं. से 15.20 बजे, जौनपुर से 17.40 बजे तथा औंड़िहार से 18.35 बजे छूटकर गाजीपुर सिटी 20.15 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 01416 गाजीपुर सिटी-पुणे साप्ताहिक अनारक्षित ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 07 अप्रैल से 30 जून, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को गाजीपुर सिटी से 04.20 बजे प्रस्थान कर औंड़िहार से 05.15 बजे, जौनपुर से 07.05 बजे, वाराणसी जं. से 08.30 बजे, प्रयागराज छिवकी से 13.00 बजे, मानिकपुर से 16.27 बजे, सतना से 17.30 बजे, मैहर से 18.00 बजे, कटनी से 18.55 बजे, मदन महल से 20.30 बजे, नरसिंहपुर से 21.45 बजे, दूसरे दिन पिपरिया से 00.20 बजे, इटारसी से 01.15 बजे, खंडवा से 03.48 बजे, भुसावल से 06.25 बजे, जलगांव जं. से 06.52 बजे, मनमाड जं. से 09.05 बजे, अहमदनगर से 12.00 बजे तथा दौंड कॉर्ड लाइन से 16.12 बजे छूटकर पुणे 17.50 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी/साधारण द्वितीय श्रेणी कुसीर्यान के 16 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

सलमान खान से पहले समर सिंह की भोजपुरी फिल्म 'तेरा मेरा टशन' बिहार के सिनेमाघरों में हुई रिलीज

देसी स्टार समर सिंह एक से बढ़कर एक सुपरहिट गानों के जरिये करोड़ो दिलों पर राज करते हैं। उनका जब भी कोई गाना आता है तो वह फुल धमाल मचा देता है। ऐसे में बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म से पहले ही समर सिंह के हैरतअंगेज कारनामों से सजी भोजपुरी फिल्म 'तेरा मेरा टशन' बिहार के सिनेमाघरों में रिलीज कर दी गई है, जोकि चर्चा का विषय बनी हुई है। निमार्ता व निर्देशक अतुल कुमार मिश्रा निर्देशित इस फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब पर पहले रिलीज कर दिया गया है, जिसे अल्ट्रा म्यूजिक भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर देख सकते हैं। वहीं अब बिहार के सिनेमाघरों में भी इस फिल्म को बेस्ट रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म देखने गए दर्शक फिल्म को और समर सिंह के अभिनय की खूब सराहना कर रहे हैं। यह फिल्म रोमान्च, रोमांस और मारधाड़ सहित मनोरंजन से भरपूर है। गौरतलब है कि ब्लू हॉक एंटरटेनमेंट बैनर के तले निर्मित की गई फिल्म 'तेरा मेरा टशन' के निमार्ता अतुल कुमार मिश्रा, सैयद जीशान अहमद, गजेंद्र सिंह हैं। निर्देशक अतुल कुमार मिश्रा हैं। लेखकः वीरू ठाकुर, संगीतकार छोटे बाबा, अनुज तिवारी हैं। फिल्म के मुख्य कलाकार समर सिंह, आयुषी तिवारी, विपिन सिंह, बालेश्वर सिंह, धीरज तिवारी, जेपी सिंह, नीलू यादव आदि हैं। टाइटल सांग में अभिनेत्री महिमा गुप्ता ने जलवा बिखेरा है। इस फिल्म के डीओपी विजय मंडल, फाइट मास्टर प्रदीप खड़का, कला निर्देशक रवीन्द्रनाथ गुप्ता, कार्यकारी निमार्ता (ईपी) योगेश डी. पांडेय और अरशद शेख पप्पू हैं। प्रोडक्शन राहुल शर्मा ने किया है। पोशाक डिजाइनर विद्या और विष्णु का है। गौरतलब है कि इस फिल्म को मिल रहे बेस्ट रिस्पांस को लेकर समर सिंह ने अपने फैंस और सभी आडियंस को तहेदिल से धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि 'यह फुल एंटरटेनिंग फिल्म है, जो सिनेमाघरों में फिल्म देखने वाले दर्शकों के भरपूर मनोरंजन के लिए बनाई गई है। आप सभी देवतातुल्य दर्शकों से निवेदन करता हूँ कि आप सब ज्यादा से ज्यादा तादात में अपने नजदीकी सिनेमाघरों में जाइये और अपना प्यार आशीर्वाद जरूर दीजिए।'

सगौली-वाल्मिकीनगर दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत बेतिया-कुमारबाग रेलखंड पर 30.03.2025 को किया जायेगा सीआरएस निरीक्षण

हाजीपुरः सगौली-वाल्मिकीनगर दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत नवनिर्मित 09 किमी लंबे बेतिया-कुमारबाग रेलखंड पर दिनांक 29.03.2025 को स्पीड ट्रायल तथा दिनांक 30.03.2025 को संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी परिमंडल, कोलकाता द्वारा निरीक्षण किया जायेगा । अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त स्पीड ट्रायल एवं निरीक्षण के दौरान रेलवे लाईन से दूर रहें । साथ ही लेवल क्रासिंग को पार करते समय भी विषेष सावधानी रखें एवं ट्रेन की स्थिति देखकर ही रेल लाईन पार करें । इसकी अवहेलना करने पर यदि किसी भी प्रकार की दुर्घटना होती है तो इसके लिए रेल प्रषासन जिम्मेवार नहीं होगा। विदित हो कि 110 किमी लंबे सगौली-वाल्मिकीनगर दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत अब तक 83 किलोमीटर रेलखंड का दोहरीकरण कार्य पूरा कर इसकी कमीषनिंग की जा चुकी है । अब इस परियोजना के अंतर्गत 09 किलोमीटर लंबे बेतिया-कुमारबाग रेलखंड का दोहरीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है जिसका 30 मार्च को सीआरएस द्वारा निरीक्षण किया जाएगा । इस प्रकार अबतक इस परियोजना के 92 किमी रेलखंड का दोहरीकरण कार्य पूरा हो चुका है तथा शेष बचे 18 किमी रेलखंड (मझौलिया-बेतिया एवं खरपोखरा-बगहा रेलखंड) के दोहरीकरण का कार्य प्रगति पर है ।

ईस्ट कोस्ट रेलवे ने निर्धारित समय से पहले स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को पार कर लिया

भुवनेश्वरः एक उल्लेखनीय उपलब्धि में, ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) ने वित्तीय वर्ष के समापन से पहले ही 250 करोड़ रुपये के अपने स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। रेलवे बोर्ड ने 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए 250 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, जिसे निर्धारित समय से दस दिन पहले 21 मार्च, 2025 को प्रभावशाली ढंग से हासिल कर लिया गया। इस तिथि तक, ईसीओआर ने मूल लक्ष्य को पार करते हुए 265.62 करोड़ रुपये की कुल स्क्रैप बिक्री दर्ज की है। ईस्ट कोस्ट रेलवे के महाप्रबंधक श्री परमेश्वर फुंकवाल ने स्क्रैप निपटान प्रक्रिया में शामिल पूरी टीम को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए बधाई दी। यह उपलब्धि प्रिंसिपल चीफ मैटेरियल मैनेजर श्री प्रेम नारायण द्वारा स्क्रैप निपटान प्रणाली के निरंतर मार्गदर्शन और सावधानीपूर्वक समीक्षा के कारण संभव हो पाई है।

यह उपलब्धि खुर्दा रोड, संबलपुर, वाल्टेयर और कैरिज रिपेयर वर्कशॉप (सीआरडब्ल्यू), मंचेश्वर के स्क्रैप यार्ड सहित ईसीओआर के विभिन्न डिवीजनों में आयोजित 204 नीलामी तिथियों के माध्यम से संभव हुई। इन डिवीजनों ने विभिन्न स्क्रैप सामग्रियों जैसे कि लोकोमोटिव, कोच और वैगनों सहित निंदित रोलिंग स्टॉक के साथ-साथ स्क्रैप रेल, स्थायी मार्ग फिटिंग और विविध वर्कशॉप स्क्रैप की बिक्री की सुविधा प्रदान की। इसके अतिरिक्त, लौह, अलौह और गैर-धातु स्क्रैप के साथ-साथ निंदित मशीनरी, वाहन और कार्यालय उपकरण को "जैसा है जहां है" के आधार पर नीलाम किया गया। स्क्रैप का कुशलतापूर्वक निपटान करके, एउङ्ग्फ ने 27 मार्च, 2025 तक 265.62 करोड़ रुपये के "अपशिष्ट को धन" में सफलतापूर्वक परिवर्तित किया वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले स्क्रैप निपटान से 265.62 करोड़ रुपये की प्राप्ति का लक्ष्य रखा गया है, जबकि 2023-24 में यह राशि 258.16 करोड़ रुपये थी। रेलवे बोर्ड ने शुरूआत में 250 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था।

पिछले पांच वर्षों से एउङ्ग्फ लगातार रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित स्क्रैप बिक्री लक्ष्यों को पार कर रहा है। स्क्रैप मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल रेलवे क्षेत्र को बनाए रखने के अपने निरंतर प्रयासों में, एउङ्ग्फ ने अपने अधिकार क्षेत्र से स्क्रैप का अधिकतम निपटान सुनिश्चित किया है। मशीनरी, उपकरण और परिसंपत्तियों से जुड़ी औद्योगिक गतिविधियों का स्क्रैप उत्पादन एक अपरिहार्य परिणाम है।

अपनी सेवा अवधि पूरी करने के बाद, इन परिसंपत्तियों को बेहतर प्रदर्शन और सुरक्षा के लिए प्रतिस्थापन की आवश्यकता होती है। समय पर निपटान की सुविधा के लिए, ECoR 2013 से अपने समर्पित भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) पोर्टल के माध्यम से ई-नीलामी आयोजित कर रहा है। इस पोर्टल पर 4, 000 से अधिक विक्रेताओं ने पंजीकरण कराया है, जिससे पारदर्शी और कुशल नीलामी प्रक्रिया सुनिश्चित हुई है।

महँगी हवाई यात्रा पर लोकसभा में गूंज : रूडी ने विमानन क्षेत्र की चुनौतियों को किया उजागर

नालंदा, भागलपुर और पटना के निकट एक नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की की मांग को भी जोरदार ढंग से उठाया

रुडी ने नागरिक विमानन क्षेत्र में सरकार द्वारा किए जा रहे सफल सुधारों के लिए प्रधानमंत्री को बधाई दी

नई दिल्ली, (आरएनएस) । लोकसभा में सारण सांसद एवं पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने भारतीय विमानन क्षेत्र में हवाई किराए में अनियंत्रित वृद्धि, बुनियादी ढाँचे की कमियाँ और नियामक तंत्र की अक्षमता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। रूडी ने बिहार में नालंदा, भागलपुर और पटना के निकट एक नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की आवश्यकता को जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार जैसे राज्य में हवाई संपर्क को बढ़ाने के लिए यह कदम बेहद जरूरी है। इसके साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री को नागरिक विमानन क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल आने वाले समय में देश के आर्थिक विकास और हवाई यात्रा की सुलभता के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। रूडी ने कहा कि भारत का विमानन क्षेत्र पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़ा है, लेकिन टिकटों की कीमतें आम नागरिकों की पहुँच से बाहर होती जा रही हैं। एयरलाइंस को भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें उच्च ईंधन लागत, भारी कर और हवाई अड्डों पर अतिरिक्त शुल्क प्रमुख कारण हैं। उन्होंने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए असमान करों पर चिंता जताई, जिससे किराए में भारी असमानता पैदा होती है। उदाहरण के तौर पर, उत्तर प्रदेश में यह कर 1% है, जबकि तमिलनाडु और बिहार में 29% तक जाता है। विमानन क्षेत्र के बुनियादी ढाँचे पर चिंता व्यक्त करते हुए रूडी ने कहा कि कई महत्वपूर्ण रनवे बेकार पड़े हैं, जिससे यात्रियों को अनावश्यक विलंब का सामना करना पड़ता है। उन्होंने दिल्ली एयरपोर्ट के टू नाइन लेफ्ट और टू नाइन राइट रनवे का उदाहरण दिया, जहाँ अर्ध-लैंडिंग की समस्या बनी हुई है। उड़ान योजना की सराहना करते हुए रूडी ने कहा कि यह छोटे शहरों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने का एक अच्छा प्रयास है, लेकिन इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सरकार को बेहतर बुनियादी ढाँचा और सस्ता किराया सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने पायलटों की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत को अगले 10 वर्षों में 31, 000 नए पायलटों की आवश्यकता होगी। लेकिन यहाँ प्रशिक्षण इतना महँगा है कि युवा इसमें शामिल होने से कतराते हैं, जबकि देश में पहले से ही 300 विदेशी पायलट कार्यरत हैं। रूडी ने इन समस्याओं के समाधान के लिए टैरिफ पारदर्शिता बढ़ाने, किराए के निर्धारण पर सख्त दिशा-निर्देश लागू करने और नए एयरलाइंस के लिए आसान प्रवेश नीतियाँ बनाने की आवश्यकता बताई, ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़े और टिकट की कीमतों पर नियंत्रण रखा जा सके। उन्होंने हवाई अड्डों के ऑपरेटरों द्वारा वसूले जाने वाले शुल्कों की समीक्षा, एटीएफ कर को पूरे देश में समान करने और पायलट प्रशिक्षण लागत को कम करने पर भी जोर दिया, ताकि युवा आसानी से इस क्षेत्र में करियर बना सकें और भारत को आवश्यक संख्या में प्रशिक्षित पायलट मिल सकें। राजीव प्रताप रूडी ने केंद्र सरकार से इन सभी मुद्दों पर ठोस कदम उठाने की माँग की, ताकि आम जनता को सस्ती हवाई सेवा मिल सके और भारतीय विमानन क्षेत्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति मजबूत कर सके।

राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बीकानेर हाउस में टॅयुरिज्म मीट का आयोजन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बीकानेर हाउस में 02 अप्रेल तक चलने वाले नौ दिवसीय राजस्थान उत्सव में प्रदेष के पर्यटन को नए आयाम तक पहुंचाने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा ट्यूरिज्म मीट का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली स्थित पर्यटन उद्योग के अनुभवी और नामी व्यक्तिों के साथ-साथ पर्यटन मंत्रालय और विभिन्न राज्यों के पर्यटन अधिकारियों, ट्रेवल एजेंटों, राजस्थानी और गैर राजस्थानी लोगों को आमंत्रित कर चर्चा की गई। राजस्थान पर्यटन विभाग की उप निदेशक डॉ दिपाली शर्मा से बताया कि पर्यटन पर विशेष रूप से ेूपदह वि छवेजंसहपं म्हारो राजस्थान नाम से म्यूजिक वैरेण्डा के साथ मिलकर टॉक शो का सफलतापूर्वक आयोजन भी किया गया। जिसमें छह पेनेलिस्टों द्वारा भाग लिया। उन्होंने बताया कि राजस्थान पर्यटन पूरे देश में 07वां स्थान रखता है तथा पिछले वर्ष में 28 प्रतिशत से भी अधिक देशी एवं विदेशी पर्यटकों बढोतरी हुई है, जो बडे ही गर्व की बात है। दिपाली ने बताया कि इस उत्सव के माध्यम से पर्यटन के प्रचार-प्रसार के लिए पूरे बीकानेर हाउस परिसर में पर्यटक स्थलों के कटआउट्स, सेल्फी प्वाईंट, बड़ी स्क्रीन और रंगीन फलैक्स लगाए गए हैं।

स्वच्छ ऊर्जा के सफर में बढ़ते हुए एनर्जी स्टोरेज प्रोडक्ट्स लॉन्च

भारत में सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों का तेजी से विस्तार हो रहा है, लेकिन इनका पूरा लाभ तभी संभव है, जब हमारे पास इनका कुशल भंडारण करने की तकनीक भी हो। यही कारण है कि उन्नत बैटरी स्टोरेज सिस्टम और स्मार्ट एनर्जी सॉल्यूशंस अब सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि एक आवश्यकता बन गए हैं। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा नवाचार में अग्रणी प्योर ने आज प्योर पॉवर (PuREPower) प्रोडक्ट्स की एक नई श्रृंखला लॉन्च की है। यह न सिर्फ ऊर्जा भंडारण को अधिक कुशल और विश्वसनीय बनाएगा, बल्कि भारत के डिकार्बनाइजेशन लक्ष्यों को भी गति देगा। प्योर पॉवर होम घरों, व्यवसायों और ग्रिड के लिए उन्नत बैटरी तकनीक और एआई-संचालित इलेक्ट्रॉनिक्स से लैस है, जो स्वच्छ और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। प्योर पॉवर होम के लिए बुकिंग 1 अप्रैल, 2025 से मुंबई में शुरू होगी। डिलीवरी 30 अप्रैल, 2025 से अक्षय तृतीया के अवसर पर आकर्षक रंगों में शुरू होगी, जिसमें गोल्ड भी शामिल है। प्योर पॉवर होम, 3 केवीए से 15 केवीए की क्षमताओं में उपलब्ध है, जो घरेलू उपकरणों को सुचारू रूप से चलाने में सक्षम होगा। वहीं, प्योर पॉवर कमर्शियल 25 केवीए से 100 केवीए तक की रेंज में लॉन्च किया गया है, जो ऑफिस, अस्पताल और टेलीकॉम टॉवर जैसी जगहों पर ऊर्जा समाधान प्रदान करेगा। कंपनी का लक्ष्य अगले 18 महीनों में 300 से अधिक डीलर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स के जरिए इसे पूरे भारत में उपलब्ध कराना है। प्योर के फाउंडर और एमडी डॉ. निशांत डोंगरी ने कहा, "प्योर पॉवर सिर्फ एक एनर्जी स्टोरेज प्रोडक्ट नहीं, बल्कि भारत के डिकार्बनाइजेशन विजन की दिशा में हमारा मजबूत कदम है। यह अत्याधुनिक तकनीक के जरिए देश को स्वच्छ और स्थायी ऊर्जा की ओर ले जाने में मदद करेगा।" प्योर के को-फाउंडर और सीईओ श्री रोहित वडेरा ने कहा, "प्योर पॉवर सरकार के नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लक्ष्य के अनुरूप है। यह सौर ऊर्जा को बेहतर तरीके से संग्रहीत करने और व्यवसायों को स्थायी संचालन में मदद करने के लिए तैयार किया गया है, जिससे स्वच्छ और स्मार्ट ऊर्जा का भविष्य बन सके।" 2026 तक प्योर पॉवर ग्रिड भी लॉन्च किया जाएगा, जो 4 एमडब्ल्यूएच तक की क्षमता के साथ बड़े स्तर पर ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करेगा। अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने की इस मुहिम के साथ, प्योर देश के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में अहम् भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

ईद-उल-फितर त्यौहार के लिए हावड़ा और अजीमगंज के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेन चलाएगा पूर्वी रेलवे

कोलकाता: आगामी ईद-उल-फितर त्यौहार के लिए यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए पूर्वी रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने हावड़ा और अजीमगंज के बीच एक अनारक्षित विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। 03017 हावड़ा-अजीमगंज अनारक्षित विशेष ट्रेन 29.03.2025 और 30.03.2025 को 12:25 बजे हावड़ा से रवाना होगी और 17:00 बजे अजीमगंज पहुंचेगी। और 03018 अजीमगंज-हावड़ा अनारक्षित विशेष ट्रेन 18:00 बजे अजीमगंज से रवाना होगी। 29.03.2025 और 30.03.2025 को 23:00 बजे हावड़ा पहुंचेगी। ट्रेन दोनों दिशाओं में बंदेल, अंबिका कालना, नबद्वीप धाम, कटवा, सालार, बाजारसौ, खागराघाट रोड और लालबाग कोर्ट रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

संक्षिप्त खबरें

सियालदह मंडल में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

कोलकाता: पूर्वी रेलवे रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छ और स्वास्थ्यकर वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता के अनुरूप, आज सियालदह मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य यात्रियों और रेलवे उपयोगकताओं को स्वच्छता और जिम्मेदारी से कचरा निपटान के महत्व के बारे में जागरूक करना था। यह कार्यक्रम सियालदह और बालीगंज स्टेशनों पर आयोजित किया गया। यात्रियों, विक्रेताओं और रेलवे उपयोगकताओं को स्वच्छता बनाए रखने, उचित कचरा निपटान और रेलवे परिसर में थूकने पर रोक के लाभों के बारे में परामर्श दिया गया। सियालदह स्टेशन पर स्वच्छता जागरूकता अभियान के दौरान यात्रियों, विक्रेताओं और फेरीवालों को स्टेशन पर स्वच्छता बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें रेलवे परिसर में उपलब्ध कराए गए कूड़ेदानों का उपयोग करने और पटरियों या स्टेशन परिसर में कचरा फेंकने से परहेज करने की सलाह दी गई। एक विशेष पहल के रूप में, स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने वाले विक्रेताओं और फेरीवालों को गुलाब भेंट किया गया। इस प्रतीकात्मक इशारे का उद्देश्य उन्हें यह बताना था कि उन्हें स्टेशन पर कचरा फैलाने में सबसे बड़ा योगदानकर्ता माना जा रहा है। इस पहल ने प्रभावी रूप से जिम्मेदार अपशिष्ट निपटान के महत्व को उजागर किया और उन्हें स्वच्छ व्यवहार अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। पूर्वी रेलवे सभी यात्रियों से स्टेशन परिसर में थूकने या गंदगी फैलाने से बचने का आग्रह करता है, क्योंकि ऐसी प्रथाएँ न केवल स्टेशन के माहौल को खराब करती हैं, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी पैदा करती हैं। स्वच्छ और स्वस्थ रेलवे वातावरण सुनिश्चित करने के लिए यात्रियों और रेलवे अधिकारियों के सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

अराजपत्रित रेलकर्मियों को गोल्ड प्लेटेड मेडल, समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

गोरखपुर: मुख्य कार्मिक अधिकारी/आई.आर., पूर्वोत्तर रेलवे श्री अवधेष कुमार ने 28 मार्च, 2025 को कार्मिक विभाग के सभा कक्ष में आयोजित एक समारोह में 31 मार्च, 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे 09 अराजपत्रित रेलकर्मियों को गोल्ड प्लेटेड मेडल, समापक राषि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनके साथ सहायक कार्मिक अधिकारी श्री अनिरूद्व प्रसाद उपस्थित थे। सेवा निवृत्त रेल कर्मियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य कार्मिक अधिकारी/आई.आर., पूर्वोत्तर रेलवे श्री अवधेष कुमार ने कहा कि आप सभी ने अपने जीवन का एक लम्बा समय रेलवे को दिया है। आपके अनुभव से हम आगे भी लाभ उठाते रहेंगे। आपको जब भी समस्या हो आप मिल सकते हैं। आपकी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। इस अवसर पर कार्मिक एवं लेखा विभाग के अधिकारी, यूनियन के पदाधिकारी तथा सेवा निवृत्त होने वाले रेल कर्मियों के परिजन उपस्थित थे।

सुगम रेल संचालन व यात्रियों की सुविधा हेतु जयपुर-कनकपुरा रेलखण्ड के मध्य किया जा रहा है तकनीकी कार्य

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल पर जयपुर-कनकपुरा रेलखण्ड के मध्य ब्रिज संख्या 223 पर तकनीकी कार्य हेतु ट्रेफिक ब्लॉक लिया जा रहा है। ट्रेफिक ब्लॉक के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित निम्न रेलसेवाएं प्रभावित रहेगीः- रीशड्यूल रेलसेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से) 1. गाडी संख्या 09723, जयपुर-बान्द्रा टर्मिनस रेलसेवा दिनांक 09.04.25 को जयपुर स्टेशन से अपने निर्धारित समय से 35 मिनट देरी से प्रस्थान करेगी। रेगुलेट रेलसेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से) 1. गाडी संख्या 12414, जम्मूतवी-अजमेर रेलसेवा जो जम्मूतवी से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा गैटोर जगतपुरा स्टेशन पर दिनांक 07.04.25, 13.04.25 व 16.04.25 को 01 घंटे 10 मिनट, दिनांक 09.04.25 को 01 घंटे, दिनांक 12.04.25 को 50 मिनट तथा दिनांक 10.04.25 व 17.04.25 को 01 घंटे 10 मिनट रेगूलेट रहेगी। 2. गाडी संख्या 14814, भोपाल-जोधपुर रेलसेवा जो भोपाल से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा दुगार्पुरा स्टेशन पर दिनांक 07.04.25, 09.04.25, 12.04.25, 13.04.25 व 16.04.25 को 01 घंटे तथा दिनांक 10.04.25 व 17.04.25 को 01 घंटे 10 मिनट रेगूलेट रहेगी।

3. गाडी संख्या 15014, काठगोदाम-जैसलमेर रेलसेवा जो काठगोदाम से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा खातीपुरा स्टेशन पर दिनांक 07.04.25, 10.04.25, 13.04.25, 16.04.25 व 17.04.25 को 01 घंटे 10 मिनट, दिनांक 09.04.25 को 01 घंटे तथा दिनांक 12.04.25 को 50 मिनट रेगूलेट रहेगी। 4. गाडी संख्या 12195, आगरा फोर्ट-अजमेर रेलसेवा जो आगरा फोर्ट से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा खातीपुरा स्टेशन पर दिनांक 10.04.25 को 01 घंटे रेगूलेट रहेगी।

भागलपुर और आनंद विहार के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेन

कोलकाता: यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए रेलवे ने भागलपुर और आनंद विहार के बीच एक अनारक्षित विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह विशेष ट्रेन बढ़ती हुई यात्रा मांग को पूरा करेगी, तथा एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के इच्छुक लोगों के लिए अधिक सुविधाजनक और कुशल परिवहन विकल्प प्रदान करेगी। 04429 भागलपुर-आनंद विहार टर्मिनल अनारक्षित विशेष ट्रेन 29.03.2025, 30.03.2025 और 31.03.2025 को भागलपुर से 14:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 14:30 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी तथा 04430 आनंद विहार टर्मिनल-भागलपुर अनारक्षित विशेष ट्रेन आनंद विहार से 12:40 बजे रवाना होगी। 28.03.2025, 29.03.2025 और 30.03.2025 को चलेगी और अगले दिन 12:10 बजे भागलपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन रास्ते में पूर्वी रेलवे क्षेत्राधिकार में सुल्तानगंज, जमालपुर, अभयपुर स्टेशनों सहित 15 स्टेशनों पर रुकेगी।

सी आर एस द्वारा खुरासनरोड -फरीहा रेल खण्ड का संरक्षा निरीक्षण एवं 120 किमी/घंटे की रफ्तार से सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल सम्पन्न

वाराणसी: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर मऊ-शाहगंज(99.75 किमी) दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत फरीहा -खुरासनरोड (20.01किमी) रेल खण्ड का दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने के उपरांत इस नए दोहरीकृत खण्ड के निरीक्षण में बचे हुए खण्ड का आज 28 मार्च, 2025 को रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना संरक्षा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय गोरखपुर, वाराणसी मंडल एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे । रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना ने आज अपने निरीक्षण का आरंभ खुरासन रोड स्टेशन से किया । उन्होंने खुरासन रोड रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और दोहरीकृत सेक्शन के मानक के अनुरूप स्टेशन की पूर्ण ब्लॉक वर्किंग, सिगनलों की स्टैण्डर्ड क्क(आर) में इंटरलॉकिंग, कलर लाइट सिग्नलिंग, डाउन एवं अप लाइन को जोड़ने वाले पॉइंट्स, इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग रिले रूम, स्टेशन मास्टर पैनल पर नये वी डी यू टचस्क्रीन ऑपरेशन पैनल और सिगनलों के रूट सेटिंग, मानक के अनुरूप यार्ड प्लान, न्यूट्रल सेक्शन, पावर सब स्टेशन, स्टेशन वर्किंग रूल, नये सर्किट डाईग्राम, फार्मेशन एवं अर्थवर्क कार्यो के निष्पादन रिकार्ड, पैदल उपरिगामी पुल, प्लेटफार्म

क्लियरेंस, पॉइंट क्रासिंग, ओवर हेड ट्रैक्शन की ऊँचाई, ब्लॉक ओवर लैप, फाउलिंग मार्क, सैंड हम्प, फीडर पावर सप्लाई वितरण प्रणाली तथा नियंत्रण फीडर आइसोलेशन आदि की संरक्षा परखी। इसके साथ ही खुरासन रोड स्टेशन पर उन्होंने दोहरीकरण के अंतर्गत निर्माण कार्यों, सिविल वर्क्स, नये प्लेटफार्म के निर्माण, नई लूप लाइन, ट्रैक फार्मेशन, ओवर हेड ट्रैक्शन पोलों के संस्थापन, नये सिगनिलंग उपकरणों के संस्थापन एवं उनकी जाँच के साथ -साथ स्टेशन भवन, डिजिटल लॉकिंग, फायर एलार्म, संरक्षा से जुड़े उपकरणों, तकनीकी दस्तावेजों, स्टेशन वर्किंग रुल, नये सर्किट डाईग्राम, फार्मेशन एवं अर्थवर्क कार्यो के निष्पादन रिकार्ड, पॉइंट्स क्रासिंग, लॉन्ग रेल वेल्डिंग एवं अल्ट्रासाउंड जाँच रिकार्ड तथा सिगनलिंग से जुड़े रिकार्डो की जाँच की। इसके पश्चात खोरासनरोड से समपार फाटक 55उ तक रेल खण्ड का तकनीकी निरीक्षण किया और लाइन फिटिंग्स, सिगनलों एवं सूचना बोर्ड के संस्थापन, बैलास्ट की कुशनिंग, बैलास्ट फैलाई, रेल पथ जड़ाई, रेल अर्थ, रेललाइनर, ट्रैक्शन लाइन फाउन्डेशन, रेल अंडर पास, पुल पुलियाओं, ओवर हेड लाइन की मानक स्थिती एवं समपार फाटकों में बदलाव का गहन निरीक्षण किया और संरक्षा के सभी मानकों का परीक्षण किया। रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा फरिहा-खुरासनरोड (20.01किमी) रेल खण्ड के तकनीकी जाँच एवं संरक्षा निरीक्षण के पश्चात खुरासनरोड से फरिहा तक सी आर एस स्पेशल से स्पीड ट्रायल किया गया । सी आर एस स्पेशल द्वारा अधिकतम 120 किमी/घंटे की रफ्तार से सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल पूरा किया। ज्ञातव्य हो की मऊ-शाहगंज (100 किमी) रेल खंड दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत फरिहा-खोरासन रोड स्टेशनों के मध्य (20.01 किमी) विद्युत लाइनों के साथ दोहरीकरण पूर्ण होने के साथ इस रेल खण्ड का अधिकांश भाग 87.28 किमी दोहरिकृत हो गया है शेष खुरहट से मऊ 12.47 किमी रेल खण्ड का कार्य प्रगतिशील है और शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा । इस दोहरी लाइन का कार्य पूर्ण हो जाने पर इस खण्ड पर पड़ने वाला यातायात का अत्यधिक दबाव कम हो जायेगा, जिससे गाड़ियों का विलम्बन कम होगा। इस दोहरी लाइन का कार्य पूर्ण हो जाने पर इस खण्ड पर पड़ने वाला यातायात का अत्यधिक दबाव कम हो जायेगा, क्रासिंग के कारण गाड़ियों का होने वाला विलम्बन कम होगा। सवारी गाडियां पहले की अपेक्षा ज्यादा गति से चल सकेंगी साथ ही अप एवं डाउन लाइन अलग हो जाने से लाइन क्षमता में वृद्धि होगी जिससे यात्रियों की मांग के अनुसार अन्य अतिरिक्त गाड़ियां भी चलाई जा सकेंगी तथा इस क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा।

सड़क यातायात में पेट्रोलियम उत्पदों की खपत ज्यादा होती है एवं सड़क यातायात मंहगा होता है। इस नई रेल लाइन के उपलब्ध हो जाने से स्थानीय जनता को सस्ता एवं आरामदायक यातायात सुविधा मिलेगा तथा पेट्रोलियम उत्पादों की बचत होगी और यात्री जनता को यातायात में कम समय लगेगा । रेल खण्ड के विद्युतीकरण से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

पू. सी. रेलवे ने दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की सेवा अवधि बढ़ाई

मालीगांव: यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दो जोड़ी स्पेशल ट्रेन संख्या 05638/05637 (सिलचर - नाहरलगुन - सिलचर) और ट्रेन संख्या 05628/05627 (अगरतला - गुवाहाटी - अगरतला) की सेवा अवधि को दोनों दिशाओं में 26-26 फेरों के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें मौजूदा सेवा दिवस, समय-सारणी, संयोजन और ठहराव के साथ चलेंगी। ट्रेन संख्या 05638 (सिलचर - नाहरलगुन) साप्ताहिक स्पेशल 7 अप्रैल, 2025 से 29 सितंबर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को सिलचर से 13:10 बजे रवाना होगी और अगले दिन नाहरलगुन 08:40 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 05637 (नाहरलगुन - सिलचर) साप्ताहिक स्पेशल 8 अप्रैल, 2025 से 30 सितंबर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को नाहरलगुन से 10:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन सिलचर 05:20 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 05628 (अगरतला - गुवाहाटी) साप्ताहिक स्पेशल 3 अप्रैल, 2025 से 25 सितंबर, 2025 तक प्रत्येक गुरुवार को अगरतला से 19:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन अपने गंतव्य गुवाहाटी 08:45 बजे पहुँचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 05627 (गुवाहाटी - अगरतला) साप्ताहिक स्पेशल 4 अप्रैल, 2025 से 26 सितंबर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को गुवाहाटी से 13:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन अपने गंतव्य अगरतला 04:10 बजे पहुँचेगी। इन ट्रेनों के ठहराव और समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट और पू. सी. रेलवे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी ट्रेन यात्रा शुरू करने से पहले विवरण की जांच कर लें।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा खोरासन रोड-फरिहा रेल खण्ड का संरक्षा निरीक्षण एवं सफल स्पीड ट्रायल

गोरखपुर: पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर मऊ-शाहगंज (100 किमी) दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत फरिहा-खोरासन रोड (20.01 किमी) रेल खण्ड का दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने के उपरांत इस नए दोहरीकृत एवं विद्युतीकृत रेल खण्ड का 28 मार्च, 2025 को रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना द्वारा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय गोरखपुर, वाराणसी मंडल एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे ।

रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल श्री प्रणजीव सक्सेना ने खोरासन रोड रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और दोहरीकृत सेक्शन के मानक के अनुरूप स्टेशन की पूर्ण ब्लॉक वर्किंग, सिगनलों की इंटरलॉकिंग, कलर लाइट सिगनलिंग, डाउन एवं अप लाइन को जोड़ने वाले पॉइंट्स, इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग रूम, स्टेशन मास्टर पैनल पर नये वी.डी.यू. टचस्क्रीन ऑपरेशन पैनल और सिगनलों के रूट सेटिंग, मानक के अनुरूप यार्ड प्लान, न्यूट्रल

सेक्शन, पावर सब स्टेशन, स्टेशन वर्किंग रूल, नये सर्किट डायग्राम, फार्मेशन एवं अर्थवर्क कार्यो के निष्पादन रिकार्ड, पैदल उपरिगामी पुल, प्लेटफार्म क्लियरेंस, प्वाइंट्स क्रासिंग, ओवर हेड ट्रैक्शन की ऊँचाई, ब्लॉक ओवर लैप, फाउलिंग मार्क, सैंड हम्प, फीडर पावर सप्लाई वितरण प्रणाली तथा नियंत्रण फीडर आइसोलेशन आदि की संरक्षा परखी। इसके साथ ही उन्होंने दोहरीकरण के अंतर्गत निर्माण कार्यों, सिविल वर्क्स, नये प्लेटफार्म के निर्माण, नई लूप लाइन, ट्रैक फार्मेशन, ओवर हेड ट्रैक्शन पोलों के संस्थापन, नये सिगनलिंग उपकरणों के संस्थापन एवं उनकी जाँच के साथ-साथ स्टेशन भवन, डिजिटल इण्टरलॉकिंग, फायर एलार्म, संरक्षा से जुड़े उपकरणों, तकनीकी दस्तावेजों, स्टेशन वर्किंग रुल, नये सर्किट डायग्राम, फार्मेशन एवं अर्थवर्क कार्यो के निष्पादन रिकार्ड, प्वाइंट्स क्रासिंग, लॉन्ग रेल वेल्डिंग एवं अल्ट्रासाउंड जाँच रिकार्ड तथा सिगनलिंग से जुड़े रिकार्डो की जाँच की । रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा फरिहा-खोरासनरोड रेल खण्ड के तकनीकी जाँच एवं संरक्षा निरीक्षण के पश्चात खोरासन रोड से फरिहा तक स्पीड ट्रायल किया गया। सी.आर.एस. स्पेशल द्वारा अधिकतम 120 किमी/घंटे की रफ्तार से सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल किया गया। ज्ञातव्य हो की मऊ-शाहगंज (100 किमी) रेल खंड दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत फरिहा-खोरासन रोड स्टेशनों के मध्य (20.01 किमी) विद्युतीकरण के साथ दोहरीकरण पूर्ण होने के साथ इस रेल खण्ड का अधिकांश भाग 87.28 किमी दोहरीकृत हो गया है, शेष खुरहट से मऊ 12.47 किमी रेल खण्ड का कार्य प्रगतिशील है और शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा। इस दोहरी लाइन का कार्य पूर्ण हो जाने पर इस खण्ड पर लाइन क्षमता बढ़ेगी, जिसके फलस्वरूप सवारी गाडियां पहले की अपेक्षा ज्यादा गति से चल सकेंगी तथा माँग के अनुसार अन्य अतिरिक्त गाड़ियाँ भी चलाई जा सकेंगी। रेल खण्ड के विद्युतीकरण से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। रेल संरक्षा आयुक्त श्री प्रणजीव सक्सेना ने फरिहा-खोरासन रोड दोहरीकरण के संरक्षा निरीक्षण के उपरान्त इस खण्ड पर 95 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से गाड़ियों के संचलन की अनुमति प्रदान की है।

13 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली जिसे रेलवे सुरक्षा बल छपरा को सुपुर्द किया गया

गोरखपुर: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा एवं अवैध सामानों की धर-पकड़ सहित आरक्षित टिकटों के अवैध कारोबार की रोकथाम के साथ यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में, 27 मार्च, 2025 को मुख्य टिकट निरीक्षक को गाड़ी संख्या-20504 में 13 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली जिसे रेलवे सुरक्षा बल छपरा को सुपुर्द किया गया। उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन छपरा को सुपुर्द किया गया। 27 मार्च, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल, गोरखपुर को प्लेटफार्म संख्या-09 पर 15 वर्ष के दो लड़के लावारिस हालत में मिले। पूछताछ के उपरान्त दोनों लड़को को चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 26 मार्च, 2025 को गाड़ी संख्या-55085 के रेलवे स्टेशन लखीमपुर आगमन पर टेज्न मैनेजर को 03 नाबालिग बच्चे डरे-सहमे हालत में मिले जिसे रेलवे सुरक्षा बल को सुपुर्द किया गया। पूछताछ के उपरान्त तीनों बच्चों को चाइल्ड लाइन लखीमपुर को सुपुर्द किया गया। 26 मार्च, 2025 को बनारस रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-08 पर तैनात टेज्न टिकट परीक्षक को 15 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली जिसे रेलवे सुरक्षा बल बनारस को सुपुर्द किया गया। रेलवे सुरक्षा बल ने उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, बनारस को सुपुर्द किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे
(सर्वे एवं निर्माण)
ई-निविदा सूचना (सिंगल पेकेट)
उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण)-तृतीय, उ. प. रेलवे, जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा का ऑन लाईन ई-टेण्डर आमंत्रित किया जाता हैं। निविदाकार अपना मूल/परिवर्तित प्रस्ताव ई-निविदा बंद होने की तारीख व समय से पूर्व ऑन लाईन भर दें। 1. **ई-टेण्डर नोटिस संख्या** : एनडब्ल्यूआर-एससी-सिविल-13641935 2. **कार्य का नाम व लोकेशन** : गांधी नगर, (जयपुर) स्टेशन पर नए अतिरिक्त एनक्सेर (annexure) स्टेशन भवन का निर्माण। 3. **अनुमानित लागत** : रू. 52137720.08 4. **धरोहर राशि** : रू. 410700.00 5. **कार्य पूरा होने की अवधि** : 12 (बारह) माह 6. **ई-टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय** : 16.04.2025 को 15.00 बजे तक 7. **वेबसाईट का विवरण** : www.ireps.gov.in **नोट** : कोई भी मैन्युवल टेण्डर स्वीकार नही किया जायेगा।
361-DR/25
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

पूर्व मध्य रेल
ई-खुली निविदा सूचना
खुली ई-निविदा सूचना संख्या-एल.-ओपेन-24-25-29, दिनांक 26.03.2025
मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य)/सोनपुर वास्ते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई-निविदा' आमंत्रित करते हैं। खुली ई-निविदा की अंतिम तिथि दिनांक-17.04.2025 को 12:30 बजे तक निर्धारित की गई है। खुली ई-निविदा संबंधी निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर किया जा सकता है।
क्र.सं. : 1, कार्य का नाम : सोनपुर मंडल के अंतर्गत आई.आर. नियंत्रक के माध्यम से विद्युतीय उपकरण का स्वचालन एवं निगरानी। **अनुमानित लागत (रू. में) :** 2,20,32,613.00, **बयाने की राशि (रू. में) :** 2,60,200.00, **निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रू. में):** 00.00
उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाईट पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार किसी भी समय निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा।
मंडल रेल प्रबंधक/(विद्युत/सा.)
पूर्व मध्य रेल, सोनपुर
पीआर/02347/एसईई/ईजीईएन/टी/24-25/36

मंडल रेलवे अस्पताल, हावड़ा ने मधुमेह रेटिनोपैथी जांच शिविर का आयोजन किया

कोलकाता: मंडल रेलवे अस्पताल, हावड़ा ने ऑर्थोपेडिक अस्पताल, पूर्वी रेलवे के सहयोग से 28 मार्च 2025 को मधुमेह रेटिनोपैथी जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य मधुमेह से पीड़ित रेलवे कर्मचारियों और सेवानिवृत्त लोगों में मधुमेह रेटिनोपैथी का शीघ्र पता लगाना और रोकथाम करना है, जो सक्रिय स्वास्थ्य सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। जांच शिविर में कुल 128 व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम), हावड़ा; वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय), हावड़ा; और वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (डीपीओ), हावड़ा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिन्होंने आंखों की जांच भी कराई। शिविर का आयोजन डॉ. देबजानी मुखर्जी, एसीएमएस/नेत्र/हावड़ा के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस), हावड़ा के मार्गदर्शन में किया गया।

व्यापक नेत्र परीक्षण आयोजित किए गए:

प्रतिभागियों ने कई उन्नत नेत्र परीक्षण किए, जिनमें शामिल हैं:

दृश्य तीक्ष्णता परीक्षण
अंत:कोशिकीय दबाव माप
स्लिट लैंप परीक्षण
फंडस परीक्षण
विस्तृत रेटिना इमेजिंग के लिए फंडस फोटोग्राफी

स्क्रीनिंग से मुख्य निष्कर्ष: 9 रोगियों (9.07%) में मधुमेह रेटिनोपैथी का निदान किया गया। 4 रोगियों में रेटिनोपैथी के साथ-साथ मधुमेह मैकुलोपैथी भी पाई गई, जिससे केंद्रीय दृष्टि को खतरा है। 36 रोगियों में मोतियाबिंद का निदान किया गया, जिसके लिए सर्जरी की आवश्यकता थी। 1 रोगी में मैकुलर होल की पहचान की गई, जो दृष्टि स्पष्टता को प्रभावित करने वाली एक गंभीर स्थिति है। जागरूकता और निवारक उपायों पर जोर दिया गया: प्रतिभागियों को मधुमेह रेटिनोपैथी की प्रगति को रोकने में प्रारंभिक पहचान, जीवनशैली प्रबंधन और रक्त शर्करा नियंत्रण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। दृष्टि संबंधी जटिलताओं को कम करने के लिए नियमित नेत्र जांच और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप के महत्व पर जोर दिया गया।

हावड़ा स्थित मंडल रेलवे अस्पताल नियमित रूप से ऐसे निवारक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि दीर्घकालिक बीमारियों के शीघ्र निदान और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से रेलवे कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों का कल्याण सुनिश्चित किया जा सके।

सियालदह मंडल में 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य' पर सत्र आयोजित

कोलकाता: कल रवींद्र सभा कक्ष (डीआरएम मीटिंग रूम), सियालदह में 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य' पर एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम), सियालदह, श्री दीपक निगम, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम), मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. कल्पना मंडल और अन्य वरिष्ठ शाखा अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति थी। यह कार्यक्रम सियालदह की मंडल रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पहल पर आयोजित किया गया था। सत्र में व्यावसायिक तनाव - इसके कारण, लक्षण, प्रबंधन रणनीतियाँ और तनाव को कम करने के लिए व्यक्तिगत और संगठनात्मक दोनों स्तरों पर किए जाने वाले सक्रिय उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम में आकर्षक चर्चाएँ और व्यावहारिक

विचार-विमर्श हुए, जो कर्मचारियों की भलाई के लिए पूर्वी रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई ऐसी सक्रिय पहल रेलवे क्षेत्र में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और तनाव मुक्त कार्य वातावरण के महत्व पर जोर देती है।

दिल्ली-सहरसा-दिल्ली अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की सुविधा हेतु 04432/04431 दिल्ली-सहरसा-दिल्ली अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन दिल्ली से 28 से 30 मार्च, 2025 तक तथा सहरसा से 29 से 31 मार्च, 2025 तक 03 फेरों के लिये किया जायेगा। 04432 दिल्ली-सहरसा अनारक्षित विशेष गाड़ी 28 से 30 मार्च, 2025 तक दिल्ली से 15.20 बजे प्रस्थान कर कानपुर सेण्ट्रल से 21.35 बजे, दूसरे दिन प्रयागराज जं0 से 00.45 बजे, वाराणसी से 03.20 बजे, गाजीपुर सिटी से 05.25 बजे, बलिया से 06.25 बजे, सुरेमनपुर से 07.25 बजे, छपरा से 08.50 बजे, सोनपुर से 10.00 बजे, हाजीपुर से 10.30 बजे, बरौनी से 12.25 बजे तथा खगड़िया से 13.30 बजे छूटकर सहरसा 16.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 04431 सहरसा-दिल्ली अनारक्षित विशेष गाड़ी 29 से 31 मार्च, 2025 तक सहरसा से 20.00 बजे प्रस्थान कर खगड़िया से 21.45 बजे, बरौनी से 23.00 बजे, दूसरे दिन हाजीपुर से 01.15 बजे, सोनपुर से 01.40 बजे, छपरा से 03.40 बजे, सुरेमनपुर से 04.25 बजे, बलिया से 05.10 बजे, गाजीपुर सिटी से 06.20 बजे, वाराणसी से 08.35 बजे, प्रयागराज जं0 से 11.05 बजे तथा कानपुर सेण्ट्रल से 13.20 बजे छूटकर दिल्ली 20.10 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 10 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 12 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे।

पूर्व रेलवे
ई-नीलामी सूचना
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा टाउन, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा टाउन ऑफिस बिल्डिंग, डाकघरः झलझलिया, जिला मालदा, पिन:732102 (पश्चिम बंगाल) **(नीलामी संचालन अधिकारी) द्वारा मालदा मंडल के तहत तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग (टी) स्टॉल के लिए अनुबंध प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। ई-नीलामी कैटलॉग www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है। **ऑक्शन कैटलॉग नं. सीएटीजी-एयूसीटी-25-03, क्रम सं. : एए/1, लॉट सं./कैटेगरी:**सीएटीजी-एमएलडीटी-टीपीएच-एसएमयू-123-25-1, **स्थानः** तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज से साहिबगंज सिरे की ओर लगभग 100 मीटर से 150 मीटर की दूरी पर प्लेटफार्म नंबर 2 पर 5 वर्ष की अवधि के लिए कैटरिंग सेवा का प्रावधान। एसएमयू/ओबीसी/महिलाओं के लिए आरक्षित। स्टॉल का माप 10'x6'=60 वर्ग फीट है। **नीलामी शुरू होने की तिथिः** दिनांक 11.04.2025 को 10.00 बजे। प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी के लिए आईआरईपीएस ई-ऑक्शन मॉड्यूल देखें।
MLD-262/2024-25
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
(शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग के अंतर्गत भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)
नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070
सत्यमेव जयते
Government of India
विज्ञापन संख्या - अभातशिप/प्रशासन ब्यूरो/02 (03)/2025
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (अभातशिप) के सदस्य सचिव के पद हेतु विज्ञापन - आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाने के सम्बन्ध में ।
यह विज्ञापन संख्या अभातशिप/प्रशासन ब्यूरो/02 (02)/2025 के संदर्भ में है कि अभातशिप के सदस्य सचिव के पद हेतु आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 11.04.2025 तक बढ़ा दी गई है। अन्य शर्तें उल्लिखित विज्ञापन के अनुरूप ही हैं।
cbc21300/12/0020/2425

संपादकीय

राजनीतिक कटाक्ष की लक्ष्मण रेखा

क्या भारत में हंसी-ठिठोली के ठिकाने खत्म हो रहे हैं। क्या राजनीतिक दल, नेता और समाज असहिष्णु होता जा रहा है। क्या राजनीतिक व्यंग कसना आज के दौर में अपराध है। कभी किसी कार्टुनिस्ट की गिरफ्तारी हो जाती है, कभी किसी कवि की कविता को लेकर उस पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाता है। अब स्टेंडप कामेडियन कुणाल कामरा की महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी को लेकर बवाल मचाया जा रहा है। इसको प्रतिशोध कहें या कुछ और, बंबई नगर नगम ने उसके स्टूडियो को यह कहकर ध्वस्त कर ?दिया कि यह अवैध निर्माण है। हैबिटैट सेंटर का स्टूडियो केवल कुणाल कामरा का एक मंच था। स्टूडियो में तोड़फोड़ करने की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ खड़े हुए। बात यहां तक पहुंच गई है कि कुणाल कामरा के बैंक खाते भी खंगाले जाएंगे। आरोप है कि कामेडियन दूसरे राजनीतिक दलों से धन लेकर एकनाथ शिंदे को निशाना बना रहे हैं। अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब कुछ भी बोलने की आजादी नहीं होता, अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब है ऐसी कोई बात, ऐसा कोई भाव-विचार जो सही है उसे व्यक्त करने से सिर्फ इसलिए किसी को नहीं रोका जा सकता कि वो किसी के खिलाफ है। कोई भी बात भाव या विचार किसी न किसी के खिलाफ तो होगा ही। अच्छा है तो बुरे को बुरा लगेगा और बुरा है तो अच्छे लोग बुरा मानेंगे। इसलिए अभिव्यक्ति की आजादी का पैमाना है सही एवं सत्य भाव-विचारों की अभिव्यक्ति है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 (1) में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मौलिक अधिकार बनाया गया किन्तु 19(2) में इसे सीमित करने के आधार भी बताए गए। यानी यह बताया गया कि किन आधारों पर इस अधिकार में कटौती की जा सकती है। ये आधार थे झूठी निन्दा, मानहानि, अदालत की अवमानना या वैसी कोई बात जिससे शालीनता या नैतिकता को ठेस लगती है या जिससे राष्ट्र की सुरक्षा खतरे में पड़ती है या जो देश को तोड़ती है। संविधान लागू होने के तुरंत बाद 1951 में ही प्रथम संविधान संशोधन के द्वारा इसमें नए आधार जोड़े गए और फिर 1963 में 16वें संशोधन के जरिए उसे विस्तारित किया गया। इस तरह भारत की संप्रभुता एवं एकता, दूसरे देशों से दोस्ताना सम्बंध तथा हिंसा भड़काने के आधार पर भी अभिव्यक्ति की आजादी को सीमित किया जा सकता है। यह थोड़ा हैरतअंगेज है कि जिस संविधान सभा ने यह अधिकार दिया उसी ने उसमें कटौती करने के आधार को बढ़ाया। अभी कुल आठ आधारों पर इस स्वतंत्रता में कटौती की जा सकती है। सोशल मीडिया में कोई गेटकीपर नहीं होता है। इसलिए कोई जो चाहे वह अपलोड कर देता है। इसीलिए सन 2000 में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम बनाया गया, जिसमें 2008 में संशोधन किया गया और संशोधित कानून 2009 में लागू हुआ। गत 25 फरवरी को केन्द्र सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (अंतरिम दिशा-निर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 जारी किया। इसमें ऑनलाइन न्यूज मीडिया सहित सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए सरकार के पास कई शक्तियां हैं। हाल की कुछ घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में सोशल मीडिया के दुरुपयोग से उभरी चुनौतियों पर विचार करना प्रासंगिक होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह, किया उजाला

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फैसले पर गंभीर नाराजगी दशार्यी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था- नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तिव को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फैसले में कहा था कि 'पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि

यह महिला की गरिमा पर आघात का मामला है। इसे रेप या रेप की कोशिश नहीं कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया।

महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दशार्ता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया? इस फैसले की निन्दा, भर्त्सना एवं आलोचना ने देश में एक बार फिर जताया है कि देश ऐसे संवेदनशील मामलों में जागरूक है, किसी भी तरह की लापरवाही एवं कोताही को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम अदालत ने देखा था कि पीछा करने, छेड़छाड़ करने और उत्पीड़न जैसे अपराधों को सामान्य बनाने वाले रवैये का 'पीड़ितों पर स्थायी और हानिकारक प्रभाव पड़ता है।' महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील है, यही आशा की किरण है। यहां यह अपेक्षित हो जाता है कि महिला मामलों की सुनवाई करने वाले जजों को इसकी बारीकियों एवं गहनताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षित जजों को ही ऐसे मामलों की सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। यह भी अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में कोताही या दुराग्रह बरतने वाले जजों के लिये उचित जांच का भी प्रावधान होना चाहिए। महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करें। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में आग्रह एवं पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी अक्टूबर, 2023 में एक फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जज से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते समय अपने विचार व्यक्त करें। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश भी जारी किए थे कि फैसले किस तरह लिखे जाने चाहिए। इसके अलावा, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को भी पलट दिया था। ऐसे फैसले न्यायिक भ्रष्टता, संवेदनहीनता एवं लापरवाही के प्रतीक है, जिससे महिलाओं अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों एवं यौन शोषकों का नारी से खिलवाड़ करने का हौसला बुलन्द होता है। देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या टालमटोल रवैया अपनाना एक गंभीर मामला है।

जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल से ही यह संभव होगा।

अक्षय- उल्लास, अति -उत्साह, आत्मिक-उमंग और अनंत शक्ति की प्रतीक हैं माँ देवी दुर्गा

इस बार नवरात्र में माँ दुर्गा का आगमन हाथी पर हो रहा है

रवीन्द्र कुमार रतन
स्वतंत्र- लेखन

' माँ दुर्गा के प्रताप से तो जगमग सारा संसार है । तेरी कृपा से ही तो जग में महिमा अपरंपार है।' वैसे तो वर्ष में चार बार नवरात्र का उत्सव आता है मगर चैत्र और अश्विन माह का ज्यादा महत्व है। इस माह के आते ही शक्ति यानि माँ दुर्गा का ध्यान आने लगता है। मां दुर्गा अपने अलग - अलग नौ रुपों में इस समस्त सृष्टि मंडल का संचालन करती है। ये देवी किसी एक रुप में, किसी एक मंदिर, किसी एक देवालय किसी एक धर्म स्थान में नही रहती, वह तो प्रकृति के रूप में सर्वव्यापी है । ये अपने अमूर्त रुप में अक्षय उल्लास, अति उत्साह, अआत्मिक उमंग और अनंत शक्ति

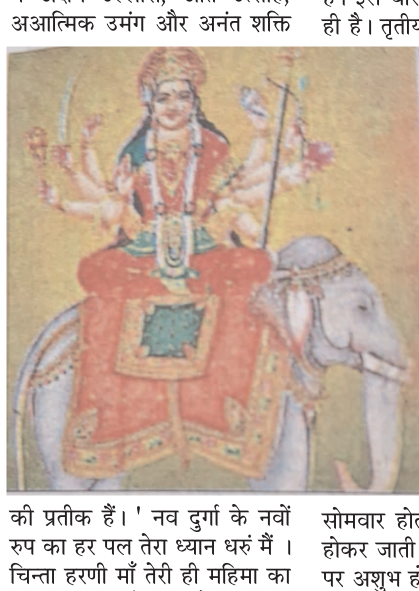

की प्रतीक हैं। ' नव दुर्गा के नवों रुप का हर पल तेरा ध्यान धरुं मैं । चिन्ता हरणी माँ तेरी ही महिमा का गुणगान करुं मैं ।' माँ की कृपा अपरंपार है, देव भी इस चरित्र से अनभिज्ञ रहे है। माँ की शक्ति के अभाव में भगवान 'शिव'भी ' शव ' के समान हो जाते हैं। माँ दुर्गा अपनी सभी नौ अलग- अलग गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं । शक्ति का अर्थ है- ताकत, उर्जा। देवी अदृश्य शक्ति का मूल स्रोत है, जो इस सृष्टि की सत्ता को शाश्वत बनाए रखती है ।इस शक्ति को नव दुर्गा के निम्न नौ रुपों में जाना जाता है :- 1 . शैल पुत्री 2 . ब्रह्मचारिणी 3 .चन्द्रघण्टा 4 . कूष्माण्डा 5 . स्कंदमाता 6 . कात्यायणी 7 . कालरात्रि 8 . महागौरी 9 . सिद्धिदात्री इस प्रकार इनके नवो रुप का अलग -अलग विशेषता एवं कहानी है ।फिर कभी स्थिर से इस पर चर्चा होगी । इस प्रकार हम पाते हैं कि देवी दुर्गा के पहला नाम शैलपुत्री के आध्यात्मिक शिखर से लेकर देवी दुर्गा के नौवां रुप सिद्धिदात्री के चमत्कारों तक ये रुप पहले उनके दिव्य गुणों के साथ ताल मेल बिठाने का मार्गदर्शन करते हैं। जब हम प्रत्येक पहलू पर ध्यान केन्द्रित करते हैं तो हम उनकी परिवर्तनकारी शक्ति को अपना सकते हैं, अपने जीवन को समृद्ध कर सकते हैं और शक्ति के सार्वभौमिक सार के साथ अपने सम्बन्ध को और गहरा कर सकते हैं। इस बार का चैत्र नवरात्र 30मार्च दिन रविवार से प्रारम्भ हो रहा है। इस संवत्सर राजा और मंत्री दोनो ही सूर्य है। इस बार नवरात्र पर बड़ी प्रशन्नता की बात है कि देवी दुर्गा का आगमन हाथी की सवारी पर हो रहा है। यह अत्यंत शुभ और मंगलकारी है। इससे वर्ष भर देश के लिए शुभ फलदायक स्थिति बन रही हैं। इस बार नवरात्र आठ दिन का ही है। तृतीय तिथि के क्षय होने के कारण दूसरा -तीसरा नवरात्र एक ही दिन है। देवी भागवत के अनुसार माँ दुर्गा का वाहन शेर है। लेकिन प्रत्येक वर्ष नवरात्र में देवी अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर आती हैं। यह स्वभाविक प्रक्रिया है कि जब देवी का आगमन होगा तो उनकी विदाई भी होगी । माता की विदाई दशमी को होती है। उस दिन रविवार या सोमवार होतो देवी भैंस पर सवार होकर जाती हैं। इसका प्रभाव राष्ट्र पर अशुभ होता है । इस प्रकार हम देखते हैं कि माँ दुर्गा का आगमन अनाचार, व्यभिचार, अन्याय मिटाकर दुष्ट दलन के लिए होता है। आज पृथ्वी पर फिर से रावणीय, कंसीये प्रवृति पनप यहा है, अतः हे ! देवी तुम फिर से एक बार आओ और भारत भूमि को आतंक से मुक्त कराओ । ' जय दुर्गे महारानी, तेरे चरण कमल में सदा प्रणाम। फिर से करो दुष्ट-दनुजों का अब तुम सारा काम तमाम। नवरात्रा है स्नेह औ' श्रद्धा का अति विस्तृत आयाम । आओ-आओ दुर्गे माता, मेरे घर भी है कुछ काम।'

30 मार्च से होगी चैत नवरात्र - आदिशक्ति मां काली का अवतार है योगिनियां

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

पटना: हिन्दू पंचांग के अनुसार, चैत माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत नवरात्र शुरू होता है। इस वर्ष चैत नवरात्र 30 मार्च रविवार को उदया तिथि से शुरू होगा। चैत माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा की तिथि की शुरूआत 29 मार्च को शाम 4 बजकर 27 मिनट से शुरू होकर 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट तक रहेगी। कलश स्थापना सदैव पूजा घर के ईशान कोण में करना चाहिए। इस बार नवरात्र 8 दिन का है। 30 मार्च रविवार को प्रतिपदा तिथि और रेवती नक्षत्र है, इसलिए कलश स्थापना और मां शैलपुत्री की उपासना होगी। 31 मार्च सोमवार को दूसरी तिथि और अश्विन नक्षत्र है, इसलिए मां ब्रह्मचारिणी की उपासना, 01 अप्रैल मंगलवार को तीसरी तिथि और भरणी नक्षत्र है, इसलिए मां चंद्रघंटा की उपासना, 02 अप्रैल बुधवार को चौथी एव पांचवी तिथि और कृतिका नक्षत्र है, इसलिए मां कूष्मांडा और मां स्कंदमाता की उपासना, 03 अप्रैल गुरुवार को षष्ठी तिथि और रोहणी नक्षत्र है, इसलिए मां कात्यायनी की उपासना, 04 अप्रैल शुक्रवार को सप्तमी तिथि और मृगशिरा नक्षत्र है, इसलिए मां कालरात्रि की उपासना, 05 अप्रैल शनिवार को अष्टमी तिथि और आद्रा नक्षत्र है, इसलिए मां महागौरी की उपासना और 06 अप्रैल रविवार को नवमी तिथि और पुनर्वसु नक्षत्र है, इसलिए मां सिद्धिदात्री की उपासना होगी।

नवरात्र के पहले दिन ही मीन राशि में सूर्य देव के साथ चंद्रमा, शनि, बुध, शुक्र, राहु एक साथ विद्यमान रहेंगे। जिससे छहग्रही योग का निर्माण होता है, साथ ही इस दिन बुधादित्य और मालव्य राजयोग भी बन रहा हैं। आठ दिन के नवरात्र के महापर्व के दौरान चार दिन रवि योग तथा तीन दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग रहेगा। मान्यता है कि नवरात्र की शुरूआत और समाप्ति के दिन के अनुसार माता का वाहन तय होता है। इस बार नवरात्र रविवार से शुरू हो रही है और रविवार को ही समाप्त होगी, इसलिए माता हाथी पर आएंगी और हाथी पर ही वापस जाएंगी। माता के हाथी पर सवार होकर आना बहुत ही शुभ माना जा रहा है क्योंकि हाथी को सुख-समृद्धि और शांति का प्रतीक माना जाता है।

नवरात्र में योगिनियों की पूजा करने का भी विधान है। पुराणों के अनुसार, चौसठ योगिनियाँ होती है। सभी योगिनियों को आदिशक्ति माँ काली का अवतार माना गया है। किदंवती है कि घोर नामक दैत्य के साथ युद्ध करते समय योगिनियों का अवतार हुआ था और यह सभी माता पार्वती की सखियां हैं। चौंसठ योगिनियों में (1) बहुरूप, (2) तारा, (3) नर्मदा, (4) यमुना, (5) शांति, (6) वारुणी (7) क्षेमंकरी, (8) ऐन्द्री, (9) वाराही, (10) रणवीरा, (11) वानर-मुखी, (12) वैष्णवी, (13) कालरात्रि, (14) वैद्यरूपा, (15) चर्चिका, (16) बेतली, (17) छिन्नमस्तिका, (18) वृषवाहन, (19) ज्वाला कामिनी, (20) घटवार, (21) कराकाली, (22) सरस्वती, (23) बिरूपा, (24) कौवेरी, (25) भलुका, (26) नारसिंही, (27) बिरजा, (28) विकतांना, (29) महालक्ष्मी, (30) कौमारी, (31) महामाया, (32) रति, (33) करकरी, (34) सर्पश्या, (35) यक्षिणी, (36) विनायकी, (37) विंध्यवासिनी, (38) वीर कुमारी, (39) माहेश्वरी, (40) अम्बिका, (41) कामिनी, (42) घटाबरी, (43) स्तुती, (44) काली, (45) उमा, (46) नारायणी, (47) समुद्र, (48) ब्रह्मिनी, (49) ज्वाला मुखी, (50) आग्नेयी, (51) अदिति, (52) चन्द्रकान्ति, (53) वायुवेगा, (54) चामुण्डा, (55) मूरति, (56) गंगा, (57) धूमावती, (58) गांधार, (59) सर्व मंगला, (60) अजिता, (61) सूर्यपुत्री (62) वायु वीणा, (63) अघोर और (64) भद्रकाली योगिनियाँ है।

नवरात्र में पाठ का प्रारम्भ प्रार्थना से करना चाहिए। उसके बाद दुर्गा सप्तशती किताब से सप्तश्लोकी दुर्गा, उसके बाद श्री दुर्गाष्टोत्तर शतनाम स्तोत्रम, दुर्गा द्वात्रि शतनाम माला, देव्याः कवचम्, अर्गला स्तोत्रम, किलकम, अथ तंत्रोक्त रात्रिसूक्तम, श्री देव्यर्थ शीर्षम का पाठ करने के बाद नवार्ण मंत्र का 108 बार यानि एक माला जप करने के उपरांत ही दुर्गा सप्तशती का एक-एक सम्पूर्ण पाठ करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति से एक साथ सम्पूर्ण पाठ करना सम्भव नही तो, निम्न प्रकार भी पाठ कर सकते है। जो व्यक्ति एक दिन में सम्पूर्ण पाठ करने में सक्षम नही तो, वे नवरात्र में पाठ का प्रारम्भ करने से पहले प्रार्थना और उसके बाद दुर्गा सप्तशती किताब से सप्तश्लोकी दुर्गा, उसके बाद श्री दुर्गाष्टोत्तर शतनाम स्तोत्रम, दुर्गा द्वात्रि शतनाम माला, देव्याः कवचम्, अर्गला स्तोत्रम, किलकम, अथ तंत्रोक्त रात्रिसूक्तम, श्री देव्यर्थ शीर्षम पढ़ने के बाद नवार्ण मंत्र का 108 बार यानि एक माला जप करने के उपरांत-

पहला दिन - प्रथम अध्याय

दूसरा दिन - दूसरा, तीसरा और चौथा अध्याय

तीसरा दिन - पाँचवाँ अध्याय

चौथा दिन - छठा और सातवां अध्याय

पाँचवा दिन - आठवां और नौवां अध्याय

छठा दिन - दसवां और ग्यारहवां अध्याय

सातवाँ दिन - बारहवाँ अध्याय

आठवां दिन - तेरहवां अध्याय

नौवाँ दिन - प्रधानिक रहस्य, वैकृतिक रहस्य एवं मूर्ति रहस्य, करना चाहिए।

नवरात्र में भोजन के रूप में केवल गंगा जल और दूध का सेवन करना अति उत्तम माना गया है, कागजी नींबू का भी इस्तेमाल भी किया जा सकता है। फलाहार पर रहना भी उत्तम माना गया है। यदि फलाहार पर रहने में कठिनाई हो तो, एक शाम अरवा भोजन में अरवा चावल, सेंधा नमक, चने की दाल, और घी से बनी सब्जी का उपयोग किया जाता है।

नवरात्र में पहला दिन प्रथम मां शैलपुत्री, दूसरे दिन द्वितीया मां ब्रह्मचारिणी, तीसरा दिन तृतीया मां चंद्रघंटा, चौथा दिन चतुर्थी मां कुष्मांडा, पांचवा दिन पंचमी मां स्कंदमाता, छठा दिन षष्ठी मां कात्यायनी, सातवां दिन सप्तमी मां कालरात्रि, आठवां दिन अष्टमी दुर्गा महा अष्टमी, नौवां दिन दुर्गा महानवमी मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है।

महाराजा अग्रसेन मॉडल स्कूल, पीतमपुरा द्वारा बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन और उत्पीड़न के खिलाफ अभिभावकों का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली: महाराजा अग्रसेन मॉडल स्कूल, सीडी ब्लॉक, पीतमपुरा द्वारा अवैध और जबरन फीस वसूली के खिलाफ आज 50 से अधिक आक्रोशित अभिभावकों ने दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (ऊढउफ) के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने स्कूल द्वारा गैर-स्वीकृत और अवैध फीस न चुकाने पर बच्चों को मानसिक उत्पीड़न और प्रमोशन रोकने जैसी धमकियों का मुद्दा उठाया। अभिभावकों का आरोपः स्कूल प्रबंधन द्वारा दिल्ली शिक्षा निदेशालय (ऊङ्मए) के स्पष्ट निर्देशों की अवहेलना करते हुए छात्रों को मानसिक दबाव में रखा जा रहा है। अभिभावकों ने बताया कि ऊङ्मए ने पहले ही स्कूल के फीस वृद्धि प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था और अतिरिक्त वसूली गई फीस को वापस करने का निर्देश दिया था, फिर भी महाराजा अग्रसेन मॉडल स्कूल लगातार इस आदेश की अनदेखी कर रहा है और छात्रों को अवैध फीस जमा कराने के लिए मजबूर कर रहा है। अवैध प्रथाओं और मानसिक उत्पीड़न का आरोपः अभिभावकों ने बताया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा आधिकारिक ऐप के माध्यम से संदेश भेजे जा रहे हैं, जिनमें बच्चों की ॡअगली कक्षा में प्रोन्नति बकाया राशि के भुगतान पर निर्भरॡ बताई जा रही है। इस प्रकार के जबरन वसूली के संदेशों ने विशेष रूप से कक्षा क् और क के छात्रों को अपमानित और मानसिक रूप से आहत किया है। कई अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल मासूम बच्चों को ॡजबरन वसूली का माध्यमॡ बना रहा है और गैरकानूनी शुल्क वसूलने के लिए छात्रों को मानसिक तनाव में डाल रहा है। कानूनी और न्यायिक आदेशों का उल्लंघनः स्कूल का यह रवैया दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा ह.ढ. (उ) ठङ्क. 4109/2013, दिनांक 19.01.2016 में पारित आदेश का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसमें कहा गया है कि सरकार द्वारा आवंटित भूमि पर संचालित स्कूल किसी भी फीस वृद्धि के लिए पहले शिक्षा निदेशालय (ऊङ्मए) से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए बाध्य हैं। महाराजा अग्रसेन मॉडल स्कूल, सीडी ब्लॉक, पीतमपुरा इस श्रेणी में आता है लेकिन फिर भी स्कूल ने इस आदेश की जानबूझकर अवहेलना की है, जिससे छात्रों के मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। ऊढउफ से तत्काल कार्रवाई की मांगः प्रदर्शन के दौरान अभिभावकों ने ऊढउफ को औपचारिक शिकायत सौंपकर बच्चों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के

लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की। उनकी प्रमुख मांगें इस प्रकार हैंः उत्पीड़न की जांचः स्कूल द्वारा अपनाई जा रही जबरन वसूली और भेदभावपूर्ण प्रथाओं की विस्तृत जांच। उत्पीड़न से सुरक्षाः स्कूल को निर्देश देना कि किसी भी बच्चे को अवैध फीस न देने पर शिक्षा से वंचित न किया जाए। बिना शर्त प्रोन्नतिः यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पात्र छात्रों को फीस विवाद से संबंधित शर्तों के बिना प्रोन्नति दी जाए। अनुशासनात्मक कार्रवाईः स्कूल प्रबंधन के खिलाफ बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन और ऊङ्मए एवं न्यायालय के आदेशों की अवहेलना के लिए उचित कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश। तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकताः अभिभावकों ने इस मुद्दे को बच्चों की भावनात्मक, मानसिक और शैक्षणिक सुरक्षा से जुड़ा बताते हुए ऊढउफ से आग्रह किया कि वे तुरंत हस्तक्षेप करें और छात्रों के अधिकारों को बहाल करें। राष्ट्रीय युवा चेतना मंच भारत के महासचिव महेश मिश्रा ने कहा कि दिल्ली में निजी स्कूलों की मनमानी आम हो गई है, जिसका पूरा श्रेय शिक्षा निदेशालय (ऊडए), डिप्टी डायरेक्टर जोन (ऊऊए) और डीई नामिनी को जाता है। या तो ये अधिकारी नियमानुसार कार्रवाई नहीं करते, और अगर कोई आदेश पारित भी करते हैं, तो उसे धरातल पर लागू कराने में पूरी तरह से लापरवाही बरतते हैं। इसी कारण अधिकांश अभिभावकों और दिल्लीवासियों का मानना है कि यह सब शिक्षा विभाग और स्कूलों की मिलीभगत का नतीजा है। उन्होंने आगे कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने वाले दोनों प्रमुख विभाग झ्र राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (ठउढउफ) और दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (ऊढउफ) झ्र शिकायतें मिलने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे। अधिकांश मामलों में वे केवल ऊडए/ऊऊए को जवाब सबमिट करने का निर्देश देकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। यह जानते हुए भी कि समय रहते उचित कार्रवाई से मासूम बच्चों का उत्पीड़न रोका जा सकता है और वे किसी मानसिक आघात (ट्रॉमा) का शिकार होने से बच सकते हैं। यदि किसी नाबालिग बच्चे को इस लापरवाही के चलते ट्रॉमा का सामना करना पड़ता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी इन राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय संस्थाओं की होगी। महेश मिश्रा ने शिक्षा मंत्रालय (राष्ट्रीय/राज्य) से मांग की कि कुछ आवश्यक मुद्दों पर तत्काल प्रभाव से कदम उठाए जाएं ताकि बच्चों का उत्पीड़न और स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाई जा सके। उनकी मुख्य मांगें निम्नलिखित हैंः 1. स्कूलों के फीस प्रस्ताव को समय रहते स्वीकृत या अस्वीकृत करना। 2. सभी स्कूलों में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई पीटीए (ढं१ील्ल३ ळीं१ अ२२ङ्क३ङ्कल्ल) का गठन। 3. नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले स्कूलों का टेकओवर। 4. फीस प्रस्तावों में फोरेंसिक ऑडिट की अनिवार्यता। 5. अधिकारियों को समय सीमा में समाधान देने के निर्देश, अन्यथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को निलंबित किया जाए। 6. सीएजी (उअॠ) द्वारा स्कूलों की वित्तीय ऑडिट प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को तत्काल लागू करना, जिससे इस प्रकार की अनियमितताओं पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि हम (संस्था/अभिभावक) शिक्षा व्यवस्था और शिक्षा नीतियों के सुधार में योगदान देने के लिए शिक्षा मंत्रालय के साथ चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि इन कुछ बिंदुओं पर तुरंत कदम उठाए जाएं, तो दिल्ली में शिक्षा प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार और मनमानी को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी स्वाती सिंह तथा प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक **मुकेश कुमार सिन्हा** के द्वारा रूचि प्रिन्टर्स, उत्तरी नेहरू नगर, पटना- 13 से मुद्रित तथा कुन्ती सदन, उत्तरी नेहरू नगर, पाटलिपुत्रा कॉलोनी, पटना- 13 से प्रकाशित **मो.- 09431427289, 09142587113**

सत्ता की खोज

पटना, शनिवार, 29 मार्च 2025

मत्स्य निदेशक द्वारा व्यय समीक्षा बैठक का आयोजन

पटना। निदेशक, मत्स्य, बिहार, पटना की अध्यक्षता में आज एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य एवं केंद्र सरकार की मत्स्य संबंधी योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में किए गए व्यय की समीक्षा की गई। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें बिहार के सभी जिलों के जिला मत्स्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

विनोद चौधरी ने सैंकड़ों समर्थकों के साथ थामा कांग्रेस का दामन

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित मिलन समारोह में दलित सामाजिक कार्यकर्ता विनोद कुमार चौधरी ने अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू व प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार के मौजूदगी में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए कांग्रेस का हाथ थाम लिया। बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू, अध्यक्ष राजेश कुमार, सह प्रभारी सुशील पासी ने उन्हें सदस्यता पर्ची दी। बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि मजबूत कांग्रेस मजबूत इंडिया हमारा नारा है और सभी वर्गों को साथ लेकर वंचित समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने की कवायद हमारे नेता राहुल गांधी के निर्देशन में चल रहा है। विनोद चौधरी और उनके समर्थकों के आने से समाजिक न्याय की लड़ाई को बल मिलेगा।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि विनोद चौधरी कांग्रेस परिवार के सदस्य रहें हैं और आज उन्होंने विधिवत सदस्यता ग्रहण की है। उनके आगमन से बिहार कांग्रेस में वंचित समुदाय की हिस्सेदारी बढ़ेगी। प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हमारे शीर्ष नेता राहुल गांधी ने सामाजिक संगठनों को लेकर संविधान रक्षा की जो कवायद शुरू की है उसका प्रतिफल अब दिखने लगा है। विनोद चौधरी ने अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ हमारे शीर्ष नेतृत्व के प्रति अपनी आस्था दिखाई और पार्टी इनको उचित सम्मान देगी। पार्टी में शामिल होने के बाद विनोद चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो दलितों और पिछड़ों के हक की बात राष्ट्रीय से लेकर प्रदेश स्तर तक उठाती है। राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी ने लगातार अनुसूचित जाति और जनजातियों के साथ वंचित वर्ग के हक में लड़ाई लड़ी है और देश के मुख्यधारा में लाने का काम कर रही है। कांग्रेस पार्टी में आकर मुझे अपने घर जैसा महसूस हुआ, आजादी के लड़ाई में हमारे परिवार ने अपना त्याग और बलिदान दिया है, पार्टी से जुड़कर मुझे बेहद प्रसन्नता हुई। मैं राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार के हाथों को हमेशा मजबूत करने का काम करूंगा। बताते चले कि विनोद चौधरी स्वतंत्रता सेनानी रहें पूर्व मंत्री स्व. जगलाल चौधरी का जयंती समारोह आयोजित किए थे और उस जयंती समारोह में विपक्ष के नेता व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने शिरकत किए थे। उनके अलावे बाढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी प्रो श्यामदेव चौधरी ने भी आज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। विनोद चौधरी के साथ प्रमुख रूप से रानी चौधरी, विनय यादव, मो फखरुल होदा, किरण देवी, ऊषा कुमारी, देव चौधरी, राजकुमार विद्यार्थी, उत्तम चौधरी, श्याम नंदन चौधरी सहित सैंकड़ों समर्थकों ने सदस्यता ग्रहण की।मिलन समारोह को बिहार कांग्रेस के सह प्रभारी सुशील कुमार पासी, विधान परिषद में दल के नेता व पूर्व अध्यक्ष डॉ मदन मोहन झा ने भी संबोधित किया।

34वीं राष्ट्रीय सबजूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का शानदार आगाज

पटना। जी डी गोयनका पब्लिक स्कूल रसलपुर गया के प्रांगण में 34वीं राष्ट्रीय सब जूनियर बालक बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का शानदार आगाज 27 मार्च यानी शुक्रवार देर शाम को हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन बिहार सरकार के सहकारिता विभाग के मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित, भूमि पूजन और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में बिहार ने शानदार आगाज किया। बालक वर्ग में बिहार ने जम्मू कश्मीर को 87-28 बालिका वर्ग में बिहार ने विदर्भ को 56-24 से पराजित किया।उद्घाटन के मौके पर मंत्री डॉ कुमार ने कहा कि बिहार राज्य कबड्डी संघ ने गया में राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित कर हमारा मान बढ़ाया है। सरकार ने योजना बना रखी है मेडल लाओ नौकरी पाओ। बिहार में जो मेडल लाते हैं उन्हें सरकार सरकारी नौकरी देती है। खेल से शारीरिक मानसिक और बौद्धिक विकास होता है।इस मौके पर अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जितेंद्र ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा बिहार ने कई प्रतियोगिता आयोजित कर एक नई पहचान देश में बनाने का काम किया है। उसके लिए बिहार राज्य कबड्डी संघ को धन्यवाद देता हूं।बिहार राज्य कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह ने कहा कि बिहार में कबड्डी के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्ल्ड कप से लेकर कई राष्ट्रीय प्रतियोगिता बिहार में आयोजित किये जा चुके है।कार्यक्रम में जीडी गोयनका स्कूल के निदेशक रवींद्र सिंह राठौर, द्रोणाचार्य अवार्ड बलवान सिंह, अर्जुन अवार्डी पवन शेहरावत, एशियन गेम्स स्वर्ण पदक विजेता सचिन तंवर, अर्जुन अवार्डी ममता पुजारी, अर्जुन अवार्डी मंजीत चिल्लर, पूर्व अंतरराष्ट्रीय प्लेयर जय श्री स्वान, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पूजा शर्मा, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रोहित कुमार, भारतीय टीम के कोच श्रीनिवास रेड्डी पूर्व भारतीय कबड्डी टीम के कोच समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस मौके पर दोहा एशियाड स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य राजीव कुमार सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।धन्यवाद आयोजन समिति के सचिव आनंद शंकर तिवारी ने किया। कार्यक्रम का संचालन मधेपुरा जिला कबड्डी संघ के संयोजक अरुण कुमार ने किया। जी डी गोयनका पब्लिक स्कूल रसूलपुर के द्वारा स्वागत गान और बिहार गौरव गान प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद ला दिया। मौके पर वरीय उपसमाहर्ता सह जिला खेल पदाधिकारी गया राहुल कुमार, गया जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव आयोजन समिति संयोजक जितेंद्र कुमार, जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मौजूद थे।

वक्फ संशोधन बिल का पुरजोर मुखालफत करती है कांग्रेस: राजेश

पटना। भाजपा सरकार के द्वारा लाई गई वक्फ संशोधन बिल का कांग्रेस पार्टी पुरजोर मुखालफत करती है। इस कानून में वक्फ की संपत्तियों का दुरुपयोग करने और पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर भाजपा एनडीए सरकार अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से मुस्लिम समुदाय की खिलाफत कर रही है। कांग्रेस बिहार में हर घर कांग्रेस का झंडा कार्यक्रम का भी आज शुरूआत कर रही है। ये बातें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश कुमार ने आज सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही।संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि वक्फ संपत्ति को लेकर केंद्र की सरकार की मंशा पूर्वाग्रह से ग्रस्त है। उन्होंने कांग्रेस के हर घर कांग्रेस का झंडा कार्यक्रम की शुरूआत का विधिवत ऐलान किया और कहा कि प्रखंड से लेकर जिला और प्रदेश के कांग्रेसजन अपने घरों, गाड़ियों और कार्यालयों पर झंडा लगाने का काम करेंगे। इससे कांग्रेस अपनी विरासत और संघर्ष को बयान करेगी। भाजपा के एजेंडे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनकी नीति रही है कि कमजोर और शोषित वर्ग को प्रताड़ित करने की। ये सरकार अनुसूचित जाति सहित अल्पसंख्यक वर्गों को प्रताड़ित करती है।संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस के विधायक दल के नेता डॉ शकील अहमद खान ने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति में सरकार के ज्यादा भागीदार होने के कारण भाजपा ने अपने हिसाब से वक्फ बोर्ड का संशोधन बिल तैयार कर दिया। तमाम आपत्तियों और सुझावों को दरकिनार कर केवल वक्फ की संपत्तियों के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर फैसला लिया गया। वक्फ के बारे में विस्तार से उन्होंने बताया और सभी अल्पसंख्यक संगठनों से जो सुझाव आए उसके खिलाफ केंद्र की सरकार ने अंतिम मसौदा तैयार कर दिया। बीजेपी द्वारा संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों की धज्जियां उड़ा रही है। एनडीए के घटक दल ये स्पष्ट करें कि जदयू, लोजपा रामविलास, हम सेक्यूलर के लोग भाजपा के एजेंडे के साथ खड़े हैं या नहीं। ये तमाम दल गोडसेवादी भाजपा के साथ रहना चाहते हैं तो फिर उन्हें अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए।

कासा पिकोला स्कूल क्रिकेट लीग के पांचवें संस्करण का हुआ शंखनाद

▸ सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने किया प्रतियोगिता का उद्घाटन ▸ मानव रचना लायंस और बिहेर नाइटराइडर्स की टीम जीती

पटना। टर्निंग प्वायंट के तत्वावधान में आयोजित कासा पिकोला स्कूल क्रिकेट लीग के पांचवें संस्करण का शंखनाद शनिवार यानी 28 मार्च को पटना के कृष्णा क्रिकेट ग्राउंड (खेमनीचक) में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन बिहार सरकार के सहकारिता विभाग के मंत्री डॉ प्रेम कुमार, पटना नगर निगम की उपमेयर रेशमी चंद्रवंशी, सशक्त समिति के सदस्य इंद्रदीप चंद्रवंशी, भाजपा खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू, राइज आईआईटी कोचिंग के डायरेक्टर धनंजय कुमार सिंह, स्पेक्ट्रा फ्लाईऐश इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के एमडी वीरू सिंह ने फीता काट, 501 बैलून उड़ा, खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त और शंखनाद कर किया। पहले दिन हुए मुकाबले में मानव रचना लायंस और बिहेर नाइटराइडर्स की टीम जीती।इस मौके पर सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने अपने उद्घाटन उद्बोधन में कहा कि किसी भी खेल की पहली परीक्षा स्कूल लेवल के टूनामेंट में होती है और आयोयक मंडल को मैं बधाई देता हूं कि वे प्रतिभाओं की पहचान के लिए यह आयोजन करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार खेल को बढ़ाने के लिए ढेर सारे कार्य कर रही है। जिला तो छोड़िए अब गांव स्तर पर खेल को बढ़ाने के लिए कार्य किये जा रहे हैं।सबों का स्वागत टर्निंग प्वायंट के निदेशक सह आयोजन अध्यक्ष विजय शर्मा ने और आयोजन सचिव नवीन कुमार ने बुके, मोमेंटों और शॉल समर्पित कर किया। समारोह का संचालन कमेंटेटर मृत्युंजय झा ने किया। इस मौके पर इस मौके पर कुमार राघवेंद्र (भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य), मुकेश पासवान (भाजपा खेल प्रकोष्ठ सह संयोजक), विकास कुमार सिंह (कोषाध्यक्ष, भाजपा खेल प्रकोष्ठ) समेत विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि आदित्य विश्वविद्यालय से हरिओम गांधी, जीएनआईओटी से मनीष कुमार, क्वांटम विश्वविद्यालय से शशिभूषण, प्रेम रंजन, हिंदुस्तान कॉलेज से आदित्य मौजूद थे।उद्घाटन मुकाबले में मानव रचना लायंस ने आदित्य दबंग को नौ विकेट से पराजित किया। टॉस आदित्य दंबग ने जीता और पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 179 रन बनाये। अयान सिन्हा ने 69 रन की पारी खेली। जवाब में मानव रचना लायंस ने युवराज (64 रन) और अमन यादव (55 रन) के अर्धशतकों की मदद से 16.4 ओवर में 1 विकेट पर 180 रन बना कर मैच अपने नाम कर लिया। विजेता टीम के युवराज (64 रन, 3 विकेट) को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार हरिओम गांधी (आदित्य यूनिवर्सिटी के मार्केटिंग हेड) ने प्रदान किया। दूसरे मैच में बिहेर नाइटराइड्र्स ने संस्कृति चेंजर्स को 103 रन से पराजित किया। टॉस संस्कृति चेंजर्स ने जीता और बिहेर नाइटराइडर्स को बैटिंग का न्योता दिया। बिहेर नाइटराइडर्स ने पहले बैटिंग करते हुए 19.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 187 रन बनाये। जवाब में संस्कृति चेंजर्स की टीम 14.1 ओवर में 84 रन पर ऑल आउट हो गई। विजेता टीम के पुस्कर (9 रन, 5 विकेट) को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया।

महावीर वात्सल्य अस्पताल में 63 लाख रुपये की लागत से लगी अत्याधुनिक इको कार्डियक मशीन

पटना। महावीर मन्दिर न्यास द्वारा संचालित महावीर वात्सल्य अस्पताल में नयी इको कार्डियक मशीन लगी है। शुक्रवार को इसका उद्घाटन जस्टिस उदय सिन्हा, जस्टिस पी के सिन्हा, सायण कुणाल और इंडियन ऑयल कारपोरेशन के कार्यकारी निदेशक संजीव कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। महावीर वात्सल्य अस्पताल के निदेशक डॉ राजीव रंजन प्रसाद ने बताया कि 63 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक इको कार्डियक मशीन लगी है। इंडियन ऑयल कारपोरेशन ने इस मशीन के लीए अपने कारपोरेट सोशल दायित्व के तहत 58.15 लाख रुपये की सहायता दी है। शेष राशि महावीर मन्दिर ने दी है। इस अवसर पर इंडियन ऑयल कारपोरेशन के कार्यपालक निदेशक संजीव कुमार चौधरी ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल की उपस्थिति में महावीर वात्सल्य अस्पताल में इको कार्डियक मशीन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे। महावीर वात्सल्य अस्पताल प्रबंधन ने निर्धारित समय सीमा के भीतर अत्याधुनिक मशीन के खरीद की प्रक्रिया पूरी कर मशीन लगा लिया। इसके लिए उन्होंने अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जस्टिस उदय सिन्हा ने आचार्य किशोर कुणाल को याद करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में महावीर अस्पतालों की स्थापना हुई। आज सभी को आचार्य किशोर कुणाल की याद आ रही है। आचार्य किशोर कुणाल के पुत्र सायण कुणाल ने कहा कि महावीर वात्सल्य अस्पताल बच्चों के इलाज के लिए बिहार का जाना-माना अस्पताल है। पीएमसीएच और आईजीआईएमएस से भी यहाँ शिशु मरीज रेफर होकर आते हैं। सायण कुणाल ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल की इच्छा के अनुरूप महावीर वात्सल्य अस्पताल को पूर्वी और उत्तर भारत के सबसे बड़े शिशु रोग अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगा। डॉ राजीव रंजन प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत किया। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ विवेक पांडेय ने मंच संचालन किथा। इस अवसर पर इंडियन ऑयल कारपोरेशन के पदाधिकारी कमलेश राय, राकेश रौशन, आलोक रंजन, महावीर आरोग्य संस्थान के निदेशक आरबीपी यादव, महावीर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल संस्थान के निदेशक डॉ डी के रमण, महावीर मंदिर के अधीक्षक के सुधाकरन, डॉ प्रभात, डॉ बिनय रंजन, डॉ ओम पूर्वे, डॉ गीता, डॉ राकेश, मुरारी प्रसाद सिन्हा आदि मौजूद थे।

महावीर मंदिर से निकला श्री राम-रथ 30 से करेगा पटना शहर के सभी मोहल्लों में जन जागरण

पटना। आगामी 6 अप्रैल को होनेवाली रामनवमी की तैयारियों की जानकारी श्री श्री रामनवमी शोभायात्रा अभिनन्दन समिति के अध्यक्ष सरदार जगजीवन सिंह बबलू एवं पथ निर्माण मंत्री सह बांकीपुर विधायक नितिन नवीन ने बताया कि विगत वर्षों की भाँति इस बार भी श्री रामनवमी की भव्य तैयारी की गयी है। दिनांक 30 मार्च को पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर से श्री राम-रथ को पटना शहर के सभी मोहल्लों में जन जागरण तथा उक्त दिवस पर डाकबंगला चौराहे पर आमंत्रित करने के उद्देश्य से रवाना किया जाएगा। पटना शहर के विभिन्न मोहल्लों से निकलने वाली मनमोहक झांकिया इस शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण होगी। शहर के अलग अलग हिस्सों से निकलने वाली झांकियो की संख्या इस वर्ष 48 है जो संख्या अभी और भी बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा लगभग एक लाख हिन्दू नवबर्ष कैलेंडर आम जनों के बीच वितरित किये जायेंगे साथ ही, लोगो से अपने घरों के ऊपर राम ध्वज लगाने की अपील की गई है। पटना का महावीर मंदिर आज हिंदू आस्था का केंद्र बन गया है और जन जागृति के उद्देश्य से पूरे शहर में लगभग एक लाख एक हजार छोटे तथा बीस हजार बड़े झंडों से राममय बनाने की तैयारी है, साथ ही चंदन नगर कोलकाता के द्वारा डाकबंगला चौराहे की ओर आनेवाले सभी प्रमुख मार्गों पर आकर्षक तोरण द्वार बनाये जा रहे है, इसके अलावा बनारस से 51(इक्यावन) डमरू बजाने बालो के साथ गंगा आरती की विशेष टीम को भी आमंत्रित किया गया है जो मां गंगा की आरती की भांति पटना के डाकबंगला चौराहे पर वैसी ही अलौकिक आरती का प्रदर्शन करेंगे।

आम जनता और श्रद्धालु झांकियों के साथ साथ भजन का आनंद भी मुख्य समारोह स्थल पर ले सकेंगे।रामनवमी के मुख्य आयोजन स्थल पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कई विशिष्ट राजनीतिनिक, सामाजिक तथा गणमान्य नेता, कार्यकर्ता एवं अतिथि भी मंच पर रहेंगे।मंत्री नितिन नवीन ने बातचीत में बताया की सनातन धर्मावलंबियों के बीच सबके आराध्य प्रभु श्री राम के प्रति गहरी आस्था है, हमेशा की तरह इस साल भी राजधानी पटना में रामनवमी को लेकर जबरदस्त उत्साह और उमंग है तथा आयोजन समिति भी इस कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। पटना की रामनवमी आने वाले वर्षों में पूरे देश में पटना को सांस्कृतिक पहचान दिलाने वाला बने इस दिशा में हम लगातार प्रयास कर रहे है। आयोजन समिति अध्यक्ष सरदार जगजीवन सिंह बबलू ने सभी रामभक्तों से अपील की है कि वे सब अपने घरों में एक राम ध्वज अवश्य लगाये एवम् अपने आस पास गली मोहल्लों और चौराहों पर ऐसे ही ग्यारह दूसरे घरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करे।

अरविन्द महिला कॉलेज में 9 को राष्ट्रीय लघुकथा संगोष्ठी

पटना। अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा मंच एवं श्री अरविंद महिला कॉलेज हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 9 अप्रैल, 2025 को पटना में एक राष्ट्रीय लघुकथा संगोष्ठी का आयोजन होगा।इस आशय की सूचना देते हुए अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा मंच के महासचिव डॉ ध्रुव कुमार ने बताया कि श्री अरविंद महिला कॉलेज हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं नई धारा के संपादक प्रो (डॉ)शिवनारायण की अध्यक्षता में सम्पन्न होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी 1980- 90 दशक के चर्चित लघुकथाकार समस्तीपुर निवासी स्व. युगल के लघुकथा साहित्य पर केन्द्रित होगी। संगोष्ठी में पंजाब के प्रसिद्ध लघुकथाकार प्रो. अशोक भाटिया, अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र के पूर्व कार्यकारी कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, जेपी छपरा विवि की पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो अनीता राकेश, चुनार (उत्तर प्रदेश) के डॉ राम दुलार सिंह पराया, डॉ सिद्धेश्वर कश्यप (मधेपुरा), डॉ भगवती प्रसाद द्विवेदी, अश्विनी कुमार आलोक, चितरंजन भारती, राम यतन यादव, विभा रानी श्रीवास्तव, सिद्धेश्वर, प्रभात कुमार धवन, अनिल रश्मि, गार्गी राय, डॉ मनीष भारती, रजनी प्रभा सहित देश के विभिन्न शहरों के साहित्यकार एवं लघुकथाकार शिरकत करेंगे।

स्वच्छता जन-जन का अभियान, इसमें प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक : नीतू नवगीत

ललित नारायण मिश्रा आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान में पटना नगर निगम स्वच्छता जागरूकता अभियान दल द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रति पटनावासियों को जागृत करने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पटना नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि स्वच्छता अभियान किसी एक व्यक्ति विशेष का अभियान नहीं है बल्कि जन-जन का अभियान है और इसीलिए इस अभियान में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। शहर के सभी निवासियों से स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेने की अपील करते हुए नीतू नवगीत ने कहा कि पटना शहर की रैंकिंग को बेहतर बनाने और शहर की स्वच्छता में भागीदारी हेतु इस अभियान में हिस्सा लेना आवश्यक है। संस्थान के अनेक छात्र और छात्राओं ने पटना नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराए गए कर कोड को स्कैन करके स्वच्छता सर्वेक्षण में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित डॉ. नीतू कुमारी नवगीत, डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. चंद्र सिंह और राजेश केशरी के द्वारा किया गया । संस्थान की ओर से पटना नगर निगम की पहल का स्वागत करते हुए डॉ चंद्र सिंह ने कहा कि पटना शहर को साफ सुथरा रखने के लिए सबको हाथ बंटाना चाहिए।

कार्यक्रम की सफलता में डॉ. प्रीति सिंह (सहायक प्रोफेसर), डॉ. चंद्र सिंह (प्रोफेसर), डॉ. रितु नारायण (सहायक प्रोफेसर), अनुमेहा सिंह (प्लेसमेंट अधिकारी), अनुराग राठौर (मार्केटिंग अधिकारी) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में नीतू नवगीत के साथ लोकगायक राजेश केशरी, चंदन उगना, विश्वनाथ पाण्डे ढोलक पर, दिव्या श्री ने स्वच्छता गीतों की प्रस्तुति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नीतू नवगीत ने घर घर अलख जगायेंगे स्वच्छ पटना बनेगा, सबसे बड़ा है गहना साफ रहना जैसे गीत गाकर सबको स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के विद्यार्थियों ने बेहद उत्साहित होकर दफकोड स्कैन किया और स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लिया।

इन्दिरा आईवीएफ का बिहार में 12वां सेंटर पटना के फुलवारी शरीफ में शुरू

पटना, (आरएनएस)। इन्दिरा आईवीएफ ने पटना के फुलवारी शरीफ में अपने नए फर्टिलिटी सेंटर का उद्घाटन किया है, जिससे बिहार में रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर सेवाओं की पहुंच अधिक मजबूत होगी। यह राज्य में इन्दिरा आईवीएफ का 12वां सेंटर है, जो आधुनिक फर्टिलिटी केयर के साथ उन दंपतियों और व्यक्तियों की मदद करेगा, जो संतान सुख प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं। यह विस्तार इन्दिरा आईवीएफ की नवीन रिप्रोडक्टिव तकनीकों को व्यक्तिगत देखभाल के साथ जोड़कर फर्टिलिटी ट्रीटमेंट को अधिक सुलभ बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस अवसर पर बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडे मुख्य अतिथि के रूप में, पूर्व मंत्री श्याम रजक विशिष्ट अतिथि, इन्दिरा आईवीएफ बिहार हेड व पटना सेंटर हेड डॉ. दयानिधि कुमार और इन्दिरा आईवीएफ फुलवारी शरीफ के सेंटर हेड डॉ. पुनीत हंस उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि बिहार के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और किफायती होनी आवश्यक है। बढ़ती फर्टिलिटी जरूरतों को देखते हुए, बिहार में विशेष फर्टिलिटी उपचार केंद्रों की उपलब्धता से लोग दूर-दराज की यात्रा करने के बजाय अपने राज्य में ही उचित चिकित्सा सहायता प्राप्त कर सकते हैं, इससे बेहतर स्वास्थ्य परिणाम मिलेंगे और हेल्थकेयर सिस्टम भी सशक्त होगा। इन्दिरा आईवीएफ से उपचार लेकर अब तक 160, 000 से अधिक सफल आईवीएफ प्रेगनेंसीज हो चुकी हैं और देशभर में 160 से अधिक लोकेशन्स में उपचार सेवाएं प्रदान कर रहा है। फुलवारी शरीफ में नया सेंटर स्थापित कर इन्दिरा आईवीएफ फर्टिलिटी केयर को और अधिक सुलभ करने की दिशा में अपने प्रयासों को मजबूत कर रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को गुणवत्तापूर्ण और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित निःसंतानता उपचार प्राप्त हो सके।

कजरा में बैटरी एनर्जी स्टोरेज युक्त 116 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना के लिए प्री-बिड मीटिंग आयोजित

पटना। बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड द्वारा कजरा, लखीसराय में 116 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र और 241 मेगावाट आवर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए जारी निविदा के संदर्भ में प्री-बिड मीटिंग का आयोजन किया गया। इस बैठक में ऊर्जा सचिव सह सीएमडी, बीएसपीएचसीएल श्री पंकज कुमार पाल, बीएसपीजीसीएल के प्रबंध निदेशक श्री महेंद्र कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। मीटिंग में टाटा पावर, लार्सन एंड टूब्रो, अशोका बिल्डकॉन, गोदरेज, सूर्यम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, एलसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स, सन इंफ्रा पावर, फ्रोज़िल ग्रीन, सात्विक सोलर, जेरेमी, वीटीएल, ऐस पावर, पेस डिजिटेक, एनरिक एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, प्रोस्टार सिस्टम व अन्य कंपनियों ने शिरकत की। कंपनियों ने अपनी शंकाएं और सुझाव साझा किए। वर्तमान में 185 मेगावाट सौर ऊर्जा ग्रिड-कनेक्टेड पावर प्लांट और 254 मेगावाट आवर की बैटरी एनर्जी स्टोरेज प्रणाली का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसे दिसंबर 2025 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।बीएसपीजीसीएल द्वारा इस परियोजना के दूसरे चरण में 116 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र और 241 मेगावाट आवर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए टेंडर जारी किया गया है। इस चरण में परियोजना के लिए लगभग 400 एकड़ भूमि का उपयोग किया जाएगा। इस सौर ऊर्जा संयंत्र की अनुमानित आयु 25 वर्ष होगी और इससे स्वच्छ तथा सतत ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

मोदी सरकार बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध : जायसवाल

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने केंद्र सरकार द्वारा बिहार को दी गई दो बड़ी विकास परियोजनाओं पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय कैबिनेट का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं बिहार के विकास की नई आधारशिला रखेंगी और राज्य को आर्थिक, सामाजिक एवं बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सशक्त बनाएंगी। डॉ. जायसवाल ने विस्तार से बताया कि केंद्रीय कैबिनेट द्वारा बिहार के लिए दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है जिसमें पहला 6, 282 करोड़ की लागत से कोसी-मेची रिवर लिंक प्रोजेक्ट है। इस परियोजना से अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, खगड़िया, मधेपुरा सहित अन्य सीमावर्ती जिलों में 2 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।यह परियोजना बाढ़ नियंत्रण में भी सहायक होगी क्योंकि कोसी नदी को 'बिहार का शोक' कहा जाता है, जो हर साल बाढ़ से तबाही मचाती है। मेची नदी से इसे जोड़ने से बाढ़ की तीव्रता कम होगी और किसानों को राहत मिलेगी। कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प को मजबूती मिलेगी। वहीं 3712 करोड़ की लागत से 120 किमी लंगी पटना-आरा-सासाराम फोरलेन कॉरिडोर है।इस हाईवे से पटना, आरा और सासाराम के बीच यातायात सुगम होगा, जिससे आवागमन में लगने वाला समय घटेगा और यातायात की रफ्तार बढ़ेगी। यह परियोजना 5 राष्ट्रीय राजमार्गों और 4 राज्य राजमार्गों को आपस में जोड़ेगी। यह व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा, जिससे बिहार में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बिहार को हर क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले 10 वर्षों में बिहार को रेलवे, राजमार्ग, हवाई अड्डे, सिंचाई, ग्रामीण विकास और औद्योगिक निवेश जैसी कई परियोजनाओं की सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि 2024 में फिर से भाजपा सरकार बनने के बाद यह साफ हो गया कि जनता ने 'विकास' को प्राथमिकता दी है। यह सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति पर चलते हुए बिहार को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के लिए कार्य कर रही है। डॉ. जायसवाल ने बिहार सरकार से अपील करते हुए कहा कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का क्रियान्वयन शीघ्र किया जाए, ताकि जनता को इनका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता इन योजनाओं की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे और जनता तक इनकी जानकारी पहुंचाने का कार्य करेंगे।

यांत्रिकरण और फार्म पावर की उपलब्धता से बिहार कृषि परिदृश्य में हो रहा गुणात्मक बदलाव : सिन्हा

पटना। उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार की कृषि में आधुनिक तकनीक और यांत्रिकरण ने नए आयाम स्थापित किए हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय में वृद्धि और कृषि को आत्मनिर्भर व टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही कृषि यांत्रिकरण योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। बिहार में फार्म पावर की उपलब्धता वर्ष 2009-10 में मात्र 1.23 किलोवाट प्रति हेक्टेयर थी, जो बढ़कर वर्ष 2022-23 में 3.56 किलोवाट प्रति हेक्टेयर हो गई है।श्री सिन्हा ने कहा कि बिहार के किसानों की मेहनत, कृषि यांत्रिकरण की योजनाओं और सरकार के प्रयासों से राज्य की कृषि व्यवस्था अधिक आधुनिक, सशक्त और लाभदायक बन रही है। हमारा लक्ष्य कृषि में नवाचार और तकनीकी सुदृढ़ता के माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करना है। हमारा प्रयास है कि अब बिहार में कृषि केवल जीवन निर्वाह का नहीं उद्यमिता का प्रतीक बनकर उभरे। राज्य में कृषि यंत्रों की बढ़ती उपलब्धता से किसानों को न केवल आधुनिक खेती करने में सहूलियत मिली है, बल्कि उनकी उत्पादकता और आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ट्रैक्टर, पावर टिलर, थ्रेशर, हार्वेस्टर, ड्रिप और स्प्रिंकलर इरिगेशन जैसे उपकरण अब छोटे और सीमांत किसानों तक भी पहुंचने लगे हैं। श्री सिन्हा ने कहा, किसान अब समय पर जुताई, बुवाई और कटाई कर पा रहे हैं, जिससे कृषि में लागत कम हुई है और उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य सरकार कृषि यांत्रिकरण को अगले स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा स्पष्ट मानना है कि राज्य में कृषि और किसानों के सतत विकास से ही विकसित बिहार की राह सुनिश्चित होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा चलाई गई योजनाओं ने बिहार की कृषि को आधुनिक और टिकाऊ बनाने में अहम भूमिका निभाई है। मिसाल के तौर पर कस्टम हायरिंग सेंटर से छोटे किसानों को सस्ती दर पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए 1000 से अधिक कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए गए हैं। उसी तरह फार्म मशीनरी बैंक से छोटे एवं गरीब किसानों को सस्ते दर पर भाड़े पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराने हेतु फार्म मषीनरी बैंक की स्थापना की गई है। साथ ही यंत्रों पर सब्सिडी से किसानों को थ्रेशर, मल्टी-क्रॉप प्लांटर, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम सहित कुल 75 प्रकार के कृषि यंत्रों पर 40 प्रतिषत से 80 प्रतिषत तक अनुदान का प्रावधान किया गया है।इतना ही नहीं किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग में प्रशिक्षित कर तकनीकी रूप से सशक्त बनाया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि यांत्रिकरण से भूमि की बेहतर जुताई, समय पर बुवाई, कटाई और फसल प्रबंधन संभव हुआ है। इसके परिणामस्वरूप फसलों की उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, कृषि में लागत घटने से किसानों की शुद्ध आय में भी सुधार हुआ है।श्री सिन्हा ने कहा कि कृषि यांत्रिकरण हमारी सरकार की प्राथमिकताओं में है। आने वाले वर्षों में किसानों को अत्याधुनिक कृषि यंत्रों पर अधिक अनुदान, कस्टम हायरिंग सेंटरों का विस्तार और नई तकनीकों की ट्रेनिंग देने पर जोर दिया जाएगा। हमारा लक्ष्य है कि बिहार की कृषि प्रणाली को पूरी तरह आत्मनिर्भर और आधुनिक बनाया जाए, जिससे किसान न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर सकें, बल्कि देश-विदेश में भी अपनी फसलों की पहचान बना सकें।

बचत और कमाई, दोनों का भरोसा है आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट

पटना। आज की अनिश्चित आर्थिक स्थिति में अतिरिक्त आमदनी का जरिया होना बहुत जरूरी हो गया है। बढ़ती महँगाई, बाजार में उतार-चढ़ाव और वित्तीय लक्ष्यों को पाने के लिए लोग ऐसे निवेश विकल्प तलाश रहे हैं, जो सुरक्षा और बढ़त दोनों प्रदान करें। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने एक खास लॉन्ग-टर्म सेविंग्स प्रोडक्ट- आईसीआईसीआई प्रू गिफ्ट सिलेक्ट लॉन्च किया है, जो गारंटीड इनकम के साथ संपत्ति सुरक्षित रखने का मौका देता है।

सत्ता की खोज

पटना, शनिवार, 29 मार्च 2025

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदर्शनी का आयोजन हुआ

एस. शेरवानी (ब्यूरो चीफ)

आगरा/अकोला। उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा व सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कार्यालय विकास खण्ड खन्दौली पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभाग जैसे बेसिक शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, श्रम विभाग, पुलिस विभाग मनरेगा विभाग इत्यादि ने अपनी अपनी स्टॉल लगाई और बड़ी मेहनत से उन्हें सजाया। इस कार्यक्रम में ब्लाक अध्यक्ष आशीष शर्मा और बीडीओ, खण्ड शिक्षा अधिकारी खन्दौली उपस्थित रहे वहीं उन्होंने प्रदर्शनी में लगी स्टाल की सराहना करते हुए प्रशंसा की। वहीं खण्ड शिक्षाधिकारी द्वारा बेसिक की योजनाओ पर प्रकाश डाला जैसे शारदा, दीक्षा, निपुण लक्ष्य एप आपरेशन कायाकल्प, डी बी टी द्वारा यूनीफार्म, जूते, मोजे स्वेटर के लिये अभिभावको के खाते में पैसा आना, इको व यूथ क्लब, विद्यालय सौन्दर्यीकरण, टाइलीकरण, शौचालय की व्यवस्था, पिंक टायलेट, पेयजल इत्यादि। इस दौरान बेसिक शिक्षा विभाग से श्रीमती प्रेमलता शर्मा स०अ० मुढ़ी जहाँगीरपुर एवं (नोडल शिक्षक) बालिका शिक्षा ब्लाक खन्दौली, डा०भूपेन्द्र कौर, पूजा शाक्य, चन्द्रकान्ता, राजपाल, प्रार्थना मिश्रा, अनीता सिंह आदि उपस्थित रहे।

इंदौर में अपना दल (एस) मध्य प्रदेश की चिंतन बैठक 29 मार्च को

भोपाल/लखनऊः अपना दल (एस) मध्य प्रदेश इकाई द्वारा 29 मार्च को एक महत्वपूर्ण चिंतन बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह बैठक इंदौर के होटल वाइट हाउस इन में सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक आयोजित होगी। बैठक में प्रदेश के निवर्तमान प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और सचिव शामिल होंगे। इसके अलावा, दिल्ली से युवा मंच के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अखिलेश पटेल भी विशेष रूप से बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, आगामी रणनीतियों पर चर्चा और प्रदेश में पार्टी की उपस्थिति को और मजबूत करना है। बता दें कि उत्तर प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा राजनीतिक दल अपना दल (एस) उत्तर प्रदेश सरकार में गठबंधन में है और केंद्र में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल राज्य मंत्री का पदभार संभाल रही हैं। अब मध्य प्रदेश में संगठन विस्तार की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए, आलाकमान ने पार्टी को नई दिशा व गति देने का प्रयास किया है। बैठक संबंधी अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - रोहित चंदेल (8707587017)

बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अपने भक्तों को नवरात्र में साधना शिविर लगाने का दिया आदेश

उज्जैन परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 27 मार्च 2025 को अपने उज्जैन आश्रम (म. प्र.) पर प्रेमियों से कहा कि देखो प्रेमियों! चैत्र का महीना है, मौसम बदल रहा है। दो मौसम बदलता है; एक कुवार में (अश्विन महीना) और एक चैत्र में। इसमें नवरात्र आती है। अब दो दिन के बाद कृष्ण पक्ष खत्म हो जाएगा और नवरात्र रविवार से शुरू हो जाएगी। यह पवित्र माना गया है, इसमें लोग पूजा-पाठ करते हैं। जैसे दीपावली की अमावस्या को लोग जंत्र-मंत्र जगाते हैं, व्यापारी अपनी गद्दी पर बही खाता की पूजा करते हैं, उसी तरह से इसमें लोग देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। अच्छा काम करते हैं। कोई भी अच्छी शुरूआत करनी होगी तो नवरात्र का लोग इंतजार करते हैं कि नवरात्र जब आएगी तब नए काम की शुरूआत करेंगे; शुभ काम की शुरूआत करेंगे। अपने लोगों के लिए शुभ काम क्या है? सुमिरन, ध्यान और भजन। साधना जिसको कहते हो, जिसमें शरीर को साधते हैं और मन को साधते हैं।

नौकरी पेशा लोग सुबह-शाम साधना में बैठें: साधना करने के लिए, शिविर लगाने के लिए पहले भी कहा गया था। कुछ जगहों पर लोग शुरू कर दिए, चल रहा है लेकिन जहाँ नहीं चल रहा है, कम से कम नौ दिन का तो आप लोगों को शिविर लगा ही देना चाहिए। सब जगह लग सकता है। आश्रमों पर, जहाँ रोज सुबह-शाम साधना होती है उसी का समय बढ़ा दिया जाए। दिन में अपना काम कर लें; नौकरी कर आवे, खेती का काम कर लें, दुकान का काम कर लें और सुबह-शाम साधना में बैठें। सब जगह हो सकता है। शुरूआत जहाँ नहीं हुई है, वहाँ शुरू कर देना चाहिए। अब तीस तारीख को शुरू हो रहा है। तीस तारीख को जो झंडा 23 मार्च, मुक्ति दिवस के दिन लगाया गया था उसको भी सुबह छः बजे से आठ बजे के बीच उतार देना है। साधना शिविर की जगह के लिए बहुत से लोग ऐसे भी हैं जिनके पास बहुत जगह है; धार्मिक हैं, जब कह दोगे आप कि साधना शिविर लगाने के लिए हमको दे दीजिए और हम पूजा, साधना करेंगे और फिर चले जाएंगे तो दे देंगे लोग जगह। पार्क हैं, पार्कों में भी जहां रोक नहीं है वहाँ भी बैठ कर के किया जा सकता है।

छठ में भी सौगाते मोदी के तर्ज पर छठ पूजा किट देना चाहिए : डॉ संतोष सुमन..

पटना। बिहार के लघु जल संसाधन मंत्री और हम (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशभर के 32 लाख गरीब मुस्लिम परिवारों को सौगात-ए-मोदी किट दिए जाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इसे सामाजिक समरसता और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। संतोष सुमन ने कहा कि हम समझते हैं कि कुछ लोग यह भ्रम फैलाते हैं कि हम एक वर्ग विशेष के लिए काम नहीं करते। यह पहल उन लोगों के लिए आईना है जो समाज में सिर्फ द्वेष और भ्रम फैलाने का काम करते हैं। हमारा काम सिर्फ वोट लेना नहीं, बल्कि हर वर्ग का विकास करना है। मोदी का यह कदम इस बात का प्रमाण है कि हम सभी समुदायों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ. सुमन ने आगामी चैती छठ पर्व को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि छठ व्रतियों के लिए भी विशेष किट या सहायता योजना लाई जाए।

आसिफ शेख, जारा वारसी औरसलीम जैदी ने बताया कि इस बार कैसी होगी उनकी ईद!

मुंबईः ईद का त्यौहार मिल-जुलकर खुशियाँ मनाने और अपनों के लिये प्यार जताने का मौका देताहै। एण्डटीवी के कलाकार भी अपने प्रियजनों के साथ यह त्यौहार मनाने के लिए बहुतउत्साहित हैं। स्वादिष्ट पकवानों का आनंद उठाने से लेकर ईदी देने और लेने तक, हरकलाकार के पास ईद को यादगार बनाने का एक खास तरीका है। कुछ कलाकार अपने होमटाउनमें ईद मनाकर अपने बचपन की यादों को ताजा करेंगे, जबकि कुछ अपने परिवार तथादोस्तों के साथ छोटे पैमाने पर त्यौहार मनाने की तैयारी कर रहे हैं। इन कलाकारोंमें शामिल हैं आसिफ शेख (विभूति नारायण मिश्रा, 'भाबीजी घर पर हैं'), जारा वारसी(चमची, 'हप्पू की उलटन पलटन') और सलीम जैदी (टिल्लू, 'भाबीजी घर पर हैं')। 'भाबीजीघर पर हैं' के विभूति नारायण मिश्रा, ऊर्फ आसिफ शेख ने बताया, ''ईद हमेशा मेरे दिलके करीब रही है और यह त्यौहार मुझे प्यार, खुशी तथा पारिवारिक एकजुटता की भावना सेभर देता है। हालांकि, इस साल मेरी सेहत कुछ खराब है। मुझे हाल ही में सेट परसाइटिका का तेज दर्द उठा था और हालात मेरे लिये मुश्किल हो गये। लेकिन इससे मेरात्यौहार मनाने का उत्साह फीका नहीं पड़ने वाला है। मैं अपने प्रियजनों के साथ मिलकरजरूर जश्न मनाउंगा। पारिवारिक स्नेह, त्यौहार के लिये उनका तैयार होना और ईद केव्यंजनों का मजा लेना मुझे सबसे ज्यादा अच्छा लगता है। मैं ज्यादा इधर-उधर घूमनहीं पाऊंगा, लेकिन ईद प्यार और एकजुटता का एहसास देगी और यही सचमुच मायने रखताहै। मैं अपने सभी प्रशंसकों के प्यार और मेरे लिये उनकी चिंता को सराहना करता हूँ।मैं सभी को खुशियों, सेहत और समृद्धि से भरी ईद की शुभकामनाएं देता हूँ।''

'हप्पू की उलटन पलटन' की चमची, यानि जारा वारसी ने बताया, ''ईद हमेशा खास होती है; हंसी, प्यार और त्योहार केलजीज खाने की खुशबू से भरी हुई। मैं लखनऊ से हूँ, जहाँ ईद का जश्न बहुत धूमधाम सेमनाया जाता है, इसलिए यह त्योहार मेरे दिल के बहुत करीब है। इस साल इसे और यादगारबनाने के लिए मैं अपनी माँ के साथ मिलकर शीर कुरमा बना रही हूँ, जो हमारे घर की एकखूबसूरत परंपरा है! माँ के साथ किचन में रहना सिर्फ.एक रेसिपी फॉलो करने सेज्यादा होता है। इसमें ढेर सारी बातें होती हैं, कभी-कभी छुपाकर ड्राय फ्रूट्सज्यादा डालना भी, और यह देखना कि शीर कुरमा बिल्कुल परफेक्ट, मलाईदार और स्वादिष्टबने। मैं इसे 'हप्पू की उलटन पलटन' के सेट पर भी ले जाऊँगी, ताकि सबके साथ इस खुशीको बाँट सकूँ। ईद पर तैयार होना भी बहुत खास होता है। इस बार मैंने एक खूबसूरतकढ़ाईदार सलवार सूट चुना है, जिसके साथ मैचिंग चूड़ियाँ पहनूँगी। हाथों में मेहंदीलगाना और ईदी लेना-देना तो इस त्योहार की सबसे मजेदार बातों में से एक है! शाम कोपरिवार और दोस्तों के साथ एक खास डिनर का मजा लूँगी, जिसमें कबाब, बिरयानी और ढेरसारे ईद के पकवान होंगे। मेरे लिए ईद सिर्फ.एक त्योहार नहीं, बल्कि एक एहसास हैऔर शुक्रिया अदा करने, अपनों के साथ समय बिताने और खुशियाँ बाँटने का एक मौका भी।मैं जहाँ भी रहूँ, परिवार का प्यार और साथ मिलकर खुशी बाँटने का एहसास इस त्योहारको सच में यादगार बना देता है!''

'भाबीजी घर पर हैं' के टिल्लू, ऊर्फ सलीम जैदी नेबताया, ''ईद प्यार, एकता और आभार का खूबसूरत जश्न है, जो परिवार और दोस्तों कोकरीब लाता है। इस साल मैं अपने परिवार के साथ इसे मना रहा हूँ। सुबह की नमाज सेदिन की शुरूआत होगी, इसके बाद बड़ों का आशीर्वाद लूँगा और फिर स्वादिष्ट शीर कुरमाका मजा उठाऊँगा। पारंपरिक कुर्ता पहनना, इत्र लगाना और अपनों के साथ ईदी कालेन-देन इस त्योहार को और खास बना देता है। मेरे लिए ईद सिर्फ. दावत का मौका नहीं, बल्कि खुशियाँ बाँटने और अपने प्रियजनों के साथ यादगार पल संजोने का दिन है। मैं'भाबीजी घर पर हैं' के सेट पर भी इस जश्न को मनाने को लेकर उत्साहित हूँ, क्योंकिजब खुशियाँ सबके साथ बाँटी जाती हैं, तो त्योहार और भी खास बन जाता है!'' अपने चहेते कलाकारों को देखिये'हप्पू की उलटन पलटन' में रात 10:00 बजे और 'भाबीजी घर पर हैं' में रात 10:30 बजे, सोमवार से शुक्रवार सिर्फ एण्डटीवी पर!

पर्यावरण, बालिका शिक्षा एवं सुरक्षा तथा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के मद्देनजर शिक्षक हुए सम्मानित

एस. शेरवानी (ब्यूरो चीफ)

आगरा : (नोएडा)। गलगोटिया विश्वविद्यालय व इंजीनियरिंग कालेज नोएडा के सभागार पर शिक्षा और पर्यावरण व बालिका शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए केके खंडेलवाल आई.ए.एस. व नेशनल चीफ कमिश्नर बीएसजी के द्वारा आगरा के शिक्षक सत्य पाल सिंह (राज्य पुरस्कृत शिक्षक), अशोक कुमार, सतीश कुमार, अमित कुमार, रश्मि सिंघल, शर्मा कुसुम, रिजवाना, आशा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर आर.डी. बाजपेई उप शिक्षा निदेशक एससीईआरटी, दर्शना पावश्कर निदेशक बीएसजी ने भी शिक्षक को सम्मानित किया।

राष्ट्रीय कार्यक्रम में 18 राज्यों के 50 उत्कृष्ट व नवाचारी शिक्षक, शिक्षिकाओं को चयनित कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि देश के भाग्यविधाता द्रोणाचार्य स्वरूप शिक्षकों को उनके बच्चों के हित में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए आगरा के इन शिक्षकों को सम्मानित किया जाना गर्व का विषय है। भारत में अच्छे शिक्षक शिक्षिकाओं की नितांत आवश्यकता है जो इन शिक्षको से प्रेरणा लेंगे। इनके पुरस्कृत होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारी एवं शिक्षक संगठनों के साथ शिक्षकों ने बधाई दी।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में हुई मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय, प्रबंध समिति की बैठक

एस. शेरवानी (ब्यूरो चीफ)

आगरा। मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय, आगरा के प्रशासनिक भवन में मण्डल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रबंध समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम प्रबंध समिति की विगत बैठक के कार्यवृत्त एवं अनुपालन आख्या की समीक्षा की गई। मण्डल आयुक्त ने निर्देश दिए की गंभीर मानसिक रोगियों के उपचार के अलावा सामान्य रूप से मानसिक रोगी एवं बच्चों के लिए भी काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। वर्तमान में दी जा रही सुविधाओं में और सुधार लाया जाए। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी मानसिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा नशा मुक्ति कार्यक्रम प्रभावी रूप से चलाया जाए और जगह-जगह शिविर आयोजित कर लोगों को विभिन्न प्रकार से नशे से होने वाली गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक बनाया जाए और संस्थान द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाओं का प्रचार प्रसार किया जाए। पार्किंग निविदा प्रक्रिया पूरी कर परिसर में जल्द पार्किंग सुविधा शुरू कराये जाने के निर्देश दिये।

मुख्य विकास अधिकारी, आगरा ने, टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निःक्षय मित्र बनकर लिया गोद

एस. शेरवानी (ब्यूरो चीफ)

आगरा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम जनपद आगरा में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विकास भवन परिसर में मुख्य विकास अधिकारी, आगरा श्रीमती प्रतिभा सिंह द्वारा टीबी यूनिट आगरा सेंट्रल में उपचारित टीबी मरीजों को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निःक्षय मित्र बनकर गोद लिया गया और मरीजों को पोषण पोटली का वितरण किया गया।

पोषण पोटली पोटली में मरीजों के लिए निःशुल्क सोयाबीन, दालें, चने, रमांस की दाल, दलिया, सत्तू, मूंगफली, बोर्नबीटा पाउडर, बिस्किट, देशी खांड और महिलाओं के प्रयोग में लाए जाने वाले सैनेट्री पैड आदि सामान उपलब्ध रहता है, जिसके सेवन करने से टीबी मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है, और मरीजों को दवाइयों को नियमित सेवन करने की शक्ति मिलती है।

मुख्य विकास अधिकारी आगरा ने बताया कि जनपद आगरा में मुख्यमंत्री द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीबी स्टॉल का भ्रमण किया गया और पोषण पोटली वितरण करने के लिए सराहना की गई है, अगर इस तरह से मरीजों को नियमित रूप से पोषण आहार पोटली मिलेंगी तो वास्तव में देश से टीबी को खत्म करने में मदद मिलेगी, जैसा कि भारत सरकार का लक्ष्य 2025 टीबी मुक्त भारत है।

जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया कि टीबी मरीजों की सहायता करने के लिए जनपद की सामाजिक संस्थाओं, के अलावा अन्य सामाजिक संगठन भी आगे आकर टीबी मरीजों को नियमित रूप से पोषण पोटली वितरण के अलावा व्यावसायिक सहायता के रूप में जैसे शिलाई की मशीन, कपड़े के थैले बनाने के लिए समान आदि भी उपलब्ध करा रहे हैं, जिस से स्वास्थ्य के साथ साथ आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को भी रोजगार से जोड़ा जा सके।

खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु एक दिवसीय सेमीनार का हुआ आयोजन

एस. शेरवानी (ब्यूरो चीफ)

आगरा। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, लखनऊ के तत्वाधान में राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र, पालीवाल पार्क, आगरा में महिलाओं तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित का एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ श्रीमती हेमलता दिवाकर कुशवाह द्वारा फीता काटकर एवं माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में उत्कृष्ट कार्य हेतु डी.आर.पी. तथा उद्यमियों कुल 7 महिला/पुरुषों को शॉल पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया और उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि महिलायें खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने स्वयं का रोजगार

लगायें तथा सरकार की योजनाओं से अनुदान प्राप्त कर अन्य लोगों को रोजागार के अवसर प्रदान करें तथा अपनी परिवार की आय बढ़ायें। उप निदेशक उद्यान, आगरा डॉ. धर्मपाल यादव ने अपने उद्बोधन में बताया की खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार की अपार सम्भावनायें हैं। इस कार्यक्रम में मै० अम्बिका नेचुरल फूड प्रोडक्टस, आगरा; मै० आर.एस. मसाले, आगरा; जानकी देवी, स्वयं सहायता समूह, खन्दौली, आगरा; मै० अजीत अचार भण्डार, अलीगढ़; मै० कंचन डिलिशियस अचार, कुंवर नगर, अलीगढ़, राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र, आगरा ने अपने स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन लोकेश सिंह सेंगर, प्रशिक्षक द्वारा किया गया। बलवीर सिंह, प्रधानाचार्य, राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र, आगरा द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 की जानकारी विस्तार से दी तथा सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों और सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में अम्ब्रीश सक्सैना, तारा सिंह, शैलेन्द्र कुमार वर्मा, अनिल कुमार वर्मा, राजेन्द्र, रूप नारायण, श्रीमती मीनू का सहयोग सराहनीय रहा।

बापू सभागार मे बाबू वीर कुंवर सिंह सौर्य जयंती समारोह कार्यक्रम होगा

मुजफ्फरपुर, (आरएनएस)। दोर्ण पेप पब्लिक स्कूल सह कोचिंग सेंटर के चौथे मंजिल पर 23 अप्रैल को बापू सभागार मे बाबू वीर कुंवर सिंह सौर्य जयंती समारोह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक किया गया जिसमे मुख्य रूप से भाजपा बिहार नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह भाजपा नेता निरंजन शर्मा बीरेंद्र सिंह मुखिया संघ अध्यक्ष मनोज सिंह उपनेस सिंह राजेश कुमार सिंह अनिल सिंह प्रकाश सिंह आदित्य सिंह विद्यार्थी परिषद अंकित सिंह आयुष रघुवंशी प्रियांशु सरकार अमित सिंह अमित नारागी सुभाष सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे जिसमे सभी लोगो ने मुजफ्फरपुर से बड़ी संख्या मे पटना पहुंचने का आश्वासन दिया सौर्य दिवस पर शाम मे तीन बजे विशेष आकर्षण भारतीय वायु सेना का नौ लड़ाकू विमान दस्ता का सूर्य किरण का सौर्य प्रदर्शन पटना मे किया जायेगा।

डीएमई मीडिया स्कूल ने आयोजित किया मीडिया कनेक्ट एचआर कॉन्क्लेव 2025 - एआई युग में भर्ती का नया परिदृश्य

मीडिया और एचआर विशेषज्ञों ने एआई के बढ़ते प्रभाव और भविष्य के कार्यबल की तैयारी पर चर्चा की

नई दिल्ली, (आरएनएस)। डीएमई मीडिया स्कूल ने अपने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहयोग से मीडिया कनेक्ट एचआर कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का विषय था "एआई युग में भर्ती परिदृश्य", जिसमें मीडिया और एचआर क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है, भविष्य में किन कौशलों की जरूरत होगी और कैसे तकनीक और मानवीय क्षमताओं के बीच संतुलन बनाए रखा जा सकता है।

कॉन्क्लेव की शुरूआत मीडिया कनेक्ट की सह-संयोजक, सुश्री गरिमा जैन द्वारा गणमान्य अतिथियों और पैनलिस्टों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद, डीएमई मीडिया स्कूल की एचओडी, डॉ. पारुल मेहरा ने अपने उद्घाटन भाषण में मीडिया उद्योग में एचआर की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भले ही एआई भर्ती प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बना रहा है, लेकिन नैतिक मूल्यों, आलोचनात्मक सोच और रचनात्मकता की जरूरत हमेशा बनी रहेगी।चर्चा के दौरान, पीटीआई की वरिष्ठ एचआर मैनेजर, श्वेता सिंह ने एक दिलचस्प आंकड़ा साझा किया कि 64% कंपनियां भर्ती के लिए एआई का उपयोग कर रही हैं, जबकि 24% कंपनियां मानती हैं कि एआई नौकरियों के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारिता में एआई से तैयार की गई स्क्रिप्ट पूरी तरह विश्वसनीय नहीं होती, इसलिए मौलिक रिपोर्टिंग और मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता बनी रहेगी।

मीडिया कनेक्ट एचआर कॉन्क्लेव 2025 ने यह स्पष्ट कर दिया कि एआई की प्रगति के बावजूद, मानवीय रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और नैतिक निर्णय लेने की क्षमता का महत्व कभी कम नहीं होगा। डीएमई मीडिया स्कूल ने एक बार फिर शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने की अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध किया, जिससे छात्रों को बदलते तकनीकी परिदृश्य में सफल करियर के लिए तैयार किया जा सके।

खेरागढ़ में ABVP कार्यकर्ताओ का होली मिलन समारोह हुआ सम्पन्न

ब्रज की होली रे रसिया ओर झूम उठे ABVP कार्यकर्ता...

एस. शेरवानी (ब्यूरो चीफ)

खेरागढ़/आगरा। अखिल भारतीय विद्यर्थी परिषद आगरा जिले का होली मिलन समारोह खेरागढ़ स्थित पूरन चंद रमेश चंद सरस्वती विद्या मंदिर खेरागढ़ परआयोजित किया गया। समारोह में सांस्कृतिक नृत्य भी हुए। राधा-कृष्ण के स्वरूपों ने नृत्य कर जमकर सभी के साथ फूलों की होली खेली। गायकारो ने आज ब्रज की होली रे रसिया पर सभी कार्यकर्ता झूम उठे।

मुख्य अतिथि क्षेत्रीय संगठन मंत्री मनोज नीखरा उपस्थित रहे। क्षेत्रीय संगठन मंत्री मनोज नीखरा ने कहा होली का त्योहार भक्त प्रहलाद के ईश्वर की प्रति अनन्य भक्ति और बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है। हर वर्ष होली के इस होली मिलन समारोह का आयोजन करना और वर्तमान पूर्व एवं सामाजिक कार्यकताओं का ये अनोखा संगम हम अभाविप के होली मिलन समारोह में देखते हैं। समारोह में सभी कार्यकताओं ने मिलजुलकर फूलों की होली खेली खेली ओर एक दूसरे को बधाई दी।

इस दौरान जिला प्रचारक जितेंद्र, जिला संगठन मंत्री रजत जोशी, जिला प्रमुख ब्रजेश चतुवेर्दी, विभाग संयोजक दीपक कश्यप, पूर्व राष्ट्रीय मंत्री राहुल चौधरी, मोहित सिकरवार प्रांत सह एग्रीविजन संयोजक, गिर्राज कुशवाहा, सुधीर गर्ग गुड्डू चेयरमैन, दिनेश गोयल, मेघराज सोलंकी, मनीष तोमर, सांसद मीडिया प्रभारी सचिन गोयल, राहुल जोशी, दिव्यांशी शर्मा, नीति कटियार, भरत सिंह सोलंकी, भूप सिंह इंदौलिया, शुभम कश्यप राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, शुभ शर्मा तहसील संयोजक, भूपेन्द्र चाहर, आकाश नगर प्रचारक, सौरभ नगर प्रचारक आदि लोग उपस्थित रहे।

बहार में विधि व्यवस्था चौपट : सीपीआई

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि बिहार में विधि व्यवस्था चौपट हो गई है। बिहार में लगातार अपराध बढ़ रहा है जो काफी चिंतनीय है। समस्तीपुर में साम्प्रदायिक तनाव पैदा की गई है। इन्होंने इस घटना की तीखी निन्दा करते हुए दोषी व्यक्तियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि हाल के दिनों में बैंक लूट, दुकानों में लूट, हत्या, अपहरण, बलात्कार, चोरी, छिनतई आदि की घटनाओं में काफी इजाफा हुआ है। समस्तीपुर में साम्प्रदायिक तनाव पैदा किया गया तो भोजपुर में पिता-पुत्री की हत्या कर दी गई। दरभंगा में दस वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। दो पुलिस अवर निरीक्षक की हत्या कर दी गई।

संक्षिप्त खबरें

रामनवमी ईद एवं सरहुल को लेकर पदमा ओ पी परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

सता की खोज सवंददाता सुबोध दास

पदमा ओ पी परिसर में आज रामनवमी ईद एवं सरहुल को लेकर अंचलाधिकारी मोतीलाल हेंब्रम की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई 'बैठक का संचालन थाना प्रभारी राणा भानु प्रताप सिंह ने किया ' बैठक में पदमा अंचल अधिकारी ने ईद एवं रामनवमी त्योहार मिलजुलकर आपसी शांति सद्भाव के साथ मानने को कहा ' थाना प्रभारी ईद एवं रामनवमी की जानकारी लेते हुए सरकार के दिशा निदेशों का पालन करते हुए रामनवमी की झांकी जुलूस निकालना एवं मेला लगाने को कहा, उन्होंने डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, शराबबंदी लागू करने को कहा ' .उन्होंने कहा प्रशासन हमेशा सहयोग में रहेगा, बैठक में पिंडा कोन मुखिया सुनीता देवी, सरैया पंचायत मुखिया शांति देवी, समाजसेवी संदीप सिंह, भाजपा वरिष्ठ नेता अजय मेहता, सतेंद्र गुप्ता, रामानंद गिरी, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष गौतम कुमार मेहता, कमांडो मेहता, मुखिया विजय मेहता, उप मुखिया अजय कुमार मेहता, मोहम्मद सुल्तान खान, मोहम्मद शकूर मियां, मोहम्मद लतीफ मियां, मोहम्मद सरवर, नजीर अहमद, मोहम्मद नईम अंसारी, पंचायत समिति सदस्य कामेश्वर मेहता, उपेंद्र पाठक, पीरु मेहता, राजकुमार मेहता, जगदीश यादव अशोक राणा अशोक केसरी, मिनेश्व 'प्रसाद मेहता, प्रमोद यादव, राजेश मेहता सहित सैकड़ो ग्रामीण एवं विभिन्न पूजा कमेटी के लोग शामिल रहे '

भाजपा नेता डॉक्टर नरेश महतो एवं कंचन यादव एवं मीडिया बंधु अरुण यादव हॉस्पिटल का समीक्षा करते नजर आए

दैनिक सत्ता की खोज संवाददाता कीर्तन कुमार प्रखंड केरेडारी जिला हजारीबाग झारखंड

केरेडारी स्वास्थ केंद्र में अचानक पेशेंट आया पति के सदमे में सरिता देवी एवं भाई के सदमे में सरिता देवी 1 घंटे से बेहोश परिजनों के द्वारा लाया गया स्वास्थ्य केंद्र डॉ शिवेनद्र कुमार सिंह चिकित्सा प्रभारी एवं नर्स भारती कुमारी रुक्मणी कुमारी के द्वारा घंटो संघर्ष करने के बाद होश आया सारा दवाई अस्पताल में ही व्यवस्था मिला। इसका जानकारी मिलते ही भाजपा नेता डॉक्टर नरेश महतो एवं कंचन यादव एवं मीडिया बंधु अरुण यादव हॉस्पिटल का समीक्षा करते नजर आए।

रांची में दिनदहाड़े हत्याः लोकहित अधिकार पार्टी ने की कड़ी निंदा, मुआवजे की मांग

सत्ता की खोज प्रतिनिधि

बड़कागांव लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुनील साहू के निदेशानुसार प्रधान महासचिव कुंज बिहारी साव ने रांची रवि स्टील में दिनदहाड़े भूपाल साहू की गला रेत कर हत्या की निंदा की। उन्होंने सरकार और कानून व्यवस्था को लचर बताते हुए अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी और मृतक के परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग की। रवि स्टील जाम को सफल बनाते हुए, डीएसपी के आदेशानुसार, 20 लाख रुपये का मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की सहमति बनी। इस विरोध प्रदर्शन में राष्ट्रीय तेली साहू महा संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष हरि नाथ साहू, अशोक साव और रवि स्टील के ग्रामीण जनता शामिल रहे।

एनएमएल कोयला खनन परियोजना ने प्रभावित गाँव में चलाया बर्तन वितरण कार्यक्रम

सत्ता की खोज प्रतिनिधि

बड़कागांव। एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने शुक्रवार को परियोजना प्रभावित सिंदवारी गाँव के विस्थापित जो अब कुंडलीबागी में बस गए हैं उनके बीच एक विशेष बर्तन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के तहत सिंदवारी से विस्थापित होकर कुंडलीबागी में बसे 56 परिवारों को कुल 10 प्रकार के बर्तन प्रदान किए गए।

इस वितरण में हॉटपॉट, वाटर फिल्टर, मिक्सर, प्रेशर कुकर, चकला, बेलन, मसाला बॉक्स, स्टील ग्लास, रोटी तवा और चिमटा जैसे बर्तन शामिल थे। विस्थापित ग्रामीणों ने इन बर्तनों को पाकर खुशी जाहिर की और एनटीपीसी को धन्यवाद दिया। इससे पहले भी पकरी बरवाडीह परियोजना के द्वारा नगडी से विस्थापित होकर सुल्ताना में बसे 78 विस्थापित परिवारों को भी रसोई से संबंधित बर्तन वितरित किए गए थे। इस अवसर पर सीएसआर विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक कमला राम रजक और कार्यपालक रजनीश कुमार भी उपस्थित थे। उन्होंने इस पहल को परियोजना प्रभावित समुदाय की बेहतर जीवनशैली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और इस तरह के सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। एनटीपीसी की यह पहल विस्थापित परिवारों की जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नाम नहीं काम में बहादुरी होना चाहिए, स्टालिन पर विजय ने साधा निशाना

बीजेपी से पूछा- क्या आपको तमिलनाडु से एलर्जी है

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने पार्टी की पहली आम सभा में अपने भाषण में द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) और भाजपा पर सीधा हमला किया, साथ ही 2026 के तमिलनाडु चुनावों को टीवीकेऔर डीएमके के बीच सीधी लड़ाई बताया। विजय ने सवाल किया राजनीति क्या है? क्या यह मानना है कि सभी को अच्छी तरह से जीना चाहिए, या यह सोचना है कि केवल एक परिवार को अच्छी तरह से जीना चाहिए? उन्होंने सत्तारूढ़ डीएमके पर उनकी पार्टी के कार्यक्रमों और बैठकों में बाधा डालने का आरोप लगाया। हमने अपने कैडर से मिलने के लिए सभी बाधाओं को पार कर लिया है। हम अपने कैडर से मिलते रहेंगे, सभी बाधाओं को पार करते हुए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की तीखी आलोचना करते हुए विजय ने पहली बार सीधे तौर पर उनका नाम लिया। माननीय मुथुवेल करुणानिधि

स्टालिन, आपके नाम में बहादुरी होना ही काफी नहीं है। आपको इसे अपने काम में भी दिखाना चाहिए। उन्होंने डीएमके सरकार को फासीवादी सरकार से कम नहीं बताया।

विजय ने राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी निशाना साधा। राज्य में कानून व्यवस्था नहीं है। भ्रष्टाचार बहुत है। अगर आपने सरकार अच्छे से चलाई होती तो महिलाओं को सुरक्षा मिलनी चाहिए थी। महिलाओं के साथ हो रही भयानक घटनाओं के बारे में हम बात भी नहीं कर सकते। और आप गर्व से कहते हैं कि हर कोई आपको 'अप्पा' कहता है। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए विजय ने उस पर डीएमके को गुप्त रूप से मदद करने का आरोप लगाया। वोटों के लिए डीएमके चुनाव के दौरान कांग्रेस का पक्ष ले रही है। घोटालों के लिए डीएमके गुप्त रूप से भाजपा का पक्ष ले रही है।

उन्होंने तमिलनाडु के साथ भाजपा के व्यवहार पर सवाल उठायाः क्यों जी, क्या आपको तमिलनाडु से एलर्जी है? आप राज्य का जीएसटी लेते हैं, लेकिन तमिलनाडु को फंड नहीं देते। आप शिक्षा के लिए फंड नहीं दे रहे हैं, बल्कि तीन-भाषा नीति लागू कर रहे हैं। उन्होंने परिसीमन पर चिंताओं को भी संबोधित किया और भाजपा को चेतावनी दी, परिसीमन के नाम पर आप तमिलनाडु की सीटें छीन रहे हैं।

मोदी सर, जब आप वन नेशन वन इलेक्शन योजना लेकर आए थे, तो हमें आपकी योजना और आप राज्य को किस दिशा में ले जाना चाहते थे, यह पता था। तमिलनाडु को सावधानी से संभालिए, मोदी सर। तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है जिसने कई लोगों को बुरा व्यवहार दिया है। सावधान रहें।

अब रेस्टोरेंट में खाने के बिल के साथ नहीं लगेगा सर्विस चार्ज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि ग्राहकों द्वारा भोजन के बिल पर सेवा शुल्क का भुगतान स्वैच्छिक है और इसे रेस्तरां या होटलों द्वारा अनिवार्य नहीं बनाया जा सकता है, साथ ही कहा कि इसे अनिवार्य रूप से वसूलना अनुचित व्यापार व्यवहार है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के दिशा-निर्देशों को चुनौती देने वाली रेस्तरां संघों द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया, जो होटलों और रेस्तरां को भोजन के बिल पर सेवा शुल्क अनिवार्य करने से रोकते हैं। हाई कोर्ट ने सीसीपीए दिशानिर्देशों को चुनौती देने वाले रेस्तरां संघों पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया। उच्च न्यायालय ने सीसीपीए के दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा और कहा कि प्राधिकरण केवल एक सलाहकार निकाय नहीं है और

उसके पास अनुचित व्यापार प्रथाओं की रोकथाम और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशा-निर्देश जारी करने का अधिकार है। सीसीपीए ने 2022 में दिशा-निर्देश जारी किए, जिसमें निर्देश दिया गया कि रेस्तरां स्वचालित रूप से या डिफॉल्ट रूप से भोजन बिल में सेवा शुल्क नहीं जोड़ सकते हैं, न ही इसे किसी अन्य नाम से छिपाया जा सकता है। उउढअ ने कहा कि होटल और रेस्तरां को उपभोक्ताओं को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए मजबूर करने से भी प्रतिबंधित किया गया है।

क्लोजर रिपोर्ट से बड़ा खुलासा

दिशा सालियान के पिता का चल रहा था कहीं और अफेयर, विश्वासघात के कारण हुई आत्महत्या

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अपनी मौत के करीब पांच साल बाद, सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान की मौत का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। उनके पिता द्वारा चौंकाने वाले दावे किए जाने के बाद, उनकी मौत के मामले में क्लोजर रिपोर्ट ने सबका ध्यान खींचा है। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिशा सालियान के मामले में क्लोजर रिपोर्ट में उनकी मौत के पीछे कई कारणों का खुलासा हुआ है, जिसमें उनके पिता सतीश सालियान द्वारा विश्वासघात भी शामिल है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि दिशा सालियान कुछ असफल प्रोजेक्ट और दोस्तों के साथ गलतफहमियों के कारण परेशान थीं। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि उनके पिता ने उनके द्वारा दिए गए फंड का दुरुपयोग किया। मिड-डे की रिपोर्ट में उनके द्वारा ठाणे में मसाला बनाने वाली अपनी यूनिट में एक महिला कर्मचारी पर पैसे खर्च करने का उल्लेख है। दिशा सालियान की मौत के मामले में मालवानी पुलिस द्वारा व्यापक जांच की गई और 4 फरवरी, 2021 को क्लोजर रिपोर्ट दायर की गई। यह निष्कर्ष निकाला गया कि उनकी मौत आत्महत्या से हुई। मिड-डे के अनुसार, क्लोजर रिपोर्ट में लिखा है, 'सभी ने कहा

कि सालियन व्यवसाय और पारिवारिक मुद्दों के कारण तनाव में थी।

वह कॉर्नरस्टोन कंपनी में एक सेलिब्रिटी मैनेजर के रूप में काम कर रही थी, और वह जिन दो परियोजनाओं को संभाल रही थी, उनमें से दो ठप हो गई थीं, जिससे वह परेशान थी। सालियन के सभी दोस्तों और उसके मंगेतर रॉय ने भी अपने पुलिस बयानों में कहा कि उसने अपने पिता के अफेयर के बारे में उन्हें बताया था और कैसे उसने उसे व्यवसाय के लिए दिए गए पैसे दूसरी महिला पर खर्च कर दिए थे।

इससे वह बहुत दुखी हुई।' अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान के पिता ने बृहस्पतिवार को मुंबई पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी से मुलाकात की और 2020 में सालियान की मौत के संबंध में शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे तथा अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए दी गई उनकी लिखित शिकायत पर कार्रवाई की मांग की।

दिशा की हत्या का दावा करने और अपराध को छिपाने का आरोप लगाने वाले सतीश सालियान ने अपने अधिवक्ताओं के साथ दक्षिण मुंबई स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में अपराह्न करीब तीन बजे संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) से मुलाकात की। दिशा सुशांत सिंह राजपूत की सेलिब्रिटी मैनेजर हुआ करती थीं। हाल ही में, दिशा सालियन के पिता ने मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें उनकी मौत के मामले में आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया, सोराज पंचोली और अन्य जैसे कई हाई-प्रोफाइल नामों के खिलाफ जांच की मांग की गई थी। मुलाकात के दौरान सतीश सालियान और उनके अधिवक्ताओं ने मंगलवार को पुलिस अधिकारी को सौंपी गई शिकायत में नामित व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के मुद्दे पर चर्चा की। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं आज ही 'नार्को' परीक्षण करवाने के लिए तैयार हूं।

नागपुर हिंसा के 2 और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नागपुर हिंसा के 10 दिन बाद पुलिस ने इस मामले में तीसरे बड़े आरोपी फैजान खतीब को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक खतीब ही वह शख्स है जिसने शहर में सांप्रदायिक तनाव के दौरान भीड़ को उकसाया था। फैजान के साथ ही पुलिस ने इस मामले में शाहबाज काजी को भी गिरफ्तार किया है। अकोला में अकेले रहने वाला खतीब एक महीने पहले ही रमजान के लिए अपने गृहनगर नागपुर आया था। फैजान खतीब को नागपुर हिंसा में मास्टरमाइंड फहीम खान और माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हामिद इंजीनियर के बाद तीसरी बड़ी गिरफ्तारी बताया जा रहा है। इससे पहले 19 मार्च को नागपुर दंगों के पीछे मास्टरमाइंड के रूप में पहचाने जाने वाले फहीम खान को गिरफ्तार कर लिया गया था। सने औरंगजेब की कब्र पर पवित्र कपड़ा जलाए जाने की झूठी अफवाह फैलाई, जिससे हिंसा भड़क उठी।

'विदेश में ममता ने किया देश का अपमान'

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में बंगाल सीएम के बयान पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने शुक्रवार को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक विरोध प्रदर्शन को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा, जहां प्रदर्शनकारियों के एक गुस्साए समूह ने हिंदुओं और महिलाओं के खिलाफ कथित हिंसा के लिए उनकी निंदा करते हुए नारे लगाए। मालवीय ने दावा किया कि बनर्जी अपने सामान्य रूप की विनम्र छाया प्रतीत होती हैं और उन्होंने पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का आह्वान करते हुए कहा कि अगर राज्य मशीनरी और पुलिस के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया गया तो उन्हें वोट से बाहर कर दिया जाएगा। भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि हमने पहले भी कहा था कि जब वह ब्रिटेन के किसी विश्वविद्यालय में बोलने जाएंगी तो उन्हें आरजी कर कॉलेज में जो हुआ उसका जवाब देना होगा। वहां के लोग यहां सवाल करेंगे। केंद्रीय मंत्री

गिरिराज सिंह ने कहा कि सच्चाई को छिपाना और भारत का अपमान करना, दोनों ही काम ममता बनर्जी ने किए हैं। आज पूरी दुनिया हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था को देख रही है और उसका सम्मान कर रही है। लेकिन दुर्भाग्य से, जब ममता बनर्जी और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' विदेश जाते हैं, तो वे भारत का अपमान करते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने कहा कि राहुल गांधी की तरह ममता बनर्जी भी भारत विरोधी एजेंडे के साथ विदेश गईं। ममता बनर्जी जैसे लोगों की राजनीति इस पर है कि कैसे बांग्लादेशियों को बंगाल और देश में घुसने दिया जाए, कैसे उन्हें आधार कार्ड दिए जाएं। उन्होंने वहां दिखा दिया है कि वह भारत विरोधी हैं। भाजपा सांसद सौमित्र खान ने कहा कि भारत विरोधी होना ममता बनर्जी की संस्कृति बन गई है। उन्होंने भारत के लिए कभी कुछ नहीं किया। वह घुसपैठियों के आने से देश को खतरे में डाल रही हैं। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता जब भी विदेशी धरती पर जाते हैं तो भारत को गाली देते हैं। राहुल गांधी का देश के खिलाफ बोलने का इतिहास रहा है और अब ममता बनर्जी भी राहुल गांधी के नक्शेकदम पर चल रही हैं। यह बहुत स्पष्ट है कि इंडिया गठबंधन के नेता देश की प्रगति से नफरत करते हैं और सांप्रदायिक राजनीति में केवल वोट बैंक पर विश्वास करते हैं। यही कारण है कि उन्हें देश की जनता ने लगातार नकारा है और वे नकारे जाएंगे, चाहे बंगाल हो या आने वाले 2029 में। भारत प्रगति चाहता है और प्रगति का मतलब है पीएम मोदी के नेतृत्व में।

विवादित पादरी बजिंदर यौन उत्पीड़न और रेप केस में दोषी करार, 1 अप्रैल को होगा सजा का ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मोहाली की एक विशेष POCSO अदालत ने 2018 के जीरकपुर यौन उत्पीड़न और बलात्कार मामले में विवादास्पद पादरी बजिंदर सिंह को दोषी ठहराया है। अदालत 1 अप्रैल को उनकी सजा का ऐलान करेगी। सिंह शुक्रवार को छह अन्य आरोपियों के साथ अदालत में पेश हुए। हालांकि, सबूतों के अभाव में पांच सह-आरोपियों को बरी कर दिया गया। यह मामला 2018 का है जब जीरकपुर की एक महिला ने बजिंदर सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उसे जुलाई 2018 में

लंदन जाने वाली फ्लाइट में सवार होने की कोशिश करते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया था। जीरकपुर पुलिस ने चमत्कार के जरिए बीमारियों को ठीक करने का दावा करने वाले बजिंदर सिंह के खिलाफ पीड़िता की शिकायत के आधार पर छह अन्य लोगों के साथ एफआईआर दर्ज की थी।

अन्य आरोपियों में अकबर भट्टी, राजेश चौधरी, सुच्चा सिंह, जतिंदर कुमार, सितार अली और संदीप उर्फ पहलवान शामिल थे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार), 420 (धोखाधड़ी), 354 (शील भंग करना), 294 (अश्लील कृत्य), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 506 (आपराधिक धमकी), 148 (दंगा) और 149 (अवैध रूप से एकत्र होना) के तहत मामला दर्ज किया है। चार्जशीट के अनुसार, ताजपुर गांव में चर्च ऑफ ग्लोरी एंड विजडम के पादरी बजिंदर सिंह ने जालंधर में एक नाबालिग लड़की का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया।

'आगरा की घटना की आड़ में सपा अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना बंद करे'

मायावती का अखिलेश यादव की पार्टी पर निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हाल ही में हुई आगरा की घटना ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में फिर से उबाल ला दिया है। करणी सेना के कार्यकताओं ने समाजवादी सांसद रामजीलाल सुमन के घर पर जमकर तोड़फोड़ की है। अब समाजवादी पार्टी पर मायावती ने भी निशाना साधा है।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा आगरा की घटना की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना बंद करे।

बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को 'एक्स' पर सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व की सरकार में हुई एक घटना की याद दिलाते हुए पोस्ट में कहा, ''आगरा की घटना के साथ-साथ सपा मुखिया को इनकी (सपा की) सरकार में दो जून 1995 को लखनऊ स्टेट गेस्ट हाऊस कांड में इस पार्टी द्वारा मेरे ऊपर कराया गया जानलेवा हमला भी जरूर याद कर लेना चाहिए तथा इसका पश्चताप भी जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अतः आगरा घटना की आड़ में अब सपा अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना बंद करे तथा आगरा की घटना की तरह यहां दलितों का उत्पीड़न और ज्यादा न कराये।'' राज्यसभा में हाल ही में राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी करते हुए सपा के रामजीलाल सुमन ने उन्हें ''गद्दार'' कहा था। इसके विरोध में करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को आगरा स्थित सांसद सुमन के आवास पर तोड़फोड़ की थी।

सुमन के आवास पर हमले के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने हिंसा की निंदा की और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि सपा राणा सांगा की बहादुरी पर सवाल नहीं उठा रही है और दावा किया कि हमला ''सुमन के दलित होने के कारण'' हुआ।

एके एंटनी की सलाह पर मलयालम सीख रही हैं प्रियंका गांधी, रखा एक ट्यूटर, खुद वायनाड में किया खुलासा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के वडक्कनद इलाके में आदिवासी बस्ती में एक नए सांस्कृतिक केंद्र के उद्घाटन के मौके पर बताया कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन मलयालम सीख रही हैं। उन्होंने कहा कि वायनाड में अपने चुनाव (प्रचार) के दौरान मैंने (पूर्व मुख्यमंत्री) एके एंटनी से बात की और उन्होंने मुझे एक सलाह दी। कि मुझे मलयालम सीखने की जरूरत है। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मुझे एक शिक्षक मिल गया है और अब मैं थोड़ा-बहुत बोल सकती हूं। प्रियंका वाड्रा वायनाड की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।

उन्होंने दिसंबर 2024 में लोकसभा सीट के उपचुनाव में भारी अंतर से जीत हासिल की है। उन्होंने 50 एकड़ के कट्टुनायका उन्नति सांस्कृतिक केंद्र के बारे में कहा कि यह आपकी भलाई के लिए है।

'टीवीके और डीएमके के बीच होगी 2026 की लड़ाई'

तमिलनाडु चुनाव से पहले एक्टर विजय का ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलगा वेत्री कझगम ने शुक्रवार को चेन्नई में अपनी पहली आम परिषद की बैठक आयोजित की, जिसके दौरान पार्टी के प्रमुख अभिनेता विजय ने कहा कि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव टीवीके और डीएमके के बीच होंगे। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने अपनी पार्टी की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त दिखे, क्योंकि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को सत्ता की दौड़ से बाहर रखा। उन्होंने कहा, "2026 में लड़ाई केवल दो के बीच होगी। एक टीवीके और दूसरी डीएमके। तमिलनाडु को अगले साल एक ऐसे अलग चुनाव का सामना करना पड़ेगा, जिसका सामना तमिलनाडु ने अब तक नहीं किया है।"

टीवीके प्रमुख ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर भी निशाना साधा और कथित तौर पर कानून

व्यवस्था में गिरावट और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि के लिए उन्हें आड़े हाथों लिया। विजय ने कहा, "आप अपने शासन के बारे में सुनकर ही इतने क्रोधित क्यों हो जाते हैं?

अगर आपने सही तरीके से शासन किया होता, तो महिलाओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था ठीक होती। मैं महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के बारे में बात नहीं कर सकता।"

विजय ने प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास पर भी अपनी आपत्ति जताई और केंद्र सरकार पर संसद में तमिलनाडु की सीटों को कम करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। विजय ने पार्टी की बैठक के दौरान कहा, "परिसीमन के नाम पर आप (केंद्र सरकार) तमिलनाडु की संसद की सीटों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।"

नगलपालिका आम निर्वाचन - 2025 के निमित्त मतदान केंद्रों की सूची का प्रारूप त्रुटिनिराकरण कर प्रकाशित कर दी गई है

नगरपालिका आम निर्वाचन- 2025 के निमित्त हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत मतदान केंद्रों की सूची का प्रारूप/अंतिम प्रकाशन विहित प्रपत्र अ तथा नक्शा में बिंदुवार त्रुटिनिराकरण करते हुए कर दी गई है। सभी वार्ड के प्रपत्र अ में मतदान केंद्र संख्या में आवश्यक सुधार किया गया है। सभी वार्ड के नक्शा में मतदान केंद्र भवन को दशार्या गया है। सभी वार्ड के प्रपत्र अ में क्रमांक 1 से 4 (कुल मतदाताओं की संख्या एवं मतदान केंद्रों की संख्या/औसत मतदाताओं की संख्या एवं मतदान केंद्र भवनों की संख्या) अंकित किया गया है। वार्ड संख्या 12, 21, 22, 30 एवं 31 के प्रपत्र अ में मतदान केंद्र का क्षेत्र विस्तार/मोहल्ला प्रपत्र 01 (गजट) के रूप सुधार किया गया है।

सत्ता की खोज
पटना, शनिवार, 29 मार्च 2025

संक्षिप्त खबरें

अमर वीर शहीद नीलांबर पीतांबर स्वाभिमान, संघर्ष और स्वतंत्रता के प्रतिक हैं: मंत्री योगेन्द्र प्रसाद

सत्ता की खोज संवाददाताः दीपक

गोमिया। राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री योगेंद्र प्रसाद शुक्रवार को तेनुघाट स्थित शहीद पार्क में नीलाम्बर-पीताम्बर प्रतिमा स्थल में अमर वीर शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर के 167 वें शहादत दिवस समारोह में शामिल हुए। मौके पर उन्होंने नीलाम्बर-पीताम्बर की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पाजंलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने वीर शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि नीलाम्बर और पीताम्बर केवल दो नाम नहीं हैं, बल्कि वे स्वाभिमान, संघर्ष और स्वतंत्रता के प्रतीक हैं। जब अंग्रेजी हुकूमत अपने अन्यायपूर्ण कानूनों और शोषणकारी नीतियों से अत्याचार कर रही थी, तब इन वीर सपूतों ने विद्रोह का बिगुल फूंका। उन्होंने अपने समाज के हक और सम्मान के लिए संघर्ष किया और अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति दे दी। उनका बलिदान हमें यह सिखाता है कि अन्याय के सामने झुकना नहीं चाहिए, बल्कि संगठित होकर उसका प्रतिकार करना चाहिए।

संस्था के नाम पर अफीम की खेती व कब्जा के सवाल पर मुखिया ने किया खंडन

सत्ता की खोज संवाददाता

चतरा : हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के नावाडीह पंचायत मुखिया बसंती पन्ना ने शुक्रवार को पत्रकारों के सवाल पर अपने पति पर लगाया गया आरोप को बेबुनियाद बताई है। उन्होंने कहा कि मेरे पति की छवि धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। मेरे पति शुरू से ही अफीम की खेती के खिलाफ हैं, वहीं जमीन पर कब्जा का आरोप भी बेबुनियाद है, और संस्था अनाथ बच्चों के लिए है, जिसके प्रति हमेशा तत्पर रहीं हूं और भविष्य में भी तत्पर रहूंगी। कुछ चंद लोगों के द्वारा मेरे पति की छवि को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है, तथा लगाए गए सभी आरोप पुरी तरह से निराधार है।

हुसैनाबाद विधायक के सौजन्य से 63 केवीए का ट्रांसफार्मर मिला

संवाददाताः सत्ता की खोज
हुसैनाबाद पलामू

हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हरिहरगंज प्रखंड के ग्राम कुलहिया में 25 kVA का ट्रांसफार्मर जल गया था जिसके कारण ग्रामीणों को रात में बहुत मुश्किल का सामना करना पड़ रहा था, आज दिनांक 28/03/2025 को राजद प्रदेश अध्यक्ष सह हुसैनाबाद-हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री संजय कुमार सिंह यादव जी के सौजन्य से ग्रामीणों को 25kVA के जगह 63kVA का ट्रांसफार्मर का व्यवस्था कराया गया। इस पहल से ग्रामीणों में खुशी की लहर है।

बिजली को दुरुस्त करने को लेकर आज सुबह 10:00 से दोपहर 2:00 तक बिजली बंद

रामनवमी में बिजली बाधित नहीं हो जिसे लेकर आज शनिवार को सुबह 10:00 से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक बिजली बंद रहेगी। उक्त आशय जानकारी बड़कागांव एवं केरेडारी के कनीय अभियंता प्रदीप प्रजापति ने देते हुए कहा कि रामनवमी को देखते हुए डेमोटांड़ से लेकर बड़कागांव तक बिजली दुरुस्त करने के लिए मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। सुबह 10:00 से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक बिजली बंद रहेगी। 2:00 के बाद ही बिजली बहाल कर दी जाएगी।

उपायुक्त का लगा जनता दरबार, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुचे फरियादी

उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने हेतु अनुरोध किया। जनता दरबार में आये समस्याओं का आवेदन प्राप्त कर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का निर्देश दिया।

जनता दरबार में चौपारण से सीता राम पांडे ने अपने खतियान जमीन का रसीद निर्गत करने को लेकर उपायुक्त के समक्ष अनुरोध किया, मुसफ्फिल थाना क्षेत्र से शिव शंकर साव ने अधिग्रहण भूमि का मुआवजा दर से कम भुगतान करने एवं शेष जमीन का बगैर अधिग्रहण किये राष्ट्रीय राज्य मार्ग का चौड़ीकरण के लिए मकान एवं जमीन को जबरन लेने के सम्बंध में, खिरगांव से सोनू कुमार साव ने उपलब्ध जमाबन्दी की प्रतिविष्ठ जाँच कर रद्द किए जाने के सम्बंध में, चुरचू से अनिता देवी ने प्रधानमंत्री आवास के काम में कुछ लोगों द्वारा बाधित करने के सम्बंध में, कनहरी रोड़ हजारीबाग से रूपेश कुमार ने पुराने समाहरणालय गेट स्थित दुकान आवंटित किए जाने के सम्बंध में, काजी मुहल्ला से मो. अकबर अली ने पड़ोसियों द्वारा जबरन घर से निकालने की धमकी देने, इचाक के भीम महतो ने ट्राइसाइकिल के सम्बंध, चुटियारो पंचायत से सन्तोष पांडे ने जनवितरण प्रणाली दुकानों को फिर से शुरू करने के सम्बंध में उपायुक्त से गुहार लगाई। इन सभी आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते सूचित करने का निर्देश दिया। आज के जनता दरबार में मुख्य रूप से जमीन संबंधी, जमीन हड़पने, जनवितरण प्रणाली आदि से सबंधित कई आवेदन आये, जिसे उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर निर्धारित समय सीमा के अंदर निष्पादित करने का निर्देश दिया।

अमृत सरोवरों को सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित करने को लेकर डीडीसी ने की बैठक

अमृत सरोवरों को सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित करने एवं मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा को लेकर उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त ने अमृत सरोवरों को सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित करने के संबंध में चर्चा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में डीडीसी ने कहा कि अमृत सरोवरों को सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाना है, जो वर्तमान में जल संसाधन के स्रोत हैं। ये सरोवर सिंचाई, मत्स्य पालन, बत्तख पालन आदि विभिन्न आजीविका संबंधी गतिविधियों का केंद्र है। ये सरोवर सामाजिक मेलजोल के केंद्र के रूप में भी काम कर सकते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा, 15 में वित्त आयोग अनुदान, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जिला खनिज निधि ट्रस्ट, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, रेलवे, सड़क परिवहन, आदि विभिन्न तरह से चल रही योजनाओं के अभिसरण से बजट का प्रबंध किया गया है। जिले में जल संरक्षण, आजीविका के अवसरों और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमृत सरोवरों को स्थाई सामुदायिक केंद्रों के रूप में विकसित करना है। अमृत सरोवरों को सामुदायिक केंद्रों के रूप में विकास करने के लिए जल संरक्षण एवं संग्रहण, आजीविका संवर्धन, सामुदायिक गतिविधियां, वृक्षारोपण एवं जैव विविधता और बुनियादी ढांचे का विकास करना अत्यंत आवश्यक है। सरोवरों को सामुदायिक केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए विशिष्ट गतिविधियां की जा सकती है। उन्होंने सरोवरों के चारों ओर वृक्षारोपण करने के लिए मनरेगा एवं वन विभाग के पदाधिकारी, बागवानी के लिए मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना से करने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने जलग्रहण क्षेत्र उपचार के लिए मनरेगा, जलछाजन, वन विभाग से टीसीबी, ईसीबी एवं खेल के मैदान और चेंजिंग रुम के लिए मनरेगा के तहत वीर शहीद फोटो हो खेल विकास योजना और चेंजिंग रूम के लिए अभिसरण, सिंचाई के लिए जेएसएलपीएस पलाश के स्टेट इरिगेशन एक्जीक्यूशन सेल के माध्यम से सोलर पंप और पाइप नेटवर्क की व्यवस्था करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया।

पोषण वाटिका के लिए मनरेगा के तहत दीदीबाड़ी योजना से, अमृत सरोवर तक पहुंच एवं अन्य रास्ते के लिए मनरेगा के तहत मिट्टी मोरम करने एवं मत्स्य, बत्तख पालन के लिए मत्स्यपालन और पशुपालन विभाग से करने का निर्देश दिया। जल उपयोगकर्ता समूह की क्षमता निर्माण के लिए जेएसएलपीएस पलाश के तहत स्वैच्छिक संगठनों या किसी स्थानीय सीएसओ/ एनजीओ के समर्थन से करने का निर्देश दिया। पेवर ब्लॉक, बेंच और आसपास के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण के लिए जिले में उपलब्ध यूनाइटेड फंड के माध्यम से करने का निर्देश दिया। उन्होंने बैठक में मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाओं का भी समीक्षा की। बैठक में उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद के अलावे डीआरडीओ निदेशक मां देवप्रिया, सभी बीडीओ, सभी बीपीओ सहित कई अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

पीएलवी ने महिलाओं के बीच साइबर क्राइम को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

सत्ता की खोज संवाददाता

चतरा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तारकेश्वर दास के निदेर्शानुसार प्रखंड कार्यालय पीएलवी सह अधिकार मित्र कुमार विवेक रंजन एवं सरयु यादव के द्वारा शुक्रवार को साइबर क्राइम को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान उपस्थित महिलाओं को फ्रॉड कॉल एवं ओटीपी को लेकर सतर्क किया। लोगों को बताया कि सरकारी कार्यों के लिए कोई भी आपको फ्रॉड कॉल एवं ओटीपी की मांग करता है तो उसे नहीं दें। अनजान व्यक्ति से केवाईसी के नाम पर अंगूठा नहीं लगाएं। घरेलू- हिंसा, डायन- बिसाही, दहेज- उत्पीड़न बाल- मजदूरी, बच्चों का शिक्षा का अधिकार, अटल जीवन बीमा योजना, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दिया गया। इसके अलावे सरकार के द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 15100 पर कानूनी सलाह लेने तथा 112 नंबर पर डायल कर इमरजेंसी में पुलिस से सहायता लेने के लिए लोगों को बताया गया। साथ ही108 नंबर पर कॉल कर चिकित्सीय सहायता लेने के लिये बताया गया। इसके अलावा चाइल्डलाइन हेल्प नंबर 1098 पर डायल कर सहायता लेने की बात बताई गई।

चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने लातेहार सर्किट हाउस में की जनसुनवाई

सत्ता की खोज संवाददाता

चतरा : लोकसभा चतरा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह के द्वारा शुक्रवार को लातेहार सर्किट हाउस में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं को सांसद के समक्ष रखा। जहां सांसद श्री सिंह ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और जनता को न्याय दिलाने के लिए वे सदैव तत्पर रहते हैं और रहेंगे कार्यक्रम के दौरान लातेहार भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, जिला परिषद सदस्य, भाजपा के महामंत्री, मुखिया सहित कई गणमान्य लोगों के अलावे पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थें।

रामनवमी व ईद को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न प्रशासन द्वारा कई दिशा निर्देश

सत्ता की खोज प्रतिनिधि

बड़कागांव। रामनवमी एवं ईद त्योहार को लेकर बड़का गांव थाना परिसर में शांति समिति की विशेष बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल एवं संचालन बड़कागांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने की। बैठक में दोनों समुदाय के लोग शामिल हुए। मौके पर एसडीपीओ पवन कुमार ने कहा कि हाई कोर्ट के निर्देश का पालन करना है, किसी भी हालत में डीजे साउंड नहीं बजाना है। आप चोंगा बजा सकते हैं। ध्यान रहे भड़काऊ गाना किसी हालत में नहीं बजना चाहिए अगर ऐसा होता है तो संबंधित अखाड़े के पदाधिकारी और साउंड संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाएगा। दोनों समुदाय मिलजुल करके त्यौहार को मनाए जिले में बड़का गांव प्रखंड की

विशिष्ट पहचान बनाएं। बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल एवं सीओ मनोज कुमार ने कहा कि भगवान रामचंद्र जी का जन्मदिन लोग आदर्श के साथ मनाएं। कानून को हाथ में लेने वालों पर शख्ती के साथ कार्रवाई की जाएगी। जो भी शिकायत हो तुरंत प्रशासन को जानकारी दें। वहीं थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने कहा कि प्रस्तावित मार्ग से ही जुलूस निकाली जाएगी कोई भी अखाड़ा दूसरे मार्ग का प्रयोग नहीं करेंगे। ऐसा होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी कैमरा और ड्रोन कैमरा से जुलूस एवं छतों की निगरानी की जाएगी। ग्रामीण शरारती तत्वों की पहचान कर पुलिस को तुरंत सूचना दें ताकि उस पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। तमाम सोशल मीडिया ग्रुप में बड़कागांव पुलिस की पैनी नजर है, जो भी भड़काऊ मैसेज डालेंगे उन पर कार्रवाई होगी। वही रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक कुमार सोनी ने प्रखंड वासियों से हर्षोल्लास व शांतिपूर्वक भाई चारगी के साथ रामनवमी मनाने अपील की । किसी भी प्रकार की कोई शिकायत हो तो तुरंत जानकारी दें। वही ग्रामीणों ने तमाम धर्म स्थान पर सीसीटीवी कैमरा लगाने एवं जुलूस की रोज छतों की ड्रोन कैमरा से निगरानी रखने की मांग की है। मौके पर उपस्थित लोगों ने मुख्य रूप से प्रमुख फुलवा देवी, जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी, बीडीओ जितेंद्र कु मंडल, सीओ मनोज कुमार, एसडीपीओ पवन कुमार, इंस्पेक्टर अनिल कुमार, थाना प्रभारी नेमधारी रजक, आशीष भगत, मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार, रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक सोनी, मुखिया मो तकरीमुल्लाह, प्रभु राम, रंजीत चौबे, भीखन महतो, चंदन पूरी, अजीत महतो, दीपक दास, बसदेव यादव, हाजी तबस्सुम, चंदर साव अली रजा, सुरेंद्र कु सोनी, सरोज सोनी, गौतम वर्मा, आदित्य साहू सोनी, खेमलाल महतो, के अलावा अन्य उपस्थित थे।

नजारत उप समाहर्ता ने आधार निगरानी समिति का किया बैठक

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में की बैठक, 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए नया आधार पंजीकरण को लेकर स्टेट पोर्टल के माध्यम से भौतिक सत्यापन का दिया निर्देश

समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभा कक्ष में उपायुक्त निदेशानुसार नजारत उप समाहर्ता सह यूआइडी नोडल पदाधिकारी श्री प्रदीप कुमार ने आधार निगरानी समिति का बैठक किया। जिसमें सभी संबंधित अधिकारी शामिल हुए।बैठक में विभिन्न एजेंडा पर चर्चा करते हुए सभी आयु वर्ग के शतप्रतिशत आधार सैचुरेशन, डाक्युमेंट अपलोड का कार्य, 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए नया आधार पंजीकरण के उपरांत स्टेट पोर्टल के माध्यम से भौतिक सत्यापन कर प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया। नजारत उप समाहर्ता ने प्रखंड स्तर पर (सूचना प्रौद्योनिकी एवं ई-गवर्नेस विभाग) संचालित विभिन्न स्थायी आधार केन्द्रों, पंचायत स्तर पर

संचालित प्रज्ञा केन्द्रों एवं शिक्षा विभाग के माध्यम से संचालित आधार कार्ड निर्माण की जानकारी संबंधित यूआइडी डीपीओ श्री प्रवीण कुमार सुमन से लिया। उन्होंने पोस्टल डिपार्टमेंट के तहत विभिन्न पोस्ट ऑफीस एवं इंडिया पोस्ट पैमेंट बैंक (आइपीपीबी) के माध्यम से संचालित आधार केन्द्रों की भी स्थिति की समीक्षा की। नजारत उप समाहर्ता ने सभी आधार केंद्रों का सत्यापन एवं पर्यवेक्षण का निर्देश दिया ताकि निर्धारित शुल्क से अधिक नहीं लिया जाय। उन्होंने टीम बनाकर भौतिक जांच करने एवं प्रतिवेदन जिला को समर्पित करने का निर्देश दिया। वहीं, 05-07 एवं 15-17 आयु वर्ग वाले लोगों का बायोमैट्रिक अपडेट करने के लिए अभियान चलाने को कहा। शून्य से पांच वर्ष के बच्चों का आधार पंजीकरण को लेकर शिविर लगाने का भी निर्देश दिया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, श्रीमती शिप्रा सिन्हा, जिला परियोजना पदाधिकारी यूआइडी, श्री प्रवीण कुमार सुमन, यूआइडी क्षेत्रीय कार्यालय रांची से अब्दुल कलाम, लीड बैंक मैनेजर, सहायक डाक अधीक्षक हजारीबाग आदि उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से चतरा के राजद नेता सुबोध पासवान ने किया औपचारिक भेंट, स्वास्थ्य की ली जानकारी

सत्ता की खोज संवाददाता

चतरा : झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने अपना इलाज करवाकर दिल्ली से लौटे हैं की जानकारी प्राप्त होते ही उनसे मिलने उनके कार्यालय में चतरा का बेटा कहे जाने वाले राजद नेता इंजी सुबोध पासवान पहुंचे, जहां उन्होंने एक औपचारिक मुलाकात किया और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। वहीं उन्होंने उक्त जानकारियां प्राप्त कर ईश्वर से उनके दीघार्यु जीवन के लिए प्रार्थना किया। दरअसल पिछले सप्ताह झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की तबीयत अचानक से बिगड़ जाने एवं सांस लेने में दिक्कत होने के बाद वे बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रवाना हो गए थें। जहां से इलाज करवाकर वह सकुशल वापस आ गए हैं। और अब उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार बताई जा रही है।

सांसद कालीचरण सिंह ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक के शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि की अर्पित

सत्ता की खोज संवाददाता

चतरा : चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने शुक्रवार को 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक अमर शहीद नीलाम्बर-पिताम्बर के शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लातेहार प्रखंड क्षेत्र स्थित कोने में नीलाम्बर-पिताम्बर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान सांसद श्री सिंह ने कहा कि नीलाम्बर-पिताम्बर ने अंग्रेजों के खिलाफ संग्राम छेड़कर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।

उनका बलिदान हमें राष्ट्रभक्ति, ? साहस और संघर्ष की प्रेरणा देता है। इसके बाद सांसद लातेहार जिले के सरयू में आयोजित नीलाम्बर-पिताम्बर के शहादत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश की आजादी के लिए दिए गए बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इसी क्रम में सांसद श्री सिंह ने पाँकी प्रखंड क्षेत्र के स्थित जांजो में आयोजित शहादत दिवस समारोह में भी शामिल हुए।

कल्याणपुर में रामनावामी पूजा मानने को लेकर बैठक संपन्न

06 अप्रैल को रामनवमी जुलूस धूमधाम व शांतिपूर्ण रूप से निकाली जायेगी:सचिन पासवान

कल्याणपुर मंडप क्लब के अध्यक्ष बने सचिन पासवान व सचिव फालेंद्र पासवान एवं कोषाध्यक्ष जागेश्वर पासवान

सत्ता की खोज:संवाददाता

टंडवा:चतरा। रामनवमी पूजा मानने को लेकर कल्याणपुर के देवी मंडप के प्रांगण में 28 मार्च को बैठक की गई।

जिसकी अध्यक्षता रविंदर प्रताप सिंह एवं संचालन संजय पासवान ने द्वारा किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया की 06 अप्रैल 2025 को कल्याणपुर में धूमधाम और शांतिपूर्ण रूप से रामनवमी पूजा का जुलूस निकाला जाएगा जो पुलपार कल्याणपुर मंडप में विधिवत पूजा पाठ कर मंडप से जुलूस और झांकी निकाला जाएगा। जुलूस, झांकी पूरा गांव भ्रमण के बाद कल्याणपुर बाजार टांड़ में मेला

लगाया जाएगा जहां ग्रामीणों द्वारा अस्त्र-शास्त्र के साथ सहित कई खेल प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में रामनवमी पूजा समिति के अध्यक्ष सचिन पासवान व सचिव फालेंद्र पासवान एवं कोषाध्यक्ष जागेश्वर पासवान को बनाते हुवे, उपकोषाध्यक्ष अरविंद पासवान, उपाध्यक्ष अनुज कुमार सोनी, पिंटू साव, उपसचिव भोला पासवान, विकाश कुमार साव, संरक्षक रविन्द्र प्रताप सिंह, संजय पासवान, बालेश्वर उरांव, जगदीश विश्वकर्मा, मुन्ना ऊर्फ कासिम, अब्दुल कयूम अंसारी, निर्मल उरांव, महेश विश्वकर्मा, अब्दुल अंसारी, अरुण उरांव, बालेश्वर गंझू, बिनोद पासवान, इंद्रदेव उरांव, आदित्य पासवान, मनोज सिंह, बालकांत उरांव, राजन चौधरी, हनी भगत, अशोक पांसी, मिश्र पासवान, वरुण सोनी, डॉक्टर पंकज कुमार तथा सदस्य अनिल पासवान, प्रकाश पासवान को बनाया गया। मौके पर जगदीश विश्वकर्मा, धनेश्वर गंझू, सचिन पासवान, आदित्य पासवान, रघुनाथ पासवान, जागेश्वर पासवान, अरविंद पासवान, पिंटू साव, फालेंद्र पासवान, संजय पासवान, शिवशंकर पासवान, राजन चौधरी, वरुण सोनी, महेश विश्वकर्मा, अनुज कुमार, अशोक पांसी, भोला पासवान, राजू उरांव सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

रामनवमी ईद सरहुल को लेकर केरेडारी थाना में शांति समिति की बैठक दोनों समुदायों ने त्योहार शांतिपूर्वक मनाने का लिया निर्णय

दैनिक सत्ता की खोज संवाददाता कीर्तन कुमार केरेडारी प्रखंड जिला हजारीबाग झारखंड

रामनवमी ईद व सरहुल त्योहार को लेकर केरेडारी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक शुक्रवार को किया गया बैठक किया गया सीओ रामरतन कुमार वर्णवाल संचालन केरेडारी थाना प्रभारी विवेक कुमार ने किया बैठक में बड़ी संख्या में दोनों समुदाय के लोग शामिल हुए बैठक अंचलाधिकारी राम रतन कुमार और थाना प्रभारी विवेक कुमार ने दोनों समुदाय के लोगों से त्योहार शांति पूर्ण रूप से अपील की इन्होंने रामनवमी पूजा समिति लाइसेंस धारी लोगों को जूलुस वा झांकी के सही से ही निकलने का अपील की आगे कहा त्यौहार में केरेडारी में कोई अप्रिय घटना का इतिहास नहीं रहा है जुलुस और झांकी के दिन क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया जाएगा संवेदनशील दोनों क्षेत्र में सीसीटीवी से निगरानी रखा जाएगा कोई भी घटना हो तो इसकी सूचना सीधे थाना में दे सोशल मीडिया में वायरल होने वाले संदेश से परहेज करें । नेता

बालेश्वर कुमार ने सभी धर्म प्रेमियों भाईचारे से त्योहार आपसी साथ से बनाकर मनाने का अपील किया। मौके पर प्रखंड प्रमुख सुनीता देवी सीईओ राम रतन कुमार वर्णवाल थाना प्रभारी विवेक कुमार टिंकू कुमार बड़का गांव विधानसभा प्रभारी बालेश्वर कुमार भाजपा के सांसद प्रतिनिधि कर्मचारी शाह भाजपा महामंत्री नरेश महतो मुखिया संघ के अध्यक्ष दिनेश साव पगार मुखिया झारी लाल महतो सलगा मुखिया पार्वती देवी मुखिया पति बैजनाथ महतो पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव पूर्व उप प्रमुख रामस्वरूप ओझा जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि निरंजन साव कम्युनिस्ट नेता रामेश्वर साहू कंचन यादव असेश्वर यादव बजरंगी साहू भारत पांडे चंद्रिका रजक सलामत अंसारी कासिम मियां बसंत सिंह दिनेश महतो मुकेश वर्मा जागेश्वर साव अयूब अंसारी असगर अली मोहम्मद हाशिम मोहम्मद रफीक मियां मकसूद आलम कृष्णा महतो प्रेम महतो अमित कुमार जयप्रकाश महतो दोनों समुदाय के लोग सैकड़ो लोग मौजूद थे।

पटना शहरी क्षेत्र में विद्युत प्रणाली सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्यों के लिए प्री-बिड बैठक

पटना। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा पटना शहरी क्षेत्र में विद्युत प्रणाली के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण के लिए टेंडर के लिए आज प्री-बिड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ऊर्जा सचिव सह सीएमडी बीएसपीएचसीएल पंकज कुमार पाल, कंपनी के वरीय अधिकारी, संभावित निविदाकर्ता उपस्थित रहे। कैबकॉन, मोंटे कार्लो, लार्सन एंड टूब्रो, एनसीसी, पॉलिकॉम, विंध्य टेलीलिंक, अशोका बिल्डकॉन तथा अन्य कंपनियों के सदस्यों द्वारा इस बैठक में निविदा प्रक्रिया, तकनीकी आवश्यकताओं, परियोजना की समय सीमा एवं क्रियान्वयन रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सत्ता की खोज
पटना, शनिवार, 29 मार्च 2025

संक्षिप्त खबरें

29 मार्च को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम

संवाददाता

दरभंगा, शुक्रवार को :-उर्दू निदेशालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, विभाग बिहार, पटना के निदेशानुसार प्रभारी पदाधिकारी जिला उर्दू भाषा कोषांग द्वारा बताया गया कि दरभंगा जिला में विभिन्न कार्यालयों यथा समाहरणालय, अनुमंडल, प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों में पदस्थापित 34 नवनियुक्त सहायक उर्दू अनुवादकों को 29 मार्च 2025 (शनिवार) को 11:00 बजे पूर्वाह्न से डॉ.भीमराव अंबेडकर सभागार समाहरणालय परिसर में नियुक्ति पत्र का वितरण जिला पदाधिकारी दरभंगा श्री राजीव रौशन द्वारा प्रदान किया जाएगा।

जल स्त्रोतों की स्वच्छता सभी की जिम्मेदारी

संवाददाता

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा "अंतर्गत जिला गंगा समिति, दरभंगा द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली, स्वच्छता हेतु श्रमदान, नुक्कड़ नाटक एवं स्वच्छता शपथ आदि कार्यक्रम आयोजित नगर निगम की स्वच्छता टीम एवं 08 बिहार बटालियन के एनसीसी कैडेट्स हुए अभियान में शामिल नदी, तालाब एवं अन्य जल स्रोत की स्वच्छता, जलीय जीवों का संरक्षण एवं घाटों पर नियमित योग करना अभियान का उद्देश्य दरभंगा, शुक्रवार को जिला पदाधिकारी-सह-अध्यक्ष जिला गंगा समिति, दरभंगा श्री राजीव रौशन के निदेर्शानुसार "गंगा स्वच्छता पखवाड़ा" अंतर्गत जिला गंगा समिति, दरभंगा द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता हेतु श्रमदान एवं गंगा स्वच्छता शपथ आदि आयोजन किया गया। स्वच्छता जागरूकता रैली हराही तालाब के दक्षिणी भाग से प्रारम्भ होकर, सीएम लॉ कॉलेज, एमएलएसएम कॉलेज, विद्यापति चौक, दरभंगा रेलवे स्टेशन, चंद्रधारी संग्रहालय, शास्त्री चौक होते हुए वापस हराही तालाब के दक्षिणी भाग पहुंची।" *हम सब ने ठाना है, नदी, तालाबों को स्वच्छ बनाना है। "नमामि गंगे, हर हर गंगे*, "अब हमने यह ठाना है, नदियों को बचाना है। नहीं रुकेंगे, स्वच्छ करेंगे" जैसे नारों के साथ स्वच्छता जागरूकता हेतु ऊर्जान्वित सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स, गंगा दूत ने नदियों, तालाबों एवं अन्य जल स्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित करने का सन्देश दिया। "हिले रे झकझोर दुनिया हिले रे झज्जर आओ आओ नाटक देखें आओ आओ" के साथ "नहीं रुकेंगे, स्वच्छ करेंगे" के थीम पर शास्त्री चौक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन शारिब अली के नेतृत्व में उपस्थित कलाकारों ने किया। आम लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया और लोगों को बताया की स्वच्छता हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है जल स्त्रोतों का संरक्षण एवं स्वच्छता हमारा मूल कर्तव्य होना चाहिए। तत्पश्चात, हराही तालाब के दक्षिण से उत्तर तक के घाट को श्रमदान कर के कूड़ा, कचड़ा, प्लास्टिक इत्यादि को किनारे से हटाकर स्वच्छ किया गया।

गंगा समिति के जिला परियोजना अधिकारी श्री फारूक इमाम ने बताया की राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश के आलोक में कि गंगा एवं सहायक नदियों तथा अन्य जल स्रोतों की स्वच्छता, निर्मलता एवं अविरलता की महत्ता बनाये रखने हेतु गंगा बेसिन राज्यों में जनमानस का नदियों, तालाबों, जल स्रोतों से जुड़ाव बढ़ाने के लक्ष्य के साथ " गंगा स्वच्छता पखवाड़ा 2025" कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। साथ ही इसी कड़ी में आज यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। स्वच्छता हम सब की जिम्मेदारी है, सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से हमें सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाकर अगली पीढ़ी हेतु सुरक्षित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित करनी है।

गंगा एवं उसकी सहायक नदियों, तालाबों एवं अन्य जल स्रोतों के तटों को साफ-सुथरा, स्वच्छ रखने, कूड़ा-कचड़ा एवं पॉलीथिन प्रवाहित नहीं करने, जलीय-जीवों एवं वृक्षों का संरक्षण करने, घाट पर नियमित योग करने का संकल्प सभी ने लिया। अभियान में एनसीसी के सूबेदार नारायण सिंह, हवलदार बीरेंद्र राय, अंडर ऑफिसर विक्रम सिंह गौतम, नगर निगम के जोन प्रभारी गौतम कुमार, स्पीयर हेड टीम मेंबर मणिकांत ठाकुर, संजीव कुमार, पूजा कुमारी, मुकेश झा, अनिल चौपाल ने अपनी अहम भूमिका का निर्वहन किया साथ ही सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स कार्यक्रम शामिल हुए।

जिले के 02 परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा

संवाददाता

दरभंगा, शुक्रवार को (जन-सम्पर्क शाखा):- जिला दण्डाधिकारी, दरभंगा श्री राजीव रौशन के आदेशानुसार अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सदर विकास कुमार द्वारा आदेश निर्गत करते हुए बताया गया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन 2025(ट्रंल्ल)ऑनलाइन 02 अप्रैल से 09 अप्रैल 2025 तक ऑनलाइन परीक्षा दो पालियों में यथा - पूर्वाह्न 09:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली 03:00 बजे से 06:00 बजे तक* दरभंगा शहरी क्षेत्र स्थित दो परीक्षा केंद्रों यथा *iON Digital Zone iDZ1 Khajasarai, Near Govt. Middle School/Fathmis House, Khaja sarai Laheriasarai, Darbhanga एवं Krishna Digital Donar Dilawarpur Near Daal Mill Front of Manners Public school Darbhanga पर आयोजित की गई है।

जिलाधिकारी द्वारा अग्निकांड की आपदा भीषण गर्मी लू तथा संभावित बाढ़ के संबंध में समीक्षात्मक बैठक आयोजित

संवाददाता

सहरसा। जिलाधिकारी वैभव चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को आपदा प्रबंधन से संबंधित बैठक समाहरणालय सभागार कक्ष में आहूत की गई। सर्वप्रथम जिलाधिकारी के द्वारा अग्निकांड की आपदा भीषण गर्मी लू तथा संभावित बाढ़ 2025 के संबंध में समीक्षात्मक बैठक की गई। समीक्षा के क्रम में निम्न आवश्यक निर्देश दिए गए। अग्निकांड से आपदा के निर्देश अग्निकांड में क्या करें क्या ना करें से संबंधित निर्देश विभागीय गाइडलाइन से सभी पदाधिकारी को अवगत कराया गया। बच्चों को माचिस व आग फैलाने वाले एवं अन्य सामानों के पास न जाने दें। बीड़ी, सिगरेट, हुक्का आदि पीकर जहां-तहां न फेंकें, उसे पूरी तरह बुझाने के बाद ही फेंके।चूल्हा ढिबरी/ मोमबत्ती/ कपूर इत्यादि जलाकर ना छोड़े। सार्वजनिक स्थलों पर एवं परिवहन में यथा ट्रेनों, बसों, टेंपो में ज्वलनशील पदार्थ न लें जाएं।पहनें हुए कपड़े में आग लग जाता है तो जमीन पर लुढ़क लुढ़क

कर आग बुझायें।खाना बनाने के समय ढीले ढाले कपड़े नहीं पहनना है। अग्नि दुर्घटना के समय कभी भी लिफ्ट का प्रयोग नहीं करना है। गैस की दुर्गंध आने पर बिजली के स्विच को नहीं छूना है। खाना पकाते समय बच्चों को अकेला न छोड़ें। क्या करें स्टोव, लकड़ी गोइठा आदि के जलावन वाले चूल्हे पर खाना बनाते वक्त सावधानी बरतें। हमेशा सूती वस्त्र पहनकर ही खाना बनावे। गेहूं ओसनी का काम हमेशा रात में तथा गांव के बाहर खलियान में जाकर करें। घर व खलियान पर समुचित पानी व बालू की व्यवस्था रखें। खाना पकाते समय रसोईघर में वयस्क मौजूद रहे बच्चों को अकेला ना छोड़े। खिड़की से स्टोव के वरनल तक हवा न पहुंच पाए इस बात का पूरी तरह से ध्यान रखना है। तैलीय पदार्थ से लगी आग पर पानी ना डालें। गैस चूल्हे का इस्तेमाल करने के तुरंत बाद सिलेंडर का नोव तुरंत बंद कर दें। बिजली तारों एवं उपकरणों की नियमित जांच करें। घर में अग्निशमन कार्यालय तथा अन्य आपातकालीन नंबर लिखा हुआ हो और घर के सभी सदस्यों को इन नंबरों के बारे में पता हो। आग लगने पर दमकल विभाग को फोन करें और उन्हें अपना पूरा पता बताएं फिर दमकल विभाग जैसे कहें वैसे ही करें। सभी अंचलाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अग्निकांड पीड़ित को 24 घंटे के अंदर प्लास्टिक एवं जो भी सहायता हो उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया गया। अग्निशमन के पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अपने सभी 13 गाड़ियों को दुरुस्त अवस्था में रखेंगे और यदि आवश्यक हो तो मरम्मती कार्य को दो दिनों के अंदर ठीक करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही फायर ब्रिगेड का नंबर सभी जगह प्रचार प्रसार करें ताकि संभावित दुर्घटना से बचाव हो सके। मोबाइल नंबर 7485805914 06478-223310 निर्देश दिया गया कि गर्म हवा लू से बचाव के उपाय से संबंधित विज्ञापन का प्रचार प्रसार प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सोशल मीडिया फेसबुक व्हाट्सएप एवं ट्विटर आदि के माध्यम से भी प्रसारित कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) श्री संजीव कुमार चौधरी, सभी उच्चाधिकारी, जिला अग्निशमन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित उपस्तिथ थे।

सिटानाबाद जामा मस्जिद मरकज में रमजान महीने का अलविदा जुमा अदा किया गया

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर/सहरसा। प्रखंड के सिटानाबाद जामा मस्जिद मरकज में आज मुस्लिम भाईयों द्वारा रमजान महीने का अलविदा जुमा अदा किया गया। मरकज के इमाम हजरत मौलाना हिफजुर्रहमान ने खुत्बा ऐ तिलावत पढ़ाए और मुल्क के यकजहती के लिए दुआ करवाए। उन्होंने कहा कि ये महीना सब्र और अल्लाह के इबादत का महीना है इसी से अल्लाह खुश होकर महीना के अंतिम जुमा में अलविदा के रूप में मुसलमानों को तौफिक आता फरमाते हैं। इस मौके पर बूढ़े, बच्चे, नौजवानों ने सुबह सुबह नहा कर तैयार होकर अलविदा की नमाज अदा करने मरकज पहुंच गए। समाज सुधार कमिटी पूरी मुस्तैदी से मस्जिद के सारे मंजर को काबू में करते देखे गए। अंत में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और इमारत सरिया की आह्वन पर काला बिल्ला लगा कर लोगों ने वक्फ बोर्ड तरमीमि का विरोध प्रकट किया।

मौके पर समाज सुधार कमिटी के अध्यक्ष यासीर अराफात, मीडिया प्रभारी अब्दुर्रहीम, मास्टर मुदस्सिर, लकी शेख, मास्टर चांद अंसारी, इरशाद, शाहिद इकबाल, मुजाहिरुल हसन, शादाब आलम, गुलजार, हसीन खान, शम्स राजा खान, नीलू, जफर इकबाल, तौफिक उमर मौजूद रहे।

प्रेस वार्ता किया गया

संवाददाता

बीहट बेगूसराय: बरौनी प्रखंड पत्रकार कार्यालय में बैठक रखी गई थी जिसमें सभी पत्रकारों को सम्मानित किया गया मुख पार्षद नगर परिषद बीहट बबीता देवी ने बताया कि नगर परिषद का विकास मेरे लिए सर्वोपरि है इसके लिए मैं दिन-रात काम करती हूं तथा संबंधित विभाग के यहां भी जाकर उसे योजना को लाती हूं और उसे धरातल पर उतरती हूं जब से मैं 13 फरवरी 2023 से लगातार 20 घंटे से जन्नत की सेवा मैं लगी रहती हूं मेरे द्वारा 2 वर्ष वित्तीय वर्षी मैं 34 करोड़ 89 लाख 655 राशि के विकास योजनाओं को धरातल पर उतर गया है जब मैं थी साफ सफाई आयी नाम पर खानापूर्ति किया जा रहा था.

लेकिन आज प्रत्येक वार्ड में साफ सफाई का काम सुचारू रूप से चलाई जा रही है जिसका बीच-बीच में उसका निरीक्षण करती हूं 2023 मैं अपना पदभार ग्रहण की थी उसे समय आवास योजना का प्रथम किस्त देने के बाद योजना बंद परा था कोई उसे देखने सुनने वाला नहीं था मेन प्रयास करके 1975 लाभुकों के लिए राशि विभाग से लगाई गई जिसके परिणाम स्वरूप 1226 आवास पूर्ण हो गए हैं इस तृतीय वर्ष में भी आवास योजना के लिए भी 1940 लाभुकों को चिन्हित किया

गया है प्रयास है कि सभीलाभुकों को इसका लाभ मिले यहां विभिन्न पेंशन योजनाओं के लिए लोगों को चक्कर लगाना पड़ रहा था मेरे कार्यकाल में विभिन्न टेंशन योजनाओं में 402 लाभुकों को पेंशन का लाभ मिला आ य के मामले में बिहट नगर परिषद 5 से 6 लाख का ही कर सूली कृपा रहा था जिसे मैं इस द्वितीय वर्ष में आज के तारीख तक 46 लाख कर वसूली के रूप में बिहट नगर परिषद को प्राप्त हुआ जो राशि विराटनगर परिषद का विकास होगा इसके साफ-सा एफ बिहट नगर परिषद के द्वारा प्रधानमंत्री निधि योजनाओं का तरह 10 28 लाभुक के बीच ऋण वितरण किया गया मौके पर पूर्व एमएलसी, भूमि पाल राय, वार्ड सदस्य अशोक सिंह जदयू जिला उपाध्यक्ष, रामनरेश सिंह प्रखंड अध्यक्ष शंभू सिंह, सुनील कुमार, पूर्व मुखिया अजय पासवान, पूर्व सरपंच सुरेंद्र सिंह, प्रवीण कुमार, मुकेश सिंह.

बखरी थाना परिसर में ईद और रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

संवाददाता

बखरी बेगूसराय। शुक्रवार को बखरी थाना परिसर में ईद और रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर फैसल अहमद अंसारी ने की। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी समुदायों के सहयोग से दोनों त्योहार शांतिपूर्वक मनाए जाएंगे और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े उपाय किए जाएंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें और कानून का पालन करें। उन्होंने बताया कि त्योहारों के दौरान पुलिस टीम की तैनाती की जाएगी और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जाएगी ताकि किसी प्रकार की नफरत फैलाने वाली गतिविधियों को रोका जा सके। बैठक में उपस्थित सभी लोगों से अपील की कि वे आपसी भाईचारे और साम्प्रदायिक सौहार्द को बनाए रखें, ताकि सभी लोग मिलकर त्योहारों का आनंद उठा सकें।

हेमनपूर गांव में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन का डंडा

संवाददाता

बखरी बेगूसराय। बखरी प्रखंड के हेमनपूर गांव में अतिक्रमण कारी के खिलाफ चलाया गया बुलडोजर। शुक्रवार को हेमनपूर गांव में ग्रामीण तथा प्रशासन के सहयोग से हेमनपूर से बागवान जाने वाले तीनमुहानी चौक स्थित अतिक्रमण अभियान चलाया गया। इस मामले को लेकर प्रखंड प्रमुख शिवचंद्र पासवान ने बताया कि अतिक्रमित जमीन पीडब्ल्यूडी सरकारी है।

यहां पर चापाकल गड़बड़ाना है इसलिए इस जगह को खाली करने के लिए प्रशासन का मदद लिया गया है ?। इस अभियान में बखरी बीडीओ महेश चंद्र, सीओ राकेश चौधरी, राजस्व कर्मचारी मुंगेरी लाल, दारोगा छोटन कुमार, जिवश यादव, श्रवण कुमार सहित दलबदल मौजूद थे। सीओ राकेश चौधरी ने कहा कि यह जमीन का पैमाइश किया गया था जो सरकारी है। इस जमीन को खाली करने को लेकर ग्रामीणों ने लगातार जिला अधिकारी को आवेदन दिया और आज खाली कराया गया।

वही उक्त जमीन पर कब्जा करने वाले जयदेव वर्मा की पत्नी बबिता देवी ने बताया कि इस जमीन पर सभी दिनों से मेरा ही अधिकार रहा आज प्रशासन जबरन इमरे जमीन को खाली करा रहे हैं।

विधायक रोशन लाल चौधरी ने सदन में राज्य के सबसे ज्वलंत मुद्दा विस्थापन को उठाया

सत्ता की खोज प्रतिनिधि

बड़कागांव: विधानसभा के अंतिम दिन गुरुवार को विधायक रोशन लाल चौधरी ने झारखंड विधानसभा में अपनी बातो को प्रमुखता से रखा। विधायक रोशनलाल चौधरी ने सदन में सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में भू-अर्जन और विस्थापन को लेकर भू अर्जन अधिनियम 1894 कोल बीयरिंग एक्ट भू अर्जन एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकार एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 तथा झारखंड स्वेच्छिक भू अर्जन अधिनियम 2010 लागू है । लेकिन इन अधिनियमों में भू अर्जन, पुनर्व्यवस्थापन, पुनर्वास, मुआवजा भुगतान की नीति अलग अलग रहने के कारण राज्य के मूलवासी आदिवासी को विस्थापन के बाद उचित पुनर्वास, पुनर्व्यवस्थापन मुआवजा भुगतान भी अलग अलग होता हैं । जिसके कारण विस्थापन के पश्चात एक दो पीढ़ी के बाद विस्थापितों के परिवार की स्थिति दयनीय हो जाती हैं । विस्थापितों के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए विस्थापन, पुनर्वास, पुनर्व्यवस्थापन को समरूप करते हुए विस्थापन, पुनर्वास, पुनर्व्यवस्थापन आयोग का गठन किया जाए । जिसके जवाब में परिवहन विभाग मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि सरकार के द्वारा राज्य विस्थापन आयोग का गठन किया जाएगा और नियमावली 2024 तैयार किया गया हैं । नियमावली अनुमोदन के प्राक्कलन प्रक्रियाधीन हैं । जिसका गठन 90 दिनों के अंदर कर लिया जाएगा । जबाव के बाद विधायक रोशन लाल

चौधरी ने कहा मंत्री जी से मैने अनुरोध किया हैं कि चुकी पूरे झारखंड में लगभग 3200 गांव में 1200 गांव विस्थापित प्रभावित हैं, तथा मैं जिस विधानसभा क्षेत्र से आता हूं वहां लगभग 50% से भी अधिक क्षेत्र विस्थापित प्रभावित हैं । जितने भी अधिनियम 2013, 2010 का जिक्र हुआ हैं, सरकारी पदाधिकारी चाहे राज्य के हो या केंद्र सरकार, एन.टी.पी.सी. के किसी भी नियम का पालन नहीं होता हैं ।पालन कैसे हो सरकार इसे सुनिश्चित करें । क्योंकि जो भी विस्थापित प्रभावित परिवार हैं अपने अधिकार के लिए यदि कार्यालय भी जाते हैं तो कार्यालय में प्रवेश भी नहीं करने दिया जाता हैं । सरकार इसे तय करे अन्यथा पूरा विस्थापित एवं आने वाले समय में पूरा झारखंड विस्थापित होने जा रहा हैं इसलिए एक नीति तो बननी ही चाहिए । विस्थापन नीति और ठोस नीति बननी चाहिए ताकि झारखंडियों को, विस्थापितों को अधिक से अधिक अधिकार मिल सके । जिसका जवाब में मंत्री दीपक बिरुवा ने पुनः जवाब दिया की हमलोगो ने स्पष्ट कर दिया हैं कि राज्य गठन के पहले से बहुत तरह से लोगों को विस्थापन झेलना पड़ा हैं । चाहे कोल बीयरिंग एक्ट हो या परियोजना-योजना में किसी के नाम से जमीन अधिकृत की गई हो । वहां के सारे लोग विस्थापित हुए जो पूर्णरूप से पुनर्स्थापित नहीं हो पाए हैं तथा अभी भी विस्थापन का दंश झेल रहे हैं । यह बात एकदम सही हैं । इसलिए राज्य सरकार सह माननीय मुख्यमंत्री ने पूर्व में भी इस बात की घोषणा की हैं कि विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग के गठन करने की घोषणा उन्होंने पूर्व में भी किया हैं ।

पृष्ठ एक का शेष

कोसी-मेची लिंक...

से करीब 59,350 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। वैष्णव ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा पीएलआई योजना के तहत निष्क्रिय कलपुर्जों को मंजूरी दी गई है। इस योजना का कुल प्रावधान 22,919 करोड़ रुपये का है। यह छह साल से अधिक समय के लिए होगा।

2% महंगाई भत्ते...

लिए देते हैं। इसकी गणना मूल वेतन के प्रतिशत के रूप में की जाती है और कीमतों में कितनी वृद्धि हुई है, इसके आधार पर हर छह महीने में इसे संशोधित किया जाता है।

म्यांमार में आया 7.2...

के अनुसार, भूकंप 125 किमी की गहराई पर आया था। इस तरह के उथले भूकंप गहरे भूकंपों की तुलना में ज्यादा खतरनाक होते हैं क्योंकि पृथ्वी की सतह के नजदीक आने पर वे ज्यादा ऊर्जा छोड़ते हैं, जिससे जमीन का कंपन ज्यादा होता है और संरचनाओं और हताहतों को ज्यादा नुकसान पहुँचता है, जबकि गहरे भूकंप सतह पर आने पर ऊर्जा खो देते हैं। भारत में दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। खासतौर पर पूर्वोत्तर के राज्यों मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, असम और नागालैंड में तेज झटके आए हैं।

हालाँकि म्यांमार भूकंप-प्रवण देश है, लेकिन आधिकारिक राष्ट्रीय भूकंपीय खतरा मानचित्र प्रस्तावित नहीं किया गया है। यूरेशियन और इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेटों के बीच टकराव के कारण, म्यांमार एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ भूकंपीय खतरा उच्च स्तर पर है। अंतर्राष्ट्रीय भूकंपीय केंद्र द्वारा सारांशित भूकंप मापदंडों के अनुसार 1990 से 2019 तक हर साल म्यांमार और उसके आसपास के इलाकों में 3.0 से ज्यादा या उसके बराबर परिमाण वाली लगभग 140 घटनाएँ हुई हैं। इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि म्यांमार मध्यम और बड़ी तीव्रता वाले भूकंपों के खतरों के प्रति संवेदनशील है, जिसमें इसकी लंबी तटरेखा पर सुनामी के खतरे भी शामिल हैं।

बिहार चुनाव की...

असंतुलन पर भी चिंता जताई और इसे सुधारने के लिए जिलाध्यक्षों के चयन में भी ध्यान देने को कहा। इससे साफ है कि कांग्रेस बिहार में सामाजिक संतुलन बनाकर अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है।

बिहार की राजनीति में कांग्रेस की स्थिति को लेकर कई सवाल उठते रहे हैं। खासतौर पर, पार्टी पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव के प्रभाव का आरोप लगता रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी कांग्रेस को इस प्रभाव से बाहर निकालना चाहते हैं ताकि पार्टी स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सके। हालांकि, कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी, लेकिन गठबंधन की शर्तों और सीटों के बंटवारे पर अभी पूरी स्पष्टता नहीं है।

कांग्रेस नेता मंजीत आनंद साहु ने कहा कि राहुल गांधी बिहार को लेकर गंभीर हैं और विधानसभा चुनाव से पहले कई बार राज्य का दौरा करेंगे। उनका मुख्य उद्देश्य सामाजिक न्याय की धारा को मजबूत करना और संविधान की रक्षा के लिए लोगों को जागरूक करना है। पार्टी अब पूरी ताकत से चुनाव की तैयारियों में जुट गई है और राहुल गांधी के इस दौरे को उसी दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। बिहार में आगामी चुनाव कांग्रेस के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित हो सकते हैं। पार्टी राज्य में अपना जनाधार बढ़ाने और मजबूत स्थिति में आने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नए सिरे से रणनीति बना रही है और संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। अब देखना होगा कि उनकी यह रणनीति आगामी चुनावों में कितनी सफल साबित होती है।

मधुबनी में इलेक्ट्रॉनिक...

शोरूम का बैंक घोटाले से क्या संबंध है। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि क्या इस शोरूम के माध्यम से किसी प्रकार की अवैध वित्तीय लेन-देन हुई है या नहीं। एनआईए की इस अचानक हुई छापेमारी से मधुबनी जिले में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों के बीच इस मामले को लेकर चचाओं का दौर तेज हो गया है। लोग इस बात को लेकर उत्सुक हैं कि आखिर इतने बड़े बैंक घोटाले का कनेक्शन मधुबनी के इस इलेक्ट्रॉनिक शोरूम से कैसे जुड़ा हुआ है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। एनआईए की टीम अब भी जिले में मौजूद है और जांच जारी है। उम्मीद की जा रही है कि इस छापेमारी के माध्यम से घोटाले से जुड़े और भी नाम सामने आ सकते हैं। जांच एजेंसी का पूरा प्रयास है कि बैंक घोटाले में शामिल हर व्यक्ति को कानून के दायरे में लाया जाए। मधुबनी में हुई इस छापेमारी से यह साफ हो गया है कि एनआईए मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है और किसी भी दोषी को बख्शने के मूड में नहीं है। अब देखना यह होगा कि आगे की जांच में और क्या नए तथ्य सामने आते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह...

हुआ है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारिता और मीडिया की भूमिका को लेकर भी अहम बात की। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और उसकी जिम्मेदारी है कि वह समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करे। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया को किसी भी मामले की सही जानकारी देनी चाहिए और सिर्फ अटकलों पर नहीं चलना चाहिए। धामी ने यह भी कहा कि मीडिया को यह समझना चाहिए कि राज्य में जिन मुद्दों का कोई सिर-पैर नहीं होता, उन पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। उनका यह बयान मीडिया के लिए एक संदेश था कि अटकलों से अधिक महत्वपूर्ण राज्य के विकास और जनता की भलाई के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। राज्य के राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री के बयान से यह स्पष्ट हो गया कि कैबिनेट में फेरबदल और विस्तार की प्रक्रिया जारी है, लेकिन इसे शुभ मुहूर्त के अनुसार ही सार्वजनिक किया जाएगा। इस समय तक कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, जैसा कि मीडिया और सोशल मीडिया में अटकलें लगाई जा रही थीं। राज्य के मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तराखंड में मुख्यमंत्री धामी की सरकार के लिए यह एक अहम समय है। राज्य में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों के बीच कैबिनेट में कुछ बदलाव की आवश्यकता महसूस की जा रही थी खासकर पूर्व मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद। इसके अलावा यह समय भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो आगामी चुनावों की तैयारी कर रही है।

मार्च तक बनकर तैयार...

हो चुका है और शेष कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। परियोजना का संपूर्ण नींव निर्माण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब सुपर-स्ट्रक्चर तथा फिनिशिंग कार्यों को पूरा करने पर ध्यान दिया जा रहा है। ?422 करोड़ की लागत से बन रही यह परियोजना पटना मेट्रो रेल, बाकरगंज नाला पर सड़क और पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रस्तावित मल्टी-लेवल कार पार्किंग से समन्वयित होगी। उन्होंने आगे कहा कि "इस परियोजना के तहत फ्लाईओवर को जेपी गंगा पथ (पटना रिवर फ्रंट रोड) से कृष्णा घाट के माध्यम से जोड़ा जाएगा, जिससे गांधी सेतु और अन्य मार्गों से आने वाले वाहनों को एक सुगम वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। इसके अलावा, यह अशोक राजपथ, पीएमसीएच, पटना विश्वविद्यालय और साइंस कॉलेज के क्षेत्र में यातायात दबाव को कम करेगा जिससे छात्रों, मरीजों, व्यवसायियों और आम नागरिकों को बड़ा लाभ होगा।। यह फ्लाईओवर छपरा के बाद बिहार का दूसरा डबल-डेकर फ्लाईओवर होगा और इसे आधुनिकतम तकनीक से तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है, और इसे निर्धारित समयसीमा के अनुसार अप्रैल 2025 तक जनता के लिए खोलने की योजना बना ली गई है। पथ निर्माण विभाग द्वारा परियोजना की नियमित पर्यवेक्षण की जा रही है, ताकि इसे समय पर पूरा किया जा सके। इस फ्लाईओवर के चालू होने से पटना की परिवहन व्यवस्था में आमूलचूल सुधार होगा जिसका लाभ लाखों यात्रियों को मिलेगा।

भारत युवा आबादी वाला देश है, जिसमें जबरदस्त प्रतिभा और बौद्धिक गहराई है: बीरेंद्र

पटना। पीएचडीसीसीआई ने विकास आयुक्त एमएसएमई कार्यालय, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से सीआईएमपी ऑडिटोरियम, पुराना बस स्टैंड, मीठापुर, पटना, बिहार में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर एक राष्ट्रीय आईपी यात्रा कार्यक्रम (2 दिवसीय कार्यशाला) का आयोजन किया। बौद्धिक संपदा अधिकार उत्पादों और प्रक्रियाओं में नवाचारों की पहचान और संरक्षण में सहायता करते हैं तथा ऐसे नवीन उत्पादों के ब्रांड निर्माण और विपणन में भी सहायता करते हैं, जिससे विशाल धन सृजन की संभावनाएं पैदा होती हैं।

सत्ता की खोज

पटना, शनिवार, 29 मार्च 2025

संक्षिप्त खबरें

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जॉब करने का सुनहरा मौका, बीसीसीआई ने इन पदों के लिए निकाली भर्ती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शुक्रवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में स्पिन गेंदबाजी कोच के लिए आवेदन मांगे। इउउक ने कहा कि यह भूमिका सभी फॉर्मेट और सभी एज ग्रुप में भारत की स्पिन गेंदबाजी प्रतिभाओं के विकास और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए होगी। इसमें भारत की सीनियर टीमें (मेंस और विमंस), भारत ए, अंडर-23, अंडर-19, अंडर-16 और अंडर-15 टीमें और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेने वाले राज्य संघ के खिलाड़ी शामिल हैं। आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 10 अप्रैल, 2025 को शाम 5 बजे तक होगी। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि स्पिन गेंदबाजी कोच विशेष कोचिंग कार्यक्रमों को डिजाइन करने और प्रतिभा के प्रदर्शन की निगरानी में सहायता करने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में क्रिकेट प्रमुख के साथ मिलकर काम करेंगे। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, "भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बेंगलुरु में अपने अत्याधुनिक बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में स्पिन बॉलिंग कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है। यह भूमिका भारत की सीनियर टीमों (पुरुष और महिला), भारत ए, अंडर-23, अंडर-19, अंडर-16 और अंडर-15 टीमों और बीसीसीआई सीओई में प्रशिक्षण लेने वाले राज्य संघ के खिलाड़ियों सहित सभी फॉर्मेट और एज ग्रुप में भारत की स्पिन गेंदबाजी प्रतिभा के विकास और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए अभिन्न अंग है।" बीसीसीआई के बयान में कहा गया है, "स्पिन बॉलिंग कोच बीसीसीआई सीओई के हेड क्रिकेट के साथ मिलकर काम करेंगे, ताकि विशेष कोचिंग कार्यक्रम तैयार किए जा सकें और प्रदर्शन की निगरानी में सहायता की जा सके। इस भूमिका में चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय और राज्य कोचों, प्रदर्शन विश्लेषकों और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञों के साथ मिलकर उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण योजनाएं विकसित करना भी शामिल है।"

जानें कौन हैं प्रिंस यादव, ट्रेविस हेड का लिया विकेट, दिल्ली से है नाता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। जहां लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज प्रिंस यादव ने हैदराबाद के स्टार खिलाड़ी ट्रेविस हेड को बोल्ड कर चारों तरफ वाहवाही लुट ली है। जो कि उनके आईपीएल करियर की बेहतरीन शुरूआत बताई जा रही है। प्रिंस ने इस सत्र में ही डेब्यू किया है। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने युवा गेंदबाज को दिल्ली टैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में मौका दिया। पहले मैच में भले ही वह कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए लेकिन अपने आईपीएल करियर के दूसरे मैच में प्रिंस ने ट्रेविस हेड को बोल्ड कर अपना लोहा मनवाया है। उन्हें ये सफलता एसआरएच की पारी के आठवें ओवर की तीसरी गेंद पर मिला। 23 वर्षीय तेज गेंदबाज प्रिंस दिल्ली से ताल्लुक रखते हैं। दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके नाम डीपीएल में लगातार तीन विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। वह ऐसा करने वाले इकलौते गेंदबाज हैं। पुरानी दिल्ली 6 के लिए खेलते हुए उन्होंने 10 मैचों में 13 विकेट अपने नाम किए हैं। प्रिंस ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपने करियर का पहला टी20 मुकाबला खेला था। इसके अगले ही दिन लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 30 लाख रुपये के आधार मूल्य पर टीम में शामिल कर लिया। एसएमएटी 2024-25 के सत्र में प्रिंस ने 7.54 के इकोनॉमी रेट से 11 विकेट हासिल किए थे।

इसके बाद वह 50 ओवरों की विजय हजारे ट्रॉफी में भी दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 6 मैचों में 22.00 की औसत से 11 विकेट अपने नाम किए।

हेनरिक क्लासेन के साथ खेला हो गया, हैदराबाद के विकेटकीपर को रन आउट होता देख नहीं कर पाएंगे यकीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 7वां मैच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम पर सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में हैदराबाद के धाकड़ बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन के साथ खेला हो गया। दरअसल, वो 26 रन के निजी स्कोर पर रन आउट हो गए। उन्होंने अपनी 17 गेंद की पारी के दौरान 2 चौके और एक छक्का लगाया। हेनरिक क्लासेन जिस तरह से रन आउट हुए उसे देखकर हर कोई यही कहेगा कि मैच में इससे ज्यादा बुरा उनके साथ नहीं हो सकता। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए प्रिंस यादव 12वां ओवर लेकर आए। उनकी पहली गेंद पर क्लासेन ने एक रन लिया। दूसरी गेंद पर नितीश कुमार रेड्डी ने एक रन लेकर फिर से स्ट्राइक क्लासेन को दी। क्लासेन ने अगली गेंद पर चौका जड़ दिया। चौथी गेंद पर क्लासेन ने एक रन लिया। पांचवीं गेंद डॉट रही। प्रिंस यादव की आखिरी गेंद ऑफ द स्टंप के बाहर एक लो फुल-टॉस बॉल थी।

नितीश रेड्डी ने इसे गेंदबाज के बाएं तरफ नीचे और सपाट तरीके से मारा। प्रिंस यादव ने फॉलोथ्रू में फील्ड करने की कोशिश की। गेंद हाथ के कोने पर लगी और सीधे दूसरे छोर पर स्टम्प पर जा लगी और हेनरिक क्लासेन रन आउट हो गए, क्योंकि वह काफी आगे निकल चुके थे। प्रिंस यादव के हाथ में चोट लगी, लेकिन दर्द के कराहने से पहले उन्होंने जश्न मनाया। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए ये एक भाग्यशाली ब्रेक था।

आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले सीएसके को बड़ा झटका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का 8वां मैच आरसीबी और सीएसके के बीच आज खेला जाना है। यह मुकाबला चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाना है। इस महामुकाबले से पहले सीएसके को बड़ा झटका लगा है। आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने यह पुष्टि की है कि श्रीलंका के स्टार तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना इस अहम मुकाबले में नहीं खेलेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि वह चोट से उबर रहे हैं। वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ सीएसके के आईपीएल 2025 के पहले मैच में भी नहीं खेले थे। दरअसल, आईपीएल 2025 का 8वां मैच चेन्नई और आरसीबी के बीच एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच में दोनों टीमें अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

दोनों टीमें मौजूदा सीजन में 1-1 मैच जीत चुकी है। वहीं, सीएसके की टीम चेपॉक में आरसीबी के खिलाफ अपनी अजेय लय बरकरार रखना चाहेगी। 2008 के बाद सीएसके को उसके घर में आरसीबी की टीम आजतक नहीं हरा पाई हैं। हालांकि, इस ब्लॉकबस्टर मुकाबले से पहले सीएसके की टीम को झटका लगा है। आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पुष्टि की है कि श्रीलंका के स्टार तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना इस महत्वपूर्ण मुकाबले में नहीं खेलेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि वह चोट से उबर रहे हैं।

फ्लेमिंग ने कहा कि पथिराना चोट से उबर रहे हैं। इसलिए उनसे कल खेलने की उम्मीद न करें। इसका मतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस आरसीबी के खिलाफ भी मथीशा पथिराना की जगह खेलना जारी रखेंगे।

बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में हो सकते हैं बड़े बदलाव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान हो चुका है। जबकि पुरुष टीम के लिए अभी ऐलान होना बाकी है। लेकिन उससे पहले पुरुष क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि बीसीसीआई जल्द ही सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर सकती है। इसमें किसे प्रमोशन मिलेगा, किसे डिमोशन, किसकी छुट्टी होगी और किन नए चेहरों को एंट्री मिलेगी, इसे लेकर तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। वैसे औपचारिक ऐलान होने तक इनकी अहमियत अटकलों से ज्यादा कुछ नहीं है। वैसे एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तो सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

जिसमें कहा जा रहा है कि, विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के टी20 फॉर्मेस से संन्यास लेने के बाद इन्हें कॉन्ट्रैक्ट में नुकसान हो सकता है। एक हिन्दी अखबार की रिपोर्ट की माने तो टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर के भारी भरकम सपोर्ट स्टाफ पर भी कैंची चल सकती है। उसी की एक अन्य रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रोहित

सीनियर खिलाड़ियों को होगा बड़ा नुकसान!

शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा को अ+ ग्रेड से डिमोट करके ए ग्रेड में डाला जा सकता है। ए+ ग्रेड सबसे टॉप ग्रेड है। इसमें आमतौर पर उन खिलाड़ियों को रखा जाता है जो लगातार टीम इंडिया के लिए तीनों फॉर्मेट में अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। चूंकि, रोहित, कोहली और जडेजा तीनों ही टी20 से संन्यास ले चुके हैं, लिहाजा उन्हें ए ग्रेड में डाला जा सकता है। शुभमन गिल को ए ग्रेड से प्रमोट करके ए+ ग्रेड में डाला जा सकता है। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्षर पटेल को ग्रेड बी से प्रमोट करके ग्रेड ए में शामिल किया जा सकता है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके रविचंद्रन अश्विन को कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से छुट्टी हो सकती है। कुछ नए चेहरों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में एंट्री हो सकती है।

नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा और अभिषेक शर्मा को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। इन्हें सी कैटेगरी में रखा जा सकता है। पिछली बार घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने की वजह से श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से छुट्टी कर दी गई थी लेकिन इस बार अय्यर को एंट्री मिल सकती है। ए+ ग्रेडः रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा। ए ग्रेडः आर अश्विन, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या। बी ग्रेडः सूर्य कुमार यादव, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और यशस्वी जायसवाल। सी ग्रेडः रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शार्दुल ठाकुर, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, जितेश शर्मा, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, केएस भरत, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान और रजत पाटीदार।

आईपीएल के बाद ब्रेक लेंगे कप्तान रोहित शर्मा

इंग्लैंड दौरे पर नहीं होंगे टीम का हिस्सा!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर्स मौजूदा समय में आईपीएल में जलवा बिखेर रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ गए थे। आईपीएल का ये त्यौहार दो महीने से भी ज्यादा लंबे समय तक चलेगा। इसके बाद टीम इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस दौरे पर रोहित शर्मा नजर नहीं आएंगे।

भारत को जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। इस दौरे पर वह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। स्पोर्ट्स टुडे की खबर के मुताबिक रोहित शर्मा इस दौरे पर नहीं जाएंगे। खबर के मुताबिक रोहित शर्मा ने नाम वापस लेने का फैसला किया है। हालांकि, विराट कोहली टीम का हिस्सा होंगे और दौरे पर

जाएंगे। इस दौरे से पहले टीम ने पिछली टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेली थी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में कोहली और रोहित शर्मा दोनों ही कुछ खास नहीं कर सके थे। रोहित शर्मा ने सीरीज के तीन मैचों में केवल 31 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने आखिरी मैच से खुद को बाहर करने का फैसला किया था जिसके बाद जसप्रीत बुमराह ने टीम की कप्तानी की थी।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका जीत से हुए बेहद खुश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में एक वर्ष में ही कुछ ऐसा हो गया जिसकी उम्मीद फैंस को अधिक नहीं थी। लखनऊ सुपर जायंट्स के डगआउट में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के बाद दो विपरीत दृश्य देखने को मिले। 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स को 2016 के चैंपियन के खिलाफ घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा था। इस घटना पर टीम के मालिक संजीव गोयनका ने तत्कालीन कप्तान केएल राहुल को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, जो काफी सुर्खियों मे आया था।

हालांकि, आरपीएसजी ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष गुरुवार को मुस्कुराते हुए दिखे, जब उन्होंने मौजूदा कप्तान ऋषभ पंत को गले लगाया, क्योंकि एलएसजी ने मौजूदा आईपीएल 2025 के अपने दूसरे गेम में एसआरएच को पांच विकेट से हराया। हैदराबाद की पिच पर पंत द्वारा पहले गेंदबाजी करने के फैसले ने लोगों को चौंका दिया, खासकर तब जब सनराइजर्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 286 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

हालाँकि, शार्दुल ठाकुर की अगुवाई में गेंदबाजों ने इस फैसले को सही साबित किया और मेजबान टीम को 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन पर रोक दिया। पिछले साल नीलामी में अनसोल्ड रहने वाले और आखिरी समय में

हैदराबाद को हराने के बाद ऋषभ पंत को लगाया गले

लखनऊ के साथ आईपीएल अनुबंध हासिल करने वाले इस ऑलराउंडर ने चार विकेट चटकाए। निकोलस पूरन और मिशेल मार्श ने सनराइजर्स के गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ आक्रामक प्रदर्शन किया और लगातार दूसरा अर्धशतक जमाया जिससे लखनऊ ने 23 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

मैच के बाद गोयनका खुद को रोक नहीं पाए और उन्होंने पंत को कसकर गले लगा लिया। टीम के मेंटर जहीर खान यह दृश्य देखकर मुस्कुराने से खुद को नहीं रोक पाए। मैच के बाद की प्रस्तुति से पहले तीनों ने एक छोटी सी बातचीत की। यह दृश्य उस घटना के कुछ दिन बाद आया जब गोयनका को चाय के बाद पंत के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था और टीम को विजाग में अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा था, जिससे प्रशंसकों को केएल राहुल जैसी स्थिति का डर सता रहा था।

गौरतलब है कि पिछले साल काफी आलोचनाओं के बाद राहुल और गोयनका के बीच रिश्ते खराब हो गए थे, जिसके बाद नवंबर में नीलामी से पहले राहुल ने फ्रेंचाइजी से नाता तोड़ लिया था। उन्हें दिल्ली ने 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। पंत ने माना कि एलएसजी के कप्तान के तौर पर पहली जीत हासिल करना उनके लिए बड़ी राहत की बात है। उन्होंने ठाकुर के प्रदर्शन और प्रिंस यादव की भी तारीफ की, जिन्होंने आईपीएल में अपने डेब्यू मैच में टैविस हेड को आउट किया। उन्होंने कहा, "बड़ी राहत की बात है, लेकिन एक टीम के तौर पर हम प्रक्रिया के बारे में बात करते हैं। यह जीतने पर बहुत अधिक उत्साहित होने और हारने पर बहुत अधिक निराश होने के बारे में नहीं है। एक टीम के तौर पर हम अनियंत्रित चीजों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते, मेरे गुरु ने कहा कि नियंत्रणीय चीजों पर ध्यान केंद्रित करो और मैंने वही किया। प्रिंस ने जिस तरह से गेंदबाजी की, उसे देखकर अच्छा लगा और ठाकुर ने भी वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।"

आईपीएल निलामी में जिस खिलाड़ी पर किसी ने नहीं जताया भरोसा

अनसोल्ड रहा ये खिलाड़ी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए साबित हुआ धमाका, शतक से दी सनराइजर्स हैदराबाद को मात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए माना जा रहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद के पास को बल्लेबाजी क्रम है वो बेहद खतरनाक है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में इस बार एक से बढ़कर एक आक्रामक बल्लेबाज है। मगर सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों का मनोबल तोड़ा लखनऊ सुपर जायंट्स ने। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की गेंद के आगे समराइजर्स का कोई बल्लेबाज नहीं टिक पाया।

लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने इस मैच को जीतने में अहम भूमिका निभाई। वहीं बाकी बची कसर पूरी की नकोलिस पूरन और मचिल मार्श ने। सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर लखनऊ की टीम ने इस सीजन की अपनी पहली जीत हासिल की। हैदराबाद को उसके ही होमग्राउंड में हराकर टीम ने शानदार जीत के साथ अपना खाता खोला है।

क्रिकेट की दुनिया में लॉर्ड के नाम से

पहचान बनाने वाले शार्दुल ठाकुर ने सनराइजर्स हैदराबाद के दमदार बल्लेबाजों को अधिक समय तक क्रिज पर टिकने का मौका नहीं दिया। उन्होंने अभषिक शर्मा (6) ओर ईशान किशन (0) को जल्दी पवेलियन भेजा। शार्दुल ने मैच में 34 रन दिए और चार विकेट झटके। आईपीएल में शार्दुल ठाकुर का ये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। आईपीएल में शार्दुल ठाकुर के 100 विकेट भी पूरे हो गए है। इस सीजन में 33 वर्षीय शार्दुल ठाकुर छह विकेट चटकाने के साथ ही पर्पल कैप पर कब्जा जमाए बैठे है। इस आईपीएल में शार्दुल ठाकुर को 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर शामिल किया गया। वो अब टीम के लिए संजीवनी साबित हुए है।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में निकोलस पूरन ने 70 रनों की पारी खेली, जिससे हैदराबाद की जीत का सपना पूरी तरह से टूट गया। पूरन ने इस मैच में आईपीएल के इस सीजन का सबसे तेज अर्धशतक जडा है। उन्होंने मात्र 18 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए मिचेल मार्श (52) के साथ 116 रनों की अहम साझेदारी की। इस महत्वपूर्ण साझेदारी के कारण ही हैदराबाद पांच विकेट हार गई। आईपीएल 2025 की मेगा ऑडिशन में शार्दुल ठाकुर अनसोल्ड रहे थे।

मगर इस सीजन में शार्दुल की गेंद से ना ही रन निकल रहे है बल्कि वो दमदार विकेट भी चटका रहे है। आईपीएल सीजन के पहले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी शार्दुल ने दो ओवर में 19 रन देकर दो विकट चटकाए थे। बता दें कि शार्दुल ठाकुर का आईपीएल डेब्यू वर्ष 2015 में पंजाब किंग्स के साथ हुआ था। अबतक वो कुल 97 आईपीएल मैच खेल चुके हे और 100 विकेट चटका चुके है। उन्होंने बल्ले से भी दमदार खेल दिखाया है। वो कुल 307 रन आईपीएल में बना चुके है।

निकोलस पूरन ने उड़ाया गर्दा

ट्रेविस हेड को पछाड़ कर रचा इतिहास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला खेला गया। जिसे लखनऊ सुपर जायंट्स ने 5 रन से जीत लिया, ये जीत LSG की आईपीएल 18वें सीजन की पहली जीत है। वहीं इस मुकाबले में निकोलस पूरन ने 26 गेंदों में ताबड़तोड़ 70 रनों की तूफानी खेली। 191 रनों की पीछा करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स का पहला विकेट एडन मार्करम के रूप में 4 रन के स्कोर पर गिरा। जिसके बाद तीसरे नंबर पर पूरन आए और मिशेल मार्श के साथ 116 रनों की दमदार साझेदारी की। पूरन ने 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करके आईपीएल में एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया।

इस दौरान निकोलस पूरन ने 26 गेंदों में 70 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और इतने ही चौके लगाए। उन्हें 9वें ओवर की चौथी गेंद पर पैट कमिंस ने आउट किया। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में इतिहास रचा। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 20 गेंदों से कम में अपना अर्धशतक पूरा करने वाले बल्लेबाज बने। ये आईपीएल में चौथी बार है जब निकोलस पूरन ने 20 गेंदों में कम में अपना अर्धशतक पूरा किया है। वह ट्रेविस हेड को पछाड़ कर सबसे ज्यादा बार 20 गेंदों से कम में फिफ्टी पूरा करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनके बाद लिस्ट में ट्रेविस हेड और जैक फ्रेजर-मैक्गर्क हैं, जिन्होंने 3-3 बार ऐसा किया है।

साथ ही इस पारी के बाद निकोलस पूरन के पास ऑरेंज कैप पहुंच गई है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी 75 रन की बेजोड पारी खेली थी। अभी तक 2 मुकाबलों में 145 रन हैं।

पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान की हुई फजीहत

ईशान किशन ने खोली पाक खिलाड़ी की पोल, यहां जानें कारण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ईशान किशन ने पाकिस्तान के वनडे कप्तान मोहम्मद रिजवान के विकेट के पीछे जरूरत से ज्यादा अपील करने की कराब आदत के बारे में बताया है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज का मानना है कि रिजवान की इस आदत से पाकिस्तान को नुकसान भी हुआ होगा।

भारतीय अंपायर अनिल चौधरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने ईशान किशन की विकेट के पीछे अपील करने की आदत में हुए बदलाव की तारीफ की है। अनिल चौधरी ने शुक्रवार को अंपायरिंग से संन्यास ले लिया है।

हाल ही में अनिल चौधरी ने ईसान किशन से समय के साथ विकेटकीपर के रूप में उन्होंने जो बदलाव किए हैं और स्टंप के पीछे जरूरत से ज्यादा अपील करने की उनकी पुरानी आदत के बारे में पूछा। इस पर ईशान किशन ने पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान की टांग खींची और कहा कि अगर वह पाकिस्तानी विकेटकीपर की तरह हर बार अपील करेंगे तो अंपायर शायद बल्लेबाज को एक बार भी आउट नहीं देगा। किशन ने कहा कि इन दिनों अंपायर काफी अच्छे हो गए हैं और वह दबाव में आकर आपकी बात नहीं मानेंगे। ईशान किशन ने कहा, मुझे लगता है अंपायर अब स्मार्ट बन गए हैं।

अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के किया क्वालिफाई, लियोनल मेसी खेलेंगे! जानें कोच ने क्या कहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी कनाडा, यूनाइटेड स्टेट और मैक्सिको को मिली है। पिछली बार फीफा वर्ल्ड कप 2022 का खिताब अर्जेंटीना ने जीता था और तब इस टाइटल को दिलाने में लियोनल मेसी का अहम रोल रहा था। उन्होंने तब कुल 7 गोल किए और अर्जेंटीना के लिए सबसे बड़े हीरो साबित हुए थे। वह अभी तक पांच फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुके हैं और अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या वह आगामी फीफा वर्ल्ड कप में खेलेंगे या नहीं। उनकी उम्र अभी 27 साल है और अगले साल तक वह 38 साल के हो जाएंगे। अर्जेंटीना ये साबित कर रहा है।

अगर स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी किसी भी कारण से 2026 वर्ल्ड कप में नहीं खेलने का फैसला करते हैं तो भी वह जीत सकता है। अर्जेंटीना ने अगले साल होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। अर्जेंटीना के कोच लियोनल स्कोलोनी ने कहा कि हम देखेंगे कि क्या होता है, अभी बहुत समय है। हमें एक बार में एक मैच पर ध्यान देना चाहिए, नहीं तो हम पूरे साल एक हीबात के बारे में बोलते रहेंगे। हमें उसे अकेला छोड़ देना चाहिए, हम देखेंगे। वह जब चाहे तब फैसला करेगा।

हार्दिक पांड्या की वापसी से मुंबई को मिलेगी जान

गुजरात भी करेगी बदलाव! जानिए संभावित प्लेइंग-11

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दो पूर्व चैंपियन- गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस, आईपीएल के 18वें सीजन में शनिवार को टकराएंगी। दोनों ही टीमें मौजूदा सीजन की शुरूआत जीत के साथ नहीं कर सकी थीं और अब दूसरे मैच में अपना खाता खोलने की कोशिश करेंगी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मैच में सभी की नजरें दोनों टीमों की प्लेइंग-11 पर होंगी। पहले मैच में मिली हार के बाद टीम मैनेजमेंट प्लेइंग-11 में बदलाव कर सकते हैं। टीमों के लिए जरूरी है कि पिछले मैच की गलतियों से सीखें और जीता का खाता खोलें। हालांकि, एक टीम को फिर भी निराश ही मिलेगी क्योंकि जीतेगी एक ही टीम। जीत किसके हिस्से आएगी इसमें प्लेइंग-11 का अहम रोल होगा और इसलिए दोनों ही टीमों के कप्तान अपने सर्वश्रेष्ठ संयोजन उतारने की कोशिश करेंगी। मुंबई को पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या नहीं खेले थे, क्योंकि उन पर बैन था। पिछले सीजन मुंबई के आखिरी मैच में वह धीमी ओवर गति के कारण एक मैच के लिए बैन कर दिए गए थे। ये बैन इस मैच में लागू हुआ।

गुजरात के खिलाफ वह वापसी करेंगे। ये वही टीम है जिसको पांड्या ने अपनी कप्तानी में पहले ही सीजन में विजेता बनाया था। पांड्या आते हैं तो फिर रोबिन मिन्ज को बाहर जाना पड़ सकता है। बाकी कोई और बदलाव टीम में नजर नहीं आता। टीम ने पहले मैच में जिन खिलाड़ियों पर भरोसा जताया था उन्हें एक बार फिर देखा जा सकता है। टीम को रोहित शर्मा काफी उम्मीद होगी जो पिछले मैच में खाता खोले बिना आउट हो गए। उम्मीद विल जैक्स और रियान रिकलटेन से भी होगी। पंजाब किंग्स के खिलाफ गुजरात को हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में टीम की बल्लेबाजी जमकर चली थी, लेकिन गेंदबाजों ने निराश किया था। पंजाब के बल्लेबाजों ने जमकर रन कूटे थे। यहां हो सकता है कि गुजरात बदलाव करे। मोहम्मज सिराज और कगिसो रबाडा को खेलना तय है। अरशद खान की जगह उनकी ईशांत शर्मा को मौका मिल सकता है। सई सुदर्शन और जोस बटलर ने शानदार पारियां खेली थीं और अर्धशतक जमाए थे। गिल ने भी अच्छी पारी खेली थी। शेरफाने रदरफोर्ड ने शुरूआत तो अच्छी की थी, लेकिन वह फिर लय भटक गए थे। टीम ने उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल किया था। यहां टीम मुंबई के खिलाफ ग्लेन फिलिप्स को मौका दे सकती है। दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11: मुंबई इंडियंसः हार्दिक पांड्या (कप्तान), रियान रिकलटन, विल जैक्स, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, नमन धीर, मिचेल सैंटनर, दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट, सत्यनारायण राजू।

चैती छठ में 41 गंगा घाटों पर अर्घ्य देंगी व्रती

पटना। चैती छठ की शुरूआत एक अप्रैल से हो रही है। इसे लेकर पटना नगर निगम ने तैयारी शुरू कर दी है। शहर के 41 घाटों और 7 तालाबों में छठ पूजा का आयोजन होगा। बांकीपुर अंचल में 12 घाट, अजीमाबाद अंचल में 9, पटना सिटी अंचल में 12, पाटलिपुत्र अंचल में 7, नूतन राजधानी अंचल में 1 गंगा घाट और 7 तालाब तैयार किए जा रहे हैं। घाटों पर साफ सफाई के साथ ही समतलीकरण और सीढ़ी बनाने का काम शुरू हो चुका है।

सत्ता की खोज
पटना, शनिवार, 29 मार्च 2025

संक्षिप्त खबरें

कैंसर उपचार के साइड इफेक्ट कर रहे परेशान, अस्पताल में भर्ती हुए किंग चार्ल्स

नई दिल्ली, (एजेंसी)। किंग चार्ल्स तृतीय को कैंसर के उपचार से संबंधित अस्थायी साइड इफेक्ट का अनुभव होने के बाद निरीक्षण और जांच के लिए कुछ समय के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बकिंघम पैलेस द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, 27 मार्च दोपहर और शुक्रवार को उनके कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। पैलेस ने यह भी कहा कि चार्ल्स अब लंदन में अपने निवास क्लेरेंस हाउस में लौट आए हैं। राजमहल ने एक औपचारिक बयान जारी किया और कहा कि आज सुबह कैंसर के लिए निर्धारित और चल रहे चिकित्सा उपचार के बाद, राजा को अस्थायी दुष्प्रभावों का अनुभव हुआ, जिसके लिए उन्हें अस्पताल में कुछ समय तक निगरानी में रहना पड़ा। इसलिए महामहिम के दोपहर के कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए। पैलेस ने कहा कि महामहिम अब क्लेरेंस हाउस लौट आए हैं और एहतियाती उपाय के रूप में, चिकित्सा सलाह पर कार्य करते हुए, कल का डायरी कार्यक्रम भी पुनर्निर्धारित किया जाएगा। हामहिम उन सभी से माफी मांगना चाहते हैं, जिन्हें इसके परिणामस्वरूप असुविधा या निराशा हुई हो। पिछले साल फरवरी में किंग चार्ल्स को कैंसर के एक अज्ञात रूप का पता चला था। इसके बाद, 76 वर्षीय राजा ने लगभग तीन महीने तक सार्वजनिक कर्तव्यों से दूरी बनाए रखी, लेकिन सरकारी दस्तावेजों की समीक्षा करने और प्रधान मंत्री के साथ बैठक करने जैसे राज्य के कर्तव्यों को पूरा करना जारी रखा।

किंग चार्ल्स तृतीय अगले महीने वेटिकन की राजकीय यात्रा के दौरान पोप फ्रांसिस से मुलाकात करेंगे। बकिंघम पैलेस द्वारा मंगलवार को जारी किए गए ब्रिटिश सम्राट की वेटिकन और इटली की यात्रा के विवरणों में यह संभावित मुलाकात भी शामिल है। चार्ल्स की तीन दिवसीय यात्रा 7 अप्रैल से शुरू होगी और इसमें इटली और उसकी राजधानी रोम में होने वाले कार्यक्रम भी शामिल होंगे, जो वेटिकन सिटी के आसपास है।

मेरे शासन मॉडल में भेदभाव की अनुमति नहीं: ममता बनर्जी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उनके शासन मॉडल में भेदभाव की अनुमति नहीं है और वह समाज के सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता देती हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के केलॉग कॉलेज में एक सभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने समावेशी विकास के महत्व पर बल दिया और कहा कि समाज में विभाजन प्रतिकूल परिणाम देता है। उन्होंने पूछा, ''...एकता हमारी ताकत है और विभाजन हमें पतन की ओर ले जाता है। ऐसा स्वामी विवेकानंद मानते थे।

एकता बनाए रखना एक कठिन काम है, लेकिन लोगों को विभाजित करने में बस एक पल लगता है।'' उन्होंने कहा, ''जब मैं कुर्सी पर होती हूं, तो मैं समाज को बांट नहीं सकती। मुझे कमजोर वर्गों और गरीबों का ध्यान रखना होता है। हमें उनके लिए कड़ी मेहनत करनी होती है। साथ ही, हमें सभी धर्मों, जातियों और पंथों के लिए मिलकर काम करना चाहिए, उनके साथ आगे बढ़ना चाहिए और उनकी मदद करनी चाहिए।

रूस ने लॉन्च की परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी, अथाह समंदर से दागेगी न्यूक्लिर मिसाइल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाइपरसोनिक जिरकोन मिसाइलों से लैस एक परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी को लॉन्च किया, आवाज की गति से कई गुना अधिक स्पीड से यात्रा करने में सक्षम है। ळअरर समाचार एजेंसी ने बताया कि यह देश के उत्तरी क्षेत्र में मरमंस्क की उनकी यात्रा के दौरान हुआ। 'प्रेम' नाम की यह पनडुब्बी रूसी चौथी पीढ़ी की बहुउद्देशीय परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी है। यह रूसी नौसेना के लिए सेवमाश शिपयार्ड में निर्मित परियोजना 885/885M यासेन-श्रेणी की पनडुब्बियों की श्रृंखला में छठी भी है। पनडुब्बी का कील 29 जुलाई, 2016 को रखा गया था। पुतिन ने नई पनडुब्बी के लॉन्च की सराहना करते हुए कहा कि यह पोत रूस की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगा और इसके राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा, खासकर आर्कटिक जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में। यह विकास ऐसे समय में हुआ है जब मॉस्को वैश्विक तनाव के बीच अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाना जारी रखे हुए है। इस उन्नत शस्त्रागार का केंद्र जिरकोन हाइपरसोनिक मिसाइल है, जो अपनी असाधारण गति और सटीकता के लिए प्रसिद्ध है। 2023 की शुरूआत में रूसी सेना के शस्त्रागार में प्रवेश करने वाली जिरकोन को मुख्य रूप से एक एंटी-शिप मिसाइल के रूप में डिजाइन किया गया है, लेकिन इसे यूक्रेनी शहरों के खिलाफ हमलों में भी तैनात किया गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मिसाइल का पहली बार फरवरी 2024 में यूक्रेन के खिलाफ इस्तेमाल किया गया था। जिरकोन मिसाइल की गति लगभग 8-9 मैक या लगभग 10,000 किलोमीटर प्रति घंटा है, और इसके वारहेड का वजन 300-400 किलोग्राम है। रूसी नौसेना दुनिया के सबसे बड़े और सबसे दुर्जेय पनडुब्बी बेड़े में से एक पर कब्जा करना जारी रखती है, जिसमें अनुमानित 64 जहाज हैं। इसकी रणनीतिक निवारक क्षमताओं के केंद्र में इसकी 16 परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियाँ (SSBN) हैं, जो रूस की रक्षा संरचना का एक महत्वपूर्ण घटक बनी हुई हैं।

व्हाइट हाउस में ट्रंप की इफ्तार पार्टी, क्यों मचा बवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रमजान का महीना चल रहा है, 31 मार्च को ईद है। इसी के मद्देनजर व्हाइट हाउस में इफ्तार पार्टी रखी गई। इफ्तार पार्टी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शामिल हुए। ट्रंप ने रमजान के महीने की अहमियत पर बात करते हुए कहा कि मैं आप सभी का व्हाइट हाउस के इफ्तार डिनर में स्वागत करता हूं। हम इस्लाम के पवित्र महीने रमजान का जश्न मना रहे हैं। यह बहुत बेहतरीन महीना है। दुनियाभर के मुस्लिमों को रमजान मुबारक। हम दुनिया के बेहतरीन धर्मों में से एक धर्म का सम्मान करते हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के इस खास महीने के अवसर पर मौजूद रहे। वहीं कहा जा रहा है कि इफ्तार पार्टी में अमेरिकी मुस्लिम सांसदों और समुदाय से जुड़े नेताओं को न्योता नहीं दिया गया, इसकी जगह मुस्लिम देशों के विदेशी राजदूतों को इफ्तार डिनर में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया था। ट्रंप ने कहा कि मैं उन लाखों मुस्लिम-अमेरिकियों को विशेष धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में रिकॉर्ड संख्या में हमारा समर्थन किया।

यह अविश्वसनीय था। हमने आपके साथ थोड़ी धीमी शुरूआत की, लेकिन हम आगे बढ़ गए। नवंबर में मुस्लिम समुदाय हमारे साथ था, और जब तक मैं राष्ट्रपति हूँ, मैं आपके साथ रहूँगा। पवित्र महीने के दौरान हर दिन, मुसलमान सुबह से शाम तक उपवास रखते हैं और प्रार्थना और ईश्वर के प्रति समर्पण पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं। फिर दुनिया भर के मुसलमान हर रात अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलते हैं और सर्वशक्तिमान को धन्यवाद देते हैं, इफ्तार के खाने के साथ अपना उपवास तोड़ते हैं। हम सभी पूरी दुनिया के लिए शांति की कामना कर रहे हैं। ट्रम्प ने मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए अपने प्रशासन के कूटनीतिक प्रयासों पर प्रकाश डाला, जहां अक्टूबर 2023 से इजरायल और हमास के बीच संघर्ष जारी है। अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता से जनवरी में हुए युद्धविराम के 18 मार्च को समाप्त होने के बाद लड़ाई फिर से शुरू हो गई। राष्ट्रपति ने सभी के लिए आशावादी भविष्य बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस देश में शेर की तरह घुसने ही वाले थे मोदी

उससे पहले ही गोते खाते नाव की तरह डोलने लगे मकान, हिल उठी पूरी राजधानी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 से 6 अप्रैल तक थाईलैंड और श्रीलंका की यात्रा पर रहेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, वह 4 अप्रैल को बैंकॉक में 6वें बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। लेकिन पीएम मोदी की यात्रा से ठीक पहले भूंकप के झटकों से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक सहम उठा है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में निवासियों ने एक तेज और लंबे समय तक भूकंप महसूस किया, जिसके कारण इमारतें हिल गईं और दुकानों और दफ़्तरों को खाली कराना पड़ा। भूविज्ञान के लिए जर्मनी के GFZ ने प्रारंभिक रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि 7.3 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र पड़ोसी म्यांमार में था। इसे 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर दर्ज किया गया। इस बीच यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 7.7 थी। आपको बता दें कि थाईलैंड द्वारा आयोजित यह शिखर सम्मेलन नेपाल के काठमांडू में 2018 के शिखर सम्मेलन

के बाद बिम्सटेक नेताओं की पहली आमने-सामने की बैठक होगी। इस वर्ष बिम्सटेक का विषय है समृद्ध, लचीला और खुला। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा करना है। नेताओं से संस्थागत ढांचे को मजबूत करने, क्षमता निर्माण, सुरक्षा सहयोग, व्यापार और निवेश सुविधा के साथ-साथ समुद्री और डिजिटल कनेक्टिविटी पर विचार-विमर्श करने की उम्मीद है। बयान में कहा गया है कि भारत बिम्सटेक ढांचे के भीतर ऊर्जा, जलवायु सुरक्षा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उम्मीद है कि नेता संस्थागत ढांचे को मजबूत करने, क्षमता निर्माण, सुरक्षा सहयोग, व्यापार और निवेश सुविधा के साथ-साथ समुद्री और डिजिटल कनेक्टिविटी पर विचार-विमर्श करेंगे। बयान में कहा गया है कि भारत बिम्सटेक ढांचे के भीतर ऊर्जा, जलवायु सुरक्षा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री 3 अप्रैल को शिखर सम्मेलन से पहले द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के लिए अपने थाई समकक्ष पैतोंगटार्न शिनावात्रा से मिलने वाले हैं।

म्यांमार में इमरजेंसी, बैंकॉक में ट्रेन सर्विस सस्पेंड

भारतीय वायुसेना ने सी17 ग्लोबमास्टर को स्टैंडबाय पर रखा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिण पूर्व एशिया में दो भयंकर भूकंप आए, जिससे थाई राजधानी बैंकॉक की इमारतें हिल गईं और पूरे शहर के साथ-साथ पड़ोसी म्यांमार में भी लोगों को खाली कराना पड़ा। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, यूएस जियोलॉजिकल सर्वे और जर्मनी के जीएफजेड सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने कहा कि दोपहर का भूकंप 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर था और इसका केंद्र म्यांमार में था। 12 मिनट बाद 6.4 तीव्रता के दूसरे भूकंप ने क्षेत्र को हिला दिया।

बैंकॉक में ऊंची-ऊंची छतों वाले पूलों के हिलने से पानी किनारे पर बह गया और कई इमारतों से मलबा गिर गया। भूकंप के ठीक बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में एक निमार्णाधीन अपार्टमेंट की इमारत ढहती हुई दिखाई दे रही।

म्यांमार में 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद छह क्षेत्रों और राज्यों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है, जिसका केंद्र देश के दूसरे सबसे बड़े शहर के पास था। सरकारी एमआरटीवी टेलीविजन ने कहा कि भूकंप और दोपहर के समय आए तेज झटके के बाद सेना द्वारा संचालित सरकार की घोषणा में राजधानी नेपीता और मांडले शामिल हैं। म्यांमार गृहयुद्ध के बीच में है और कई इलाकों तक पहुंचना आसान नहीं है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि सेना किस तरह के राहत कार्य कर पाएगी। भारतीय वायुसेना के C17 ग्लोबमास्टर को बैंकॉक और म्यांमार के लिए स्टैंडबाय पर रखा गया है। वे सहायता के लिए उपकरण और बचाव दल ले जाने के लिए अंतिम आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

महरंग बलूच की गिरफ्तारी कहीं बलूचिस्तान में पाकिस्तान की आखिरी गलती न बन जाये

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बलूचिस्तान मामले में पाकिस्तान शुरू से गलतियां करता रहा और इलाके की जनता उसे सहती रही। लेकिन अब बलूच जनता के सब्र का बांध टूट चुका है और कल को बलूचिस्तान यदि पाकिस्तान से अलग हो जाये तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा। बलूचिस्तान के हालात पर गौर करें तो संघर्ष से भरा यह क्षेत्र पाकिस्तान सरकार के खिलाफ बढ़ते विद्रोह और प्रतिरोध आंदोलन के कारण बारूद का ढेर बनता दिख रहा है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी इस क्षेत्र को स्वतंत्र कराने पर आमादा है। लेकिन पाकिस्तानी सेना और पुलिस ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और इसके नेताओं के खिलाफ जो सघन अभियान छेड़ रखा है उससे इनके लिए मुश्किलें भी खड़ी हो रही हैं। लेकिन बलूचों को लग रहा है कि जैसा गुलामी और गरीबी का जीवन उनके पुरखों ने गुजारा वैसा जीवन वह और उनकी आने वाली पीढ़ी गुजारने के लिए मजबूर नहीं हों इसके लिए अभी कार्रवाई करनी होगी। इसके लिए बलूच विद्रोही पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ लड़ाई में किसी भी हद तक जाने को तैयार नजर आ रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान पुलिस ने एक ऐसी गलती कर दी है जिससे बलूचिस्तान में विद्रोह की आग और भड़क गयी है। दरअसल पाकिस्तान पुलिस ने हाल ही में एक प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता और बलूच आकांक्षाओं की प्रतीक महरंग बलूच को हिरासत में ले लिया है जिससे अशांति और अधिक बढ़ गयी है। टाइम पत्रिका द्वारा महरंग को 100 उभरते नेताओं में शामिल किया जा चुका है। हम आपको बता दें कि महरंग बलूच समेत लगभग 150 कार्यकताओं की गिरफ़्तारी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा हुई है और पाकिस्तान में मानवाधिकारों के हनन तथा बलूच आवाजों के दमन के बारे में चिंताएँ विश्व स्तर पर देखी जा रही हैं। हम आपको बता दें कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में एक विरोध प्रदर्शन के बाद आतंकवाद, देशद्रोह और हत्या के आरोपों के तहत महरंग को गिरफ़्तार किया है। उल्लेखनीय है कि बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) की नेता और एक मेडिकल डॉक्टर महरंग बलूच, बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने वाले

लोगों और पुलिस तथा सेना की ओर से की जाने वाली हत्याओं के खिलाफ मुखर रही हैं। हम आपको यह भी बता दें कि महरंग बलूच की बहन इकरा बलूच ने उनकी गिरफ़्तारी की निंदा करते हुए सोशल मीडिया पर कहा है कि जेल में उनकी यात्रा उस समय की याद दिलाती है जब उन्होंने 18 साल पहले अपने पिता को सलाखों के पीछे देखा था। उन्होंने लिखा, "उस समय, महरंग हमारे साथ थी। आज, वह नहीं है।" हम आपको बता दें कि उनके पिता अब्दुल गफ्फार लैंगोव एक राष्ट्रवादी नेता थे, जिन्हें 2009 में जबरन गायब कर दिया गया था और उनका शव तीन साल बाद लासबेला जिले में मिला था। तब से महरंग ने जबरन गायब किए जाने और न्यायेतर हत्याओं के खिलाफ लड़ने का फैसला किया था। अब 32 वर्ष की हो चुकीं महरंग तमाम बाधाओं के बावजूद सक्रियता से अपना मिशन जारी रखे हुए हैं। उन्हें मिलने वाली मौत की धमकियां, उन पर लगने वाले यात्रा प्रतिबंध और हिरासत आदि उन्हें रोक नहीं पा रही हैं। हम आपको याद दिला दें कि दिसंबर 2023 में उन्होंने जबरन गायब किए जाने वाले लोगों के मामले में पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए इस्लामाबाद में एक बड़े मार्च को आयोजित करने में भी मदद की थी। महरंग पर तब भी पुलिस ने जुल्म किये थे और अब भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। महरंग के परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि अधिकारियों ने उन्हें जेल में उनसे मिलने या भोजन पहुँचाने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। हम आपको बता दें कि बलूचिस्तान में चल रहे मानवाधिकार हनन के कारण कई लोग कट्टरपंथी बन गए हैं। वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स की रिपोर्ट है कि 2009 से अब तक लगभग 1,500 लापता व्यक्ति मृत पाए गए हैं, जिन्हें अक्सर क्रूरतापूर्वक प्रताड़ित किया गया, जबकि 6,000 अभी भी लापता बताये जाते हैं। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि न्यायेतर हत्याएँ बढ़ रही हैं, लेकिन सेना इससे इंकार करती है। इसीलिए पाकिस्तान कई वर्षों से बलूचिस्तान में अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है, जिसमें आतंकवादी समूह सुरक्षा बलों और विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते हैं। दूसरी ओर, महरंग बलूच की गिरफ्तारी से बलूचिस्तान में पाकिस्तान की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद हो रही है। अंतरराष्ट्रीय समूह भी पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं इसीलिए मौके की नजाकत को देखते हुए अगस्त 2023 से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि बलूचिस्तान प्रांत वर्तमान में एक "अवैध सरकार" के तहत है। इमरान खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा है कि बलूचिस्तान पर थोपी गई एक अवैध सरकार किसी भी मुद्दे का समाधान कैसे कर सकती है?

मोदी से मुलाकात का समय नहीं मिल रहा था

भारत को संदेश देने के लिए शी जिनपिंग से मिले मुहम्मद यूनुस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के पहले से तनावपूर्ण चल रहे रिश्तों में एक नई खटास आ गयी है क्योंकि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार के मुख्य सलाहकार ने अपनी चीन यात्रा से भारत को एक 'संदेश' देने की कोशिश की है। हालांकि ऐसी रिपोर्टें हैं कि यूनुस पहले भारत आना चाहते थे लेकिन नयी दिल्ली से उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। बताया यह भी जा रहा है कि बांग्लादेश ने अगले सप्ताह बैंकॉक में बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन के दौरान मोहम्मद यूनुस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बैठक का प्रस्ताव रखा है और भारत की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। बांग्लादेश मीडिया में इस तरह की रिपोर्टें हैं कि मोहम्मद यूनुस का यह दौरा भारत से बिगड़ते संबंधों के बीच नये दोस्त और सहयोगी तलाशने के लिए रखा गया। हम आपको यह भी बता दें कि बांग्लादेश के अधिकारियों के दावों पर अभी तक भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गयी है। यूनुस के चीन दौरे की बात करें तो आपको बता दें कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने आज बीजिंग में मुलाकात की। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार शी ने यूनुस

से कहा कि बीजिंग "द्विपक्षीय सहयोग को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है।" शी ने कहा, "चीन... आपसी विश्वास के आधार पर बांग्लादेश का एक अच्छा पड़ोसी, अच्छा मित्र और अच्छा साझेदार बने रहने पर जोर देता है।" चीनी नेता ने कहा कि बीजिंग और ढाका को मूल हितों पर "एक दूसरे का दृढ़ता से समर्थन" करना चाहिए और उन्होंने राष्ट्रीय संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सहित मुद्दों पर बांग्लादेश का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि दोनों देश बुनियादी ढांचे के निर्माण, जल संरक्षण और डिजिटल, समुद्री और पर्यावरण क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशेंगे। मोहम्मद यूनुस के चीनी राजधानी में कई अन्य उच्च स्तरीय बैठकें करने के बाद शनिवार को स्वदेश लौटने की उम्मीद है। बांग्लादेशी प्रशासन के अनुसार दोनों देशों के बीच आर्थिक और तकनीकी सहायता, सांस्कृतिक और खेल सहयोग और मीडिया सहयोग समेत कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। बातचीत में बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों की विशाल आबादी पर भी चर्चा हुई। ढाका के विदेश मंत्रालय के नौकरशाह ने बताया है कि बांग्लादेश में एक चीनी "मैत्री अस्पताल" की स्थापना पर भी चर्चा हुई है। बांग्लादेश चाहता है कि उसके नागरिक इलाज के लिए भारत जाना बंद करें इसलिए वह चीन की मदद चाहता है। हम आपको यह भी बता दें कि इस सप्ताह ढाका में राष्ट्रीय दिवस पर बांग्लादेश के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के कुछ ही घंटों बाद मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस एक विशेष चाइना सदर्न फ्लाइट में सवार होकर चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर चीन के लिए रवाना हो गए थे। यूनुस की चीन यात्रा, भारत के साथ बांग्लादेश के तनावपूर्ण संबंधों के बीच हुई है।

बांग्लादेश एक तरह से भारत को संदेश भी देना चाह रहा है। जहां तक यूनुस के चीन दौरे की बात है तो यह सिर्फ ज्यादा से ज्यादा मदद मांगने पर ही केंद्रित रही। यूनुस ने शी के साथ अपनी बैठक से पहले चीनी ऋणों पर ब्याज दर कम करने और चीनी वित्तपोषित परियोजनाओं पर प्रतिबद्धता शुल्क माफ करने की चीन से अपील की थी।

श्रीलंकाई नौसेना ने अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्रीलंकाई नौसेना ने इस द्विपीय देश के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछलियां पकड़ने के आरोप में बृहस्पतिवार को भारत के 11 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी नौका जब्त कर ली। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। नौसेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि ये गिरफ्तारियां डेल्फ़्ट द्वीप के उत्तरी समुद्री क्षेत्र में 'विशेष अभियान' के दौरान की गईं। बयान में कहा गया कि 11 मछुआरों को कांकेसंथुरई बंदरगाह लाया गया और कानूनी कार्यवाही के लिए उन्हें मैलाडी के मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। ऐसे क्षेत्रों में दोनों देशों के मछुआरों को अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता है। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद विषय है, यहां तक कि श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी की और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उन मछुआरों की नौकाओं को जब्त भी किया।

कोलंबिया मुझे निराश करेगा ऐसी उम्मीद नहीं थी

अमेरिकी एजेंसियों को चकमा देकर कनाडा पहुंचीं भारतीय स्टूडेंट रंजनी ने जानें क्या कहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हमास का समर्थन करने के बाद अमेरिका से सेल्फ डिपोर्ट होने वाली भारतीय पीएचडी छात्रा रंजनी श्रीनिवासन खुद को कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा ठगा हुआ महसूस कर रही हैं। रंजनी श्रीनिवासन ने खुद को कनाडा डिपोर्ट कर लिया था। अल जजीरा के साथ एक साक्षात्कार में श्रीनिवासन ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका संस्थान उन्हें निराश करेगा, लेकिन उन्हें ऐसा ही महसूस हुआ।

होंने कहा कि मैंने कोलंबिया में पाँच साल बिताए, काम किया। कभी-कभी हफ़्ते में शायद 100 घंटे। मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि संस्थान मुझे निराश करेगा। लेकिन ऐसा हुआ। श्रीनिवासन डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन द्वारा उन पर 'हमास का समर्थन' करने का आरोप लगाए जाने और पिछले वर्ष दिसंबर में नवीनीकृत उनके वीजा को रद्द करने से पहले सार्वजनिक नियोजन में डॉक्टरेट की पढ़ाई कर रही थीं, उन्हें अब भी उम्मीद है कि विश्वविद्यालय उनकी अपील पर विचार करेगा और उनका नामांकन बहाल करेगा। मुझे उम्मीद है कि कोलंबिया को होश आएगा और वह मुझे फिर से नामांकित करेगा। मेरी पीएचडी के लिए सभी आवश्यकताएं पूरी हो चुकी हैं, और जो कुछ भी बाकी है, उसके लिए मुझे अमेरिका में रहने की भी जरूरत नहीं है। इसलिए मैं कोलंबिया से ऐसा करने की अपील करने की कोशिश कर रहा हूं।

न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट की छात्रा रंजनी श्रीनिवासन को पहली बार 5 मार्च को चेन्नई में संयुक्त राज्य अमेरिका के वाणिज्य दूतावास से एक ईमेल मिला, जिसमें कहा गया था कि उनका छात्र वीजा रद्द कर दिया गया है।

नौकरियों और छंटनी पर बोले पेटीएम चीफ, कहा पुराना जाएगा तभी तो नया आएगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने आने से देश और दुनिया में कई तरह के बदलाव देखने को मिल सकते है। भविष्य में कई ऐसे बदलाव हो सकते है जिसे देख कर हर कोई हैरान हो जाए। इसी बीच पेटीएम के फाउंडर और सीईओ शेखर शर्मा ने भी बाद बयान दिया है। उनके इस बयान को हर तरफ चर्चा हो रही है। टाइम्स नाउ समिट में बोलते हुए उन्होंने कहा कि नई टेक्नोलॉजी के साथ नौकरियों पर खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। आज के समय में एसटीडी पीसीओ बूथ नहीं दिखते है जो एक समय में देश, शहर के हर कोने में हुआ करते थे। आज वो काम और वो जॉब सब बदल चुका है। आप ये मानने लगे है की कुछ नौकरियां खत्म होंगी। ये सच है कि कुछ नौकरियां खत्म होंगी और ये ही प्रकृति का नियम है। जब तक पुराना नहीं जाएगा तबतक नया नहीं आएगा। भगवान कृष्ण ने भी गीता में ये ज्ञान दिया है। वर्तमान नौकरियां जाएंगी तभी नई नौकरियां आएंगी। उन्होंने आगे कहा, "हम अपनी वैश्विक प्रौद्योगिकी और क्षमता के साथ, भारतीय प्रतिभा के बल पर इस एआई रेस में भाग ले रहे हैं। हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि हम एआई की इस दौड़ का हिस्सा बने हुए हैं।"

ईद पर पीएम मोदी के जिगरी ने दी बड़ी ईदी, 500 भारतीयों को दे दी माफी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रमजान से पहले यूएई ने दया का एक महत्वपूर्ण संकेत दिखाया और बड़े पैमाने पर कैदियों को माफ कर दिया। आधिकारिक आदेशों के अनुसार, जिन लोगों को क्षमादान दिया गया है, उनमें 500 से ज्यादा कैदी भारतीय नागरिक हैं। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने 1,295 कैदियों को रिहा करने का आदेश दिया, जबकि प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने 1,518 कैदियों को क्षमादान दिया। ये आदेश फरवरी के अंत में लागू किए गए थे। यह क्षमादान विभिन्न राष्ट्रीयताओं के व्यक्तियों पर लागू होता है जिन्हें दुबई के सुधारात्मक और दंडात्मक सुविधाओं में रखा गया था। दुबई के अटॉर्नी जनरल, चांसलर एसाम इस्सा अल-हुमैदान ने कहा कि यह निर्णय शेख मोहम्मद के उन लोगों को एक नई शुरूआत देने के समर्पण को दशार्ता है जिन्होंने अपनी सजा काट ली है। दुबई के अटॉर्नी जनरल ने यह भी पुष्टि की कि क्षमादान के बाद, दुबई पुलिस के समन्वय में दुबई लोक अभियोजन ने उनकी

रिहाई के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को लागू करना शुरू कर दिया है। क्षमादान का उद्देश्य उन्हें अपने परिवारों के साथ फिर से जुड़ने और समाज में फिर से शामिल होने की अनुमति देना है। क्षमादान का यह संकेत न्याय, करुणा और भारत के साथ राजनयिक संबंधों को मजबूत करने के लिए यूएई की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यूएई ने रमजान के दौरान कैदियों को माफ करने की अपनी वार्षिक परंपरा को जारी रखा है। यह अधिनियम पवित्र महीने की भावना के साथ संरेखित होकर दया और सुलह के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में कार्य करता है। कैदियों को क्षमा करने के साथ-साथ, शेख मोहम्मद बिन जायद की सरकार ने रिहा किए गए कैदियों के वित्तीय दायित्वों का निपटान करने का भी संकल्प लिया है। इस पहल का उद्देश्य कैदियों और उनके परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों को कम करना, घरों में स्थिरता को बढ़ावा देना और उन्हें वित्तीय बोझ के बिना नई शुरूआत करने की अनुमति देना है। यूएई की लंबे समय से चली आ रही परंपरा के हिस्से के रूप में, वार्षिक रमजान क्षमादान देश की दया और दूसरे अवसरों के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

तारमिस्त्री परीक्षा हेतु आवेदन आमंत्रित

कोरबाः संभागीय अनुज्ञापन समिति (विद्युत) बिलासपुर द्वारा प्रतिवर्षानुसार तारमिस्त्री परीक्षा आगामी जुलाई 2025 में लिया जाएगा। इस हेतु आवेदन 30 अप्रैल 2025 जमा करने की अंतिम तिथि है। उक्त परीक्षा हेतु बिलासपुर, मुंगेली, गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही, कोरबा, जांजगीर-चांपा एवं सक्ती जिले के आवेदनकर्ता कार्यालय, कार्यपालन अभियंता (विद्युत सुरक्षा) एवं संभागीय विद्युत निरीक्षक, छत्तीसगढ़ शासन बिलासपुर संभाग बिलासपुर, प्रथम तल यू.डी.एम. हॉस्पिटल बिल्डिंग, होमगार्ड कैंपस के पास, कुदुदण्ड, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर तत्संबंध में जानकारी एवं निःशुल्क आवेदन फार्म प्राप्त कर सकते है।

सत्ता की खोज
पटना, शनिवार, 29 मार्च 2025

संक्षिप्त खबरें

संसद में छत्तीसगढ़ के किसानों की आवाज बने सांसद बृजमोहन अग्रवाल

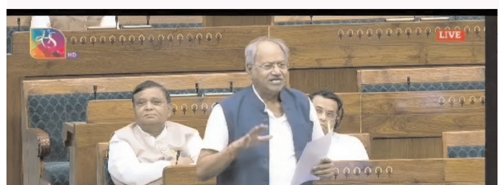

सत्ता की खोज ब्यूरो चीफ सागर बत्रा रायपुर 9131216133

नई दिल्ली/रायपुर :- रायपुर सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के किसानों के हितों का मामला लोकसभा में उठाया बृजमोहन अग्रवाल ने संसद में छत्तीसगढ़ में किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर सरकार से प्रश्न किया। उन्होंने केंद्र सरकार से जानना चाहा कि क्या किसानों को सस्ती दरों पर समय पर उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कोई विशेष योजना लागू की जा रही है विशेष रूप से दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों में। सांसद अग्रवाल ने यह भी पूछा कि क्या सरकार आयात पर निर्भरता कम करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ में नई सक्रिय औषधि सामग्री (एपीआई) विनिर्माण इकाई स्थापित करने की योजना बना रही है। इस पर रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ में किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक जैसे यूरिया डाई अमोनियम फास्फेट (डीएपी) म्युरेट ऑफ पोटाश (एम ओ पी) और नाइट्रोजन फास्फोरस और पोटेशियम (एनपीके) प्रयाप्त मात्रा में उपलब्ध कराए जा रहे हैं और समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार हर फसल सीजन में आवश्यक कदम उठा रही है। मंत्री पटेल ने स्पष्ट किया कि सरकार का छत्तीसगढ़ में फिलहाल कोई नई एपीआई विनिर्माण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव नहीं है। हालांकि उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रभावी रणनीतियों पर काम कर रही है जिसके तहत राज्यवार और महीनावार उर्वरक आवश्यकता का आकलन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा राज्य सरकारों के परामर्श से किया जाता है। मासिक आपूर्ति योजना जारी करके उर्वरकों की निरंतर निगरानी की जाती है। एकीकृत उर्वरक निगरानी प्रणाली (आईएफएमएस) के माध्यम से सब्सिडी वाले उर्वरकों की देशभर में आवाजाही की निगरानी की जाती है। राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ साप्ताहिक वीडियो कांफ्रेंस आयोजित कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति के तहत दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों के किसानों को भी पर्याप्त मात्रा में उर्वरक मिल रहा है जिससे उन्हें खेती में कोई कठिनाई न हो। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि छत्तीसगढ़ में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को सस्ते दामों पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए और अधिक ठोस योजनाएं लाई जाएं ताकि राज्य के किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

कैट ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वित्तमंत्री ओ.पी.चौधरी एवं आयुक्त राज्य जीएसटी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा को ई-वे बिल छूट को 50, 000 रुपए से बढ़ाकर 1, 00, 000 रुपए तक किये जाने पर किया अभार व्यक्त

सत्ता की खोज ब्यूरो चीफ सागर बत्रा रायपुर 9131216133

रायपुर :- देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव परमानन्द जैन ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वित्तमंत्री ओ.पी.चौधरी एवं आयुक्त राज्य जीएसटी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा को ई-वे बिल छूट को 50, 000 रुपए से बढ़ाकर 1, 00, 000 रुपए तक किये जाने पर आभार व्यक्त किया। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने बताया कि कैट ने विष्णुदेव साय ओ.पी. चौधरी एवं पुष्पेन्द्र कुमार मीणा को ई-वे बिल छूट को 50, 000 रुपए से बढ़ाकर 1, 00, 000 रुपए तक किये जाने पर आभार व्यक्त किया दोशी ने आगे बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया (कैट) सी.जी. चैप्टर ने द्वारा राज्य बजट 2025 में ई-वे बिल छूट को 50, 000/-(पचास हजार रुपए) से बढ़ाकर 1, 00, 000/- (एक लाख रुपए) तक (कुछ उत्पादो को छोडकर) किया गया है। जिसकी अधिसूचना आज जारी की गई है। कैट ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं वित्तमंत्री ओ.पी.चौधरी के व्यवसाय को राहत देने एवं मेंम वि क्वपदह के तहत ई-वे बिल पर छूट प्रदान करने हेतु पुनः आभार करती है।

उपायुक्त ने की अपील, समाज में शांति व सौहार्द बनाए रखने में मीडिया प्रशासन का करें सहयोग

हमारे समाज में सोशल मीडिया, वेब पोर्टल, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से फैलने वाली अफवाहों और सांप्रदायिक समाचारों की समस्या एक गंभीर चुनौती बन गई है। यह न केवल हमारे समाज की एकता और सामाजिक सौहार्द को कमजोर करता है, बल्कि इससे पैनिक की स्थिति भी उत्पन्न होते रहती है। इन समस्याओं से हमें जूझना न पड़े इसलिए उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय ने सभी अधिकृत व अनाधिकृत पत्रकार और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर से अपील की है कि वे प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया और वेब पोर्टल पर सांप्रदायिक समाचार न डालें और न ही अफवाहों को फैलाने में अपना योगदान दें। हम उम्मीद करते हैं कि इस तरह हम एक स्वस्थ और जिम्मेदार मीडिया को बढ़ावा दे सकते हैं जो समाज के लिए फायदेमंद हो।

उन्होंने कहा कि हम यह भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि यदि कोई अधिकृत व अनाधिकृत पत्रकार, सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर सांप्रदायिक समाचार या अफवाहें फैलाता है, तो हमें मजबूरन कानूनी कार्रवाई करनी पड़ सकती है। हमें विश्वास है कि पत्रकार समुदाय हमारे इस अनुरोध का पालन करेगा और समाज में शांति और सौहार्द को बनाए रखने में मदद करेगा।

इन धाराओं के तहत की जाएगी कार्रवाईः वॉट्सअप, फेसबुक व सोशल मीडिया के अन्य साधनों से आपत्तिजनक पोस्ट करने एवं धार्मिक भावनाएं भड़काने वालों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिये है। जारी आदेश के अनुसार आपत्तिजनक संदेश, फोटो या वीडियों को फारवर्ड करने अथवा पोस्ट करने पर ग्रुप एडमिन तथा संदेश प्रसारित करने वाले के विरूद्ध यह दण्डात्मक कार्यवाही होगी। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्यवाही की जायेगी।

फेसबुक संचालन करने वाले नागरिक तथा वॉट्सअप ग्रुप एडमिन अपने ग्रुप में धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाले संदेश के लिए जिम्मेदार होंगे। अतः वे स्वयं ऐसा कोई विवादास्पद संदेश न तो खुद प्रसारित करे और ना ही अपने ग्रुप के सदस्यों को ऐसा करने दें। यदि वॉट्सअप ग्रुप में कोई आपत्तिजनक संदेश ग्रुप के किसी भी सदस्य द्वारा प्रसारित किया जाता है तो एडमिन की जिम्मेदारी होगी कि वह इसके संबंध में निकटतम पुलिस थाने को सूचित करे। ऐसा न करने पर ग्रुप एडमिन घटना के लिए जिम्मेदार माना जायेगा।

कैबिनेट मंत्री दर्जा विधायक गुरु खुशवंत साहेब का 36वां जन्मदिन सेवा भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया

सत्ता की खोज ब्यूरो चीफ सागर बत्रा रायपुर 9131216133

रायपुर :- अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं आरंग विधायक (कैबिनेट मंत्री दर्जा) गुरु खुशवंत साहेब का 36वां जन्मदिन हर्षोल्लास सेवा और भक्ति के भावपूर्ण वातावरण में मनाया गया। रायपुर से लेकर आरंग भंडारपुरी धाम खरोरा और तिल्दा तक कार्यकताओं एवं समाजजनों ने उनका भव्य स्वागत किया और केक काटकर शुभकामनाएँ दीं मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय सम्मान विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने जन्मोत्सव की शुरूआत रायपुर स्थित गुरुनिवास में अपने परिवार और कर्मचारियों के साथ केक काटकर की। इसके बाद वे मुख्यमंत्री निवास पहुँचे जहाँ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं केक कटवाकर उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर सतनामी समाज के धर्मगुरु एवं उनके पूज्य पिता गुरु बालदास साहेब भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सेवा कार्यःभिक्षुक पुनर्वास केंद्र और बालिका गृह में जन्मोत्सव मुख्यमंत्री निवास से लौटकर गुरु साहेब ने मोवा स्थित भिक्षुक पुनर्वास केंद्र में जरूरतमंदों के साथ जन्मदिन मनाया। इसके उपरांत वे बालिका बालगृह रायपुर पहुँच बच्चों के साथ जन्मोत्सव मनाया और वहां वाटर कूलर दान किया जिससे वहाँ रहने वाली बेटियों को गर्मी में राहत मिल सके। उनके इस सेवा भाव की सभी ने सराहना की आरंग में भव्य जन्मोत्सव समारोह आरंग पहुँचते ही सतनामी समाज एवं अखिल भारतीय सतनाम सेना के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सतनाम भवन में जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर आरंग विधानसभा समाज के अध्यक्ष यशवंत टंडन सहित अन्य पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके पश्चात जनपद कार्यालय आरंग में जन्मोत्सव मनाया गया फिर माई की बगिया में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा विधानसभा आरंग की ओर से होली मिलन समारोह एवं जन्मोत्सव कार्यक्रम हुआ केक काटकर जन्मोत्सव मनाया फिर होली मिलन समारोह में जमकर थिरके विधायक गुरु साहेब जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक गुरु साहेब ने अपने विधानसभा क्षेत्र के नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधियों सरपंच जनपद सदस्य जिला पंचायत सदस्य नगर पालिका एवं नगर पंचायत के अध्यक्ष उपाध्यक्ष पार्षदों तथा पत्रकारों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को देखकर गुरु खुशवंत साहेब ने सभी भाजपा पदाधिकारियों कार्यकताओं एवं समस्त विधानसभा वासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा-यह जन्मोत्सव अपने विधानसभा परिवार के साथ मिलकर मनाने से मेरा हृदय गदगद हो गया। आपका स्नेह और प्यार सदैव बना रहे। मैं भी यह विश्वास दिलाता हूँ कि आरंग विधानसभा के हर नागरिक के सुख-दुःख में हमेशा खड़ा रहूँगा भंडारपुरी धाम में भक्ति और आध्यात्मिक आशीर्वाद आरंग में भव्य स्वागत के बाद विधायक गुरु साहेब भंडारपुरी धाम गुरुद्वारा पहुँचे जहाँ उन्होंने अपने परिवार के साथ जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्होंने परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। साथ ही अपने पूज्य पिता गुरु बालदास साहेब जी, गुरुमाता प्रवीण माता जी बड़े भाई गुरु सोमेश बाबा जी एवं छोटे भाई गुरु सौरभ साहेब जी सहित समस्त परिवार का स्नेह प्राप्त किया। गुरुद्वारे में सत्संग और भंडारे का आयोजन किया गया। इसके पश्चात भंडारपुरी गांव में आयोजित रामायण समारोह में भी जन्मोत्सव मनाया गया, जहाँ बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। खरोरा और तिल्दा में कार्यकताओं के साथ उत्सव भंडारपुरी धाम से लौटते समय गुरु साहेब खरोरा पहुँचे जहाँ उन्होंने रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल के निवास में केक काटकर जन्मोत्सव मनाया। इसके बाद वे तिल्दा स्थित परशुराम भवन पहुँचे जहाँ स्थानीय निवासियों एवं कार्यकताओं के साथ जन्मदिन मनाया गया। तिल्दा में जन्मोत्सव के दौरान विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कहा "मेरा शिक्षा, सामाजिक और राजनीतिक जीवन की यात्रा यहीं से प्रारंभ हुई है। यह क्षेत्र मेरे लिए परिवार के समान है। आपके प्रेम और आशीर्वाद से मैं सदैव जनसेवा के पथ पर आगे बढ़ता रहूँगा।"कार्यक्रम के समापन पर कार्यकताओं और समर्थकों ने उनके दीघार्यु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जन्मोत्सव के इस पूरे आयोजन में समाजसेवी जनप्रतिनिधि कार्यकर्ता, श्रद्धालु और समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में उठाई रायपुर एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय दर्जा देने की मांग

सत्ता की खोज ब्यूरो चीफ सागर बत्रा रायपुर 9131216133

नई दिल्ली रायपुर :- रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ाने शुरू करने और बिलासपुर रायगढ़ अंबिकापुर, जगदलपुर जैसे प्रमुख शहरों में हवाई सेवाओं के विस्तार को लेकर रायपुर के लोकप्रिय सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में शून्य काल के दौरान छत्तीसगढ़ में हवाई सेवाओं के विस्तार और रायपुर हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय दर्जा देने की मांग उठाई। सासंद अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से देश का एक उभरता हुआ राज्य है। यहाँ बाल्को जिंदल भिलाई स्टील प्लांट हिंडाल्को एनएमडीसी एनटीपीसी जैसे कई बड़े उद्योग स्थापित हैं। इसके अलावा राज्य में 32% आदिवासी और 12% अनुसूचित जाति समुदाय के लोग निवास करते हैं। रायपुर हवाई अड्डे से प्रतिमाह 60, 000 से 70, 000 लोग देश-विदेश की यात्रा करते हैं साथ ही कई अंतरराष्ट्रीय निवेशक छत्तीसगढ़ में निवेश के इच्छुक हैं। किन्तु अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की अनुपलब्धता के कारण निवेश की संभावनाओं को पूरी तरह से साकार नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि यदि रायपुर हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय दर्जा दिया जाए और आवश्यक सुविधाएँ जैसे इमिग्रेशन ऑफिस एक्साइज ऑफिस कार्गो टर्मिनल बेहतर पार्किंग और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन किया जाए तो इससे छत्तीसगढ़ की आर्थिक प्रगति को नया आयाम मिलेगा। सासंद अग्रवाल ने केंद्र सरकार एवं नागरिक उड्डयन मंत्रालय से रायपुर हवाई अड्डे को शीघ्र अंतरराष्ट्रीय दर्जा देने और राज्य के प्रमुख शहरों बिलासपुर, रायगढ़, अंबिकापुर एवं जगदलपुर में हवाई सेवाओं के विस्तार की माँग की। उन्होंने कहा कि यह सुविधा मिलने से छत्तीसगढ़ के नागरिकों को सुगम हवाई यात्रा का लाभ मिलेगा और छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होने की दिशा में और अधिक मजबूती से आगे बढ़ेगा।

नव दाम्पत्य जीवन में प्रवेश करने वाले दम्पतियों को कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने दी शुभकामनाएं

सुखमय जीवन के संकल्प के साथ 146 वर-वधुओं के जोड़ें ने लिए फेरे

कटघोरा के अग्रसेन भवन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोरबाः मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आज जिले के कटघोरा विकासखण्ड के अग्रसेन भवन में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। योजनांतर्गत आज 146 वर-वधू के जोड़े दांपत्य सूत्र में बंधे और सुखमय जीवन का संकल्प लेकर एक नई जिंदगी की शुरूआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वाणिज्य उद्योग व श्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवन सिंह, एसडीएम श्री रोहित सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण बड़ी संख्या में वर-वधुओं को आशीर्वाद देने उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन सहित अन्य अतिथियों ने सभी वर-वधुओं को सुखमय जीवन का आशीर्वाद दिया।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि वर-वधुओं का सामाजिक, धार्मिक रीति-रिवाज का पालन करते हुए सामूहिक विवाह संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी जोड़ों को अपने माता-पिता, परिवार जन सहित कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न समाज के लोगों, वरिष्ठजनों का शुभ आशीष मिल रहा है। उन्होंने परिणय सूत्र में बंधकर नव दाम्पत्य जीवन मे प्रवेश करने वाले 146 दम्पतियों के सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि आप सभी समाज के लिए प्रेरणा बनें एवं आदर्श जीवन यापन करें। आप सभी के कंधों पर परिवार की जिम्मेदारी आ गई है, जिसका निर्वहन कुशलता पूर्वक करें। उन्होंने अपने बड़े बुजुर्गों का सम्मान करने व घर के सभी सदस्यों का ख्याल रखने हेतु नव जोड़ां को प्रेरित किया। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने हेतु प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार गठन के साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आयी है। जिससे सभी वर्ग के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। सरकार गठन के साथ ही 18 लाख गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। तेंदूपत्ता संग्राहकों से 5500 रुपए प्रति मानक बोरा की दर से खरीदी कर सुद्दढ़ बनाया जा रहा है। जनहितकारी सरकार द्वारा 3100 रुपए प्रति क्विन्टल की समर्थन मूल्य पर 21 क्विन्टल प्रति एकड़ की मान से धान खरीदी कर किसानों की मेहनत को सम्मान दिया गया है। साथ ही धान का बकाया बोनस देकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाया है। महतारी वंदन योजना से महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान कर आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। उन्होंने आमजनों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

मथुरा के गोदड़ीवाला धाम में वार्षिक महोत्सव संतो के सानिध्य में ध्वजारोहण :- अमर गिदवानी

होली गेट से निकली भव्य शोभा यात्रा जगह-जगह हुआ स्वागत :- अमर गिदवानी

सत्ता की खोज ब्यूरो चीफ सागर बत्रा रायपुर 9131216133

रायपुर :- गोदड़ीवाला धाम में गोदड़ी वाले संत बाबा हरदास राम साहब संत बाबा गेलाराम साहब वार्षिक महोत्सव ध्वज एवं ध्वजारोहण संत महात्माओं के सानिध्य में हुआ। महाराष्ट्र से आए महंत श्री देवदास जी छत्तीसगढ़ रायपुर से महंत अम्मा मीरा देवी के सानिध्य में मनाया जा रहा है पूरे भारतवर्ष से करीबन 1100 श्रद्धालु पधारे हुए हैं।

26 मार्च को सुबह 8:00 बजे आरती सत्संग अखंड धूनी साहब का प्रारंभ होकर 1:00 बजे डॉ. मनमोहन जी का प्रवचन की पश्चात शाम 5:00 बजे होली गेट से शाही शोभा यात्रा निकली जिसका जगह-जगह स्वागत किया गया। यात्रा होली गेट से होते हुए गोदड़ी धाम में समापन हुई। रात्रि 9:00 बजे अखंड धूनी साहब का समापन एवं भंडार के पश्चात पल्लव साहब के साथ समापन हुआ। उक्त जानकारी सेवादारी अमर गिदवानी, अनिल थौरानी, किशोरीलाल जगवानी, गुरमुख गंगवानी, अनिल ठारानी, वासुदेव तोलानी, महेश गिदवानी, दिलीप इसरानी, श्याम केसवानी, सुरेश, मनोहर चौथानी, विजय रंगवानी, संजय मखीजा, हरीश कोडवानी, नंदलाल आहूजा, ठाकुर डिंगवानी नवलराम गिदवानी प्रतापराय लालवानी, महेश प्रितवानी शीतल रचदानी, दीपक खेमानी, मनोज अहूजा, सचिन सचदेव एवं मथुरा के सेवादारियों ने जानकारी दी।

पूर्व विधासनभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर बिल्हा विधानसभा में जनपद पंचायत पथरिया के सरपंच एवं अधिकारियों भाजपा कार्यकर्ताओं की ली अहम बैठक

सत्ता की खोज ब्यूरो चीफ सागर बत्रा रायपुर 9131216133

रायपुर :- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मार्च को छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। बिलासपुर जिले के ग्राम मोहभट्ठा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तहत मोहभट्ठा में प्रधानमंत्री मोदी की आमसभा को लेकर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने विधानसभा बिल्हा के जनपद पंचायत पथरिया के सरपंच एवं अधिकारियों व भाजपा कार्यकताओं की अहम बैठक ली। धरमलाल कौशिक ने बैठक में कार्यकताओं को अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही उपस्थित सरपंच एवं अधिकारियों को जिम्मेदारियों से अवगत कराया साथ ही इस बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों क्षेत्रवासियों को आमंत्रित करने और विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की साथ ही कार्यक्रम को भव्य व सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि हमने बनाया है हम ही संवारेंगे के नारे को जनता ने साकार किया है। आप सभी को उनके विश्वास पर खरा उतरना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिलासपुर आगमन पर अधिक से अधिक संख्या में कार्यकताओं एवं आमजन को शामिल होने का आग्रह किया। धरमलाल कौशिक ने कहा की उन्होंने कहा कि सभी कार्यकताओं का जोश समर्पण और संगठनात्मक शक्ति यह भरोसा दिलाती है कि यह ऐतिहासिक कार्यक्रम नए कीर्तिमान स्थापित करेगा और क्षेत्रवासियों के लिए अविस्मरणीय अवसर बनेगा। धरमलाल कौशिक ने कहा कि करोड़ों की सौगात देने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले हैं उनका आगमन यादगार बने और ऐतिहासिक बने इसके लिए हमे जोरो शोरो से तैयारी करनी है यह कार्यक्रम एक ऐतिहासिक और शानदार कार्यक्रम होना चाहिए।

शासकीय नवीन आदर्श महाविद्यालय बंजारी कोरबा (छ. ग.) में लोगो विमोचन एवं वेबसाइट अनावरण सम्पन्न

शासकीय नवीन आदर्श महाविद्यालय बंजारी कोरबा (छ. ग.) में लोगो विमोचन एवं वेबसाइट अनावरण दिनांक 27/03/2025 को संपन्न हुआ। इसमें मुख्य अतिथि करतला जनपद उपाध्यक्ष श्री मनोज झा एवं कार्यक्रम की अध्यक्ष संस्था प्रमुख प्राचार्य श्रीमती डॉ. तारा शर्मा के उपस्थिति में हुआ। मुख्य अतिथि के आगमन पर महाविद्यालय प्रमुख श्रीमती डॉ. तारा शर्मा द्वारा पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। महाविद्यालय के संस्था प्रमुख प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि को महाविद्यालय की समस्या एवं विकास की स्थिति से अवगत कराया। हम सब मिलकर कैसे महाविद्यालय का विकास करें इस पर सुझाव दिया गया और अधिक से अधिक बच्चों का महाविद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित किया गया।

मुख्य अतिथि करतला जनपद उपाध्यक्ष श्री मनोज झा ने अपने उदबोधन में कहा कि वह बंजारी महाविद्यालय के विकास हेतु हर संभव प्रयास करेंगे। प्राचार्य महोदय के द्वारा इतने कम समय अवधि में किए गए कार्यों की सराहना उन्होंने की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के विकास में सभी चुनौतियों को स्वीकार कर आवश्यक मार्ग निर्माण के लिए संभव प्रयास किया जायेगा। करतला उपाध्यक्ष के साथ ही श्री संजू वैष्णव ने अपने उद्बोधन में सभी के कार्यों की सराहना की एवं आभार व्यक्त किया।

बरपाली महाविद्यालय कोरबा के डॉ. सी.पी.नंद द्वारा भी महाविद्यालय के विकास के लिए लोगों एवं वेबसाइट अनावरण की शुभकामनाएं दी गई।

इसी के साथ डॉ. ए.के.सिंह का भी शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में श्री मनोज झा द्वारा शासकीय नवीन आदर्श महाविद्यालय बंजारी के लोगो विमोचन एवं वेबसाइट का अनावरण किया गया। प्राचार्य द्वारा श्री मनोज झा को स्मृति चिन्ह भेट किया गया। अंत में आभार सहायक अध्यापक वीरेंद्र श्रीवास द्वारा किया गया उक्त कार्यक्रम में बंजारी महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक डॉक्टर आसमा सिंह कंवर, वीरेंद्र श्रीवास, एम.डी. मोहम्मद नदीम अंसारी, सूरज पटेल, डॉ. अंजु दिवाकर, डॉ.राजेश्वरी कुर्रे, डॉ. ललिता प्रजापति, रोशनी राठौर, सुषमा धुर्वे, रविकांत, धीरेंद्री राठिया, रोशन पांडे आदि उपस्थित थे.

केंद्र सरकार की योजना में शिक्षा विभाग के अफसरों ने सेंध लगाकर किचन सह भंडार मरम्मत के लिए जारी राशि का किया गबन

गौरेला पेंड्रा मरवाहीः प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण मध्याह्न भोजन योजना अंतर्गत जिले के प्राथमिक शालाओं तथा पूर्व माध्यमिक शालाओं में किचन सह भंडार कक्ष मरम्मत हेतु वित्तीय वर्ष में 2023-24 में कुल 39 लाख रुपए जिले के तीनों ब्लॉक-गौरेला, पेंड्रा और मरवाही के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के लिए प्रति स्कूल 10 हजार रुपए के मान से जारी किया गया। केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा और बच्चों के विकास लिए नई-नई योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। परन्तु शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने इसे वसूली का अड्डा बना लिया है। जिले के गौरेला, पेंड्रा, और मरवाही ब्लॉक में प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक स्कूलों में किचन सह भंडार मरम्मत के नाम पर प्रति स्कूल दस हजार की राशि स्वीकृत की गई परन्तु मरम्मत के नाम पर जारी उक्त राशि का गबन संबंधित स्कूल के शिक्षकों को बियरर चेक देकर ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों ने मिलकर जारी राशि का गबन कर लिया गया है। वास्तव में कुछ भी कार्य धरातल पर नहीं हुआ है। अब देखने वाली बात यह होगी कि इस प्रकार से किये गये भ्रष्टाचार और गबन की जानकारी लगने के बाद जिला प्रशासन एवं विभाग द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की जाती है।